UPPSC 2026
Full Test Series (25 Test)

कुल 25 फुल लेंथ टेस्ट

संपूर्ण सामान्य अध्ययन (GS)

Test Series Discussion के साथ

अभ्यास ही सफलता की कुंजी है !

UPPSC/PRE/T02/2026

TEST - 02

GS : Full Test
सम्पूर्ण पाठ्यक्रम

समय — 2 घंटे
कुल प्रश्न — 150
कुल अंक — 200

kredoz IAS

उम्मीदवार का अनुक्रमांक

प्रश्न–पुस्तिका

A

पूर्णांक –200

25 Full Length Test | UPPSC Pattern पर आधारित | Detailed Solution (PDF) | Test Discussion Classes | Performance Analysis | Exam Readiness & Revision

नियमित अभ्यास बनाएगा आपको विजयी !

- एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर Complete तैयारी
- Quality Questions & Updated Content
- Expert Faculty की मार्गदर्शन
- Rank Oriented Practice
- अपनी तैयारी को दें नई दिशा

kredoz IAS
उम्मीदवार का अनुक्रमांक

UPPSC 2026-27
सामान्य अध्ययन

Your Success Our Mission

1. हिमालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. शिवालिक श्रेणी का निर्माण मुख्य हिमालय से अपरदित होकर आए अवसादों से हुआ है। इन श्रेणियों के बीच 'दून' घाटियाँ पाई जाती हैं।

2. मुख्य सीमांत भ्रंश (Main Boundary Thrust) लघु हिमालय को शिवालिक श्रेणी से अलग करता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

2. प्रायद्वीपीय भारत के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पश्चिमी घाट अपेक्षाकृत सतत श्रृंखला है, जबकि पूर्वी घाट नदियों द्वारा कटा-छँटा और असतत है।

2. अनाईमुडी पूर्वी घाट की सर्वोच्च चोटी है।

3. दक्कन ट्रैप का निर्माण क्रिटेशियस काल के अंत में विदरी (fissure) ज्वालामुखी उद्गार से हुआ।

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2

(c) केवल 1 और 2 (d) 1, 2 और 3

3. सूची-I (दर्रा) को सूची-II (राज्य) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. शिपकी ला	1. उत्तराखंड
B. जेलेप ला	2. हिमाचल प्रदेश
C. दिफू दर्रा	3. अरुणाचल प्रदेश
D. मुलिंग ला	4. सिक्किम

कूट (A B C D):

(a) 2 3 4 1 (b) 4 2 3 1

(c) 3 4 2 1 (d) 2 4 3 1

4. भारत के तटीय मैदानों एवं द्वीपों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पूर्वी तटीय मैदान पश्चिमी तटीय मैदान से अधिक चौड़ा है और यह उन्मग्न (emergent) तट का उदाहरण है।

2. पश्चिमी तट निमग्न (submergent) तट है, और इसी विशेषता के कारण यहाँ प्राकृतिक पत्तनों के विकास की अनुकूल दशाएँ मिलती हैं।

3. लक्षद्वीप के द्वीप ज्वालामुखीय उत्पत्ति के हैं।

4. भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी, बैरन द्वीप, अंडमान सागर में स्थित है।

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 1, 2 और 4

(c) केवल 2, 3 और 4 (d) केवल 2 और 4

5. अभिकथन (A): दक्कन का पठार सामान्यतः पूर्व की ओर ढालू है।

कारण (R): प्रायद्वीपीय भारत की अधिकांश बड़ी नदियाँ बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है

(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A सही है, परंतु R गलत है

(d) A गलत है, परंतु R सही है

6. भारतीय जलवायु के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ग्रीष्म ऋतु में उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट स्ट्रीम प्रायद्वीपीय भारत के ऊपर बहती है।

2. उपोष्ण पश्चिमी जेट स्ट्रीम शीत ऋतु में पश्चिमी विक्षोभों को भारत तक लाती है।

3. 'काल बैसाखी' पश्चिम बंगाल एवं असम में होने वाली मानसून-पूर्व तड़ित-झंझा है।

4. 'आम्र वर्षा' केरल एवं कर्नाटक तट पर होने वाली मानसून-पूर्व वर्षा है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

7. निम्नलिखित में से कौन-सी मिट्टी स्वस्थानिक (in situ) नहीं है?

(a) जलोढ़ मिट्टी (b) लैटेराइट मिट्टी

(c) काली मिट्टी (d) लाल मिट्टी

8. सूची-I (कोपेन जलवायु प्रकार) को सूची-II (क्षेत्र) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. Amw	1. कोरोमंडल तट
B. As	2. पश्चिमी राजस्थान
C. BWhw	3. अरुणाचल प्रदेश
D. Dfc	4. गोवा के दक्षिण में पश्चिमी तट

कूट (A B C D):

(a) 4 2 1 3 (b) 1 4 2 3

(c) 4 1 2 3 (d) 2 1 4 3

9. जनगणना 2011 के अनुसार निम्नलिखित राज्यों को जनसंख्या घनत्व के घटते क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

1. उत्तर प्रदेश 2. केरल

3. बिहार 4. पश्चिम बंगाल

(a) 3-4-1-2

(b) 3-4-2-1

(c) 4-3-2-1

(d) 3-2-4-1

10. भारत की प्राकृतिक वनस्पति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत में सर्वाधिक विस्तार उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों का है।
2. सुंदरी वृक्ष गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा के मैंग्रोव वनों की विशेषता है।
3. उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वनों में सागौन एवं साल प्रमुख वृक्ष हैं।

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1

(c) केवल 3 (d) केवल 2 और 3

11. सूची-I (स्थानीय पवन) को सूची-II (क्षेत्र) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. जोंडा	1. एड्रियाटिक सागर तट (ठंडी पवन)
B. बोरा	2. एंडीज़ का पूर्वी ढाल, अर्जेंटीना
C. सांता एना	3. दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया
D. ब्रिकफील्डर	4. दक्षिणी कैलिफोर्निया

कूट (A B C D):

(a) 2 1 4 3 (b) 2 4 1 3

(c) 3 1 4 2 (d) 1 2 4 3

12. महासागरीय धाराओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पेरू (हम्बोल्ट) धारा एक ठंडी धारा है, जो अटाकामा मरुस्थल की शुष्कता के कारकों में से एक है।
2. एल-नीनो की स्थिति में पेरू तट पर उत्प्रवाह (upwelling) तीव्र हो जाता है, जिससे मत्स्य उत्पादन बढ़ता है।
3. न्यूफाउंडलैंड के निकट लैब्राडोर धारा और गल्फ स्ट्रीम के मिलन से घना कोहरा बनता है तथा ग्रैंड बैंक्स मत्स्य क्षेत्र विकसित हुआ है।

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

13. भूमध्य रेखा द्वारा काटे जाने वाले निम्नलिखित देशों को पश्चिम से पूर्व के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

1. युगांडा
2. गैबॉन
3. इक्वाडोर
4. सोमालिया

(a) 3-1-2-4

(b) 2-3-1-4

(c) 3-2-4-1

(d) 3-2-1-4

14. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए (नदी – उद्गम स्थल):

1. नर्मदा – अमरकंटक
2. तापी – मुलताई (बैतूल)
3. कृष्णा – त्र्यंबकेश्वर
4. पेन्नार – महाबलेश्वर

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

15. गंगा के बाएँ तट की निम्नलिखित सहायक नदियों को गंगा में मिलने के स्थान के आधार पर पश्चिम से पूर्व के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

1. गंडक 2. रामगंगा

3. कोसी 4. गोमती

(a) 2-4-1-3

(b) 4-2-1-3

(c) 2-1-4-3

(d) 2-4-3-1

16. अभिकथन (A): नर्मदा और तापी नदियाँ डेल्टा के स्थान पर ज्वारनदमुख (एस्चुअरी) बनाती हैं।
कारण (R): ये नदियाँ मृदु चट्टानी क्षेत्रों से होकर बहती हैं, जिससे इनका अवसाद भार अत्यधिक होता है।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है

(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A सही है, परंतु R गलत है

(d) A गलत है, परंतु R सही है

17. फसलों की भौगोलिक दशाओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. चाय की खेती के लिए ढलवाँ भूमि आवश्यक है, ताकि जड़ों में जल-जमाव न हो।
2. कपास के लिए लगभग 210 पाला-रहित दिन और काली मिट्टी उपयुक्त होती है।
3. जूट के लिए निम्न तापमान और कम वर्षा वाली दशाएँ अनुकूल होती हैं।

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

18. सूची-I (खनन क्षेत्र) को सूची-II (खनिज) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. मलाजखंड	1. सोना
B. हट्टी	2. बॉक्साइट
C. बैलाडीला	3. ताँबा
D. अमरकंटक	4. लौह अयस्क

कूट (A B C D):
(a) 3 4 1 2 (b) 1 3 4 2
(c) 2 1 4 3 (d) 3 1 4 2

19. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म (परमाणु ऊर्जा संयंत्र – राज्य) सही सुमेलित नहीं है?

(a) कैगा – तमिलनाडु (b) रावतभाटा – राजस्थान
(c) नरौरा – उत्तर प्रदेश (d) काकरापार – गुजरात

20. कर्क रेखा से होकर गुजरने वाले निम्नलिखित राज्यों को पश्चिम से पूर्व के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

1. झारखंड 2. त्रिपुरा
3. छत्तीसगढ़ 4. राजस्थान

(a) 4-1-3-2 (b) 3-4-1-2
(c) 4-3-1-2 (d) 4-3-2-1

21. उत्तर प्रदेश के निम्नलिखित जिलों पर विचार कीजिए:

1. पीलीभीत 2. गोंडा
3. श्रावस्ती 4. कुशीनगर
5. सिद्धार्थनगर

इनमें से कितने जिलों की सीमा नेपाल से लगती है?
(a) केवल दो (b) केवल तीन
(c) केवल चार (d) सभी पाँच

22. हड़प्पा सभ्यता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. लोथल से गोदीबाड़ा (dockyard) के साक्ष्य मिले हैं तथा यह सिंधु नदी के तट पर स्थित है।
2. धौलावीरा नगर तीन भागों में विभाजित था तथा यहाँ से उन्नत जल-संरक्षण व्यवस्था (जलाशयों) के साक्ष्य मिले हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

23. सूची-I (बौद्ध संगीति) को सूची-II (अध्यक्ष) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. प्रथम बौद्ध संगीति	1. वसुमित्र
B. द्वितीय बौद्ध संगीति	2. महाकश्यप
C. तृतीय बौद्ध संगीति	3. मोग्गलिपुत्त तिस्स
D. चतुर्थ बौद्ध संगीति	4. सब्बकामी

कूट (A B C D):
(a) 2 4 1 3 (b) 4 2 3 1
(c) 1 4 3 2 (d) 2 4 3 1

24. निम्नलिखित शासकों को कालक्रम के अनुसार (प्राचीनतम से नवीनतम) व्यवस्थित कीजिए:

1. रुद्रदामन
2. पुष्यमित्र शुंग
3. समुद्रगुप्त
4. खारवेल

(a) 2-4-1-3 (b) 4-2-1-3
(c) 2-1-4-3 (d) 4-2-3-1

25. अशोक के अभिलेखों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अशोक के तेरहवें शिलालेख में कलिंग युद्ध का वर्णन है।
2. अशोक के अभिलेखों को सर्वप्रथम पढ़ने में 1837 में जेम्स प्रिंसेप को सफलता मिली।
3. अशोक के सभी अभिलेख ब्राह्मी लिपि में हैं।

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2
(d) 1, 2 और 3

26. अभिकथन (A): गुप्त काल में भूमि अनुदान (अग्रहार) की प्रथा का व्यापक विस्तार हुआ।
कारण (R): भूमि अनुदान की प्रथा का प्रारंभ गुप्त शासकों ने ही किया था।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, परंतु R गलत है
(d) A गलत है, परंतु R सही है

27. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने कृषि के विकास के लिए 'दीवान-ए-अमीर-कोही' नामक विभाग की स्थापना की?

(a) मुहम्मद बिन तुगलक
(b) फ़िरोज़शाह तुगलक
(c) अलाउद्दीन खिलजी
(d) बलबन

28. सूची-I (विदेशी यात्री) को सूची-II (जिस शासक के काल में भारत आया) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. इब्न बतूता	1. देवराय प्रथम (विजयनगर)
B. अब्दुर्रज्जाक	2. मुहम्मद बिन तुगलक
C. निकोलो कोंटी	3. देवराय द्वितीय (विजयनगर)
D. फ्रांस्वा बर्नियर	4. शाहजहाँ के अंतिम वर्ष एवं औरंगज़ेब

कूट (A B C D):
(a) 2 1 3 4
(b) 3 2 1 4
(c) 2 3 4 1
(d) 2 3 1 4

29. भारत में सूफ़ी सिलसिलों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत में चिश्ती सिलसिले की स्थापना ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती ने की।
2. सुहरावर्दी सिलसिले के संत शासकों से संपर्क रखते थे और राज्य के अनुदान स्वीकार करते थे।
3. शेख अहमद सरहिंदी क़ादरी सिलसिले से संबंधित थे।
4. शेख निज़ामुद्दीन औलिया सुल्तानों के दरबार में नियमित रूप से उपस्थित होते थे।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?
(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

30. ब्रिटिश भारत की निम्नलिखित व्यवस्थाओं को कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. महालवाड़ी व्यवस्था (होल्ट मैकेंज़ी)
2. बंगाल में द्वैध शासन
3. मद्रास प्रेसीडेंसी में रैयतवाड़ी व्यवस्था (टॉमस मुनरो)
4. स्थायी बंदोबस्त

(a) 2-4-1-3 (b) 4-2-3-1
(c) 2-4-3-1 (d) 2-3-4-1

31. 1857 के विद्रोह के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कानपुर में विद्रोह का नेतृत्व नाना साहब ने किया, और वहाँ विद्रोह को दबाने वाला ब्रिटिश अधिकारी कॉलिन कैंपबेल था।
2. बेगम हज़रत महल ने इलाहाबाद में विद्रोह का नेतृत्व किया।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

32. सूची-I (समाचार पत्र) को सूची-II (संस्थापक) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. बंगाल गज़ट	1. राजा राममोहन राय
B. संवाद कौमुदी	2. जेम्स ऑगस्टस हिक्की
C. अमृत बाज़ार पत्रिका	3. शिशिर कुमार घोष एवं मोतीलाल घोष
D. द हिंदू	4. जी. सुब्रह्मण्य अय्यर

कूट (A B C D):
(a) 2 1 4 3 (b) 1 2 3 4
(c) 3 1 2 4 (d) 2 1 3 4

33. सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'तत्वबोधिनी सभा' की स्थापना देवेंद्रनाथ टैगोर ने की थी।
2. स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 में लाहौर में आर्य समाज की स्थापना की।
3. ज्योतिबा फुले ने 1873 में 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की।

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

34. अभिकथन (A): दादाभाई नौरोजी ने 'पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया' में धन-निष्कासन (drain of wealth) का सिद्धांत प्रस्तुत किया।

कारण (R): दादाभाई नौरोजी ब्रिटिश संसद (हाउस ऑफ़ कॉमन्स) के लिए निर्वाचित होने वाले पहले भारतीय थे।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है

(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A सही है, परंतु R गलत है

(d) A गलत है, परंतु R सही है

35. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) लॉर्ड लिटन – वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट

(b) लॉर्ड रिपन – इल्बर्ट बिल

(c) लॉर्ड कर्ज़न – प्रथम कारख़ाना अधिनियम

(d) लॉर्ड डलहौज़ी – व्यपगत का सिद्धांत

36. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन की अध्यक्षता व्योमेश चंद्र बनर्जी ने की।
2. 1907 का सूरत अधिवेशन रासबिहारी घोष की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें कांग्रेस का विभाजन हुआ।
3. 1929 के लाहौर अधिवेशन की अध्यक्षता सुभाष चंद्र बोस ने की।
4. 1916 के लखनऊ अधिवेशन में कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच समझौता हुआ।

(a) केवल 1, 2 और 4

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2, 3 और 4

(d) केवल 1 और 4

37. निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. क्रिप्स मिशन
2. शिमला सम्मेलन
3. अगस्त प्रस्ताव
4. व्यक्तिगत सत्याग्रह

(a) 4-3-1-2

(b) 3-1-4-2

(c) 3-4-2-1

(d) 3-4-1-2

38. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए (आंदोलन – संबंधित नेता):

1. मुंडा उलगुलान – बिरसा मुंडा
2. संथाल विद्रोह – सिद्धू और कान्हू
3. पाबना किसान विद्रोह – ईशान चंद्र राय
4. मोपला विद्रोह – बाबा रामचंद्र
5. बिजोलिया किसान आंदोलन – विजय सिंह पथिक

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल दो (b) केवल तीन

(c) केवल चार (d) सभी पाँच

39. कांग्रेस की स्थापना के संदर्भ में 'सुरक्षा वाल्व' (Safety Valve) का सिद्धांत किसने प्रस्तुत किया?

(a) ए.ओ. ह्यूम

(b) लाला लाजपत राय

(c) बाल गंगाधर तिलक

(d) विलियम वेडरबर्न

40. सूची-I (मंदिर) को सूची-II (निर्माता वंश) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. कैलाशनाथ मंदिर (कांचीपुरम)	1. राष्ट्रकूट
B. कैलाश मंदिर (एलोरा)	2. पल्लव
C. कंदरिया महादेव मंदिर	3. पूर्वी गंग
D. सूर्य मंदिर (कोणार्क)	4. चंदेल

कूट (A B C D):

(a) 2 1 4 3

(b) 1 2 4 3

(c) 2 4 1 3

(d) 2 1 3 4

41. भारतीय शास्त्रीय नृत्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'सत्रिया' नृत्य को वर्ष 2000 में संगीत नाटक अकादमी ने शास्त्रीय नृत्य का दर्जा दिया; इसके प्रवर्तक शंकरदेव थे।
2. 'कुचिपुड़ी' आंध्र प्रदेश का शास्त्रीय नृत्य है, जिसमें 'तरंगम' (पीतल की थाली पर नृत्य) प्रसिद्ध है।
3. 'मोहिनीअट्टम' मूलतः पुरुषों द्वारा किया जाने वाला नृत्य है।

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3 (d) केवल 1 और 2

42. निम्नलिखित स्थापत्य संरचनाओं को उनके निर्माण के कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. गोल गुंबद 2. अलाई दरवाज़ा
3. बुलंद दरवाज़ा 4. कुतुब मीनार

(a) 4-3-2-1 (b) 2-4-3-1
(c) 4-2-3-1 (d) 4-2-1-3

43. ब्रिटिश कालीन संवैधानिक अधिनियमों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत शासन अधिनियम, 1919 ने प्रांतों में द्वैध शासन लागू किया।
2. भारत शासन अधिनियम, 1935 ने केंद्र में द्वैध शासन का प्रावधान किया तथा संघीय न्यायालय की स्थापना की।
3. भारत परिषद अधिनियम, 1909 ने सिखों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल की व्यवस्था की।

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 (d) 1, 2 और 3

44. पूना समझौते (1932) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पूना समझौते के अंतर्गत दलित वर्गों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल स्वीकार किया गया।
2. पूना समझौते से प्रांतीय विधानमंडलों में दलित वर्गों के लिए आरक्षित सीटें सांप्रदायिक पंचाट में दी गई 71 सीटों से बढ़ाकर 147 कर दी गईं।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

45. भारत की संविधान सभा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संविधान सभा का गठन कैबिनेट मिशन योजना (1946) के अंतर्गत हुआ, और इसके सदस्य प्रांतीय विधानसभाओं द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से चुने गए।
2. संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई, जिसकी अस्थायी अध्यक्षता डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने की।
3. स्वतंत्रता के बाद संविधान सभा विधायी निकाय के रूप में भी कार्य करती थी, और विधायी निकाय के रूप में इसकी बैठकों की अध्यक्षता जी.वी. मावलंकर करते थे।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

46. सूची-I (संविधान की विशेषता) को सूची-II (स्रोत देश) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. संसदीय शासन प्रणाली	1. आयरलैंड
B. राज्य के नीति निदेशक तत्व	2. ब्रिटेन
C. समवर्ती सूची	3. जर्मनी
D. आपातकाल में मौलिक अधिकारों का निलंबन	4. ऑस्ट्रेलिया

कूट (A B C D):

(a) 1 2 4 3 (b) 2 1 4 3
(c) 2 4 1 3 (d) 3 1 4 2

47. निम्नलिखित संवैधानिक परिवर्तनों को कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाया गया।
2. पंचायतों को संवैधानिक दर्जा दिया गया।
3. प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्द जोड़े गए।
4. मतदान की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई।

(a) 3-1-4-2 (b) 1-3-4-2
(c) 3-4-1-2 (d) 3-1-2-4

48. अभिकथन (A): संसद अनुच्छेद 368 के अंतर्गत मौलिक अधिकारों सहित संविधान के किसी भी भाग में संशोधन कर सकती है, परंतु वह संविधान के मूल ढाँचे को नष्ट नहीं कर सकती।

कारण (R): मूल ढाँचे का सिद्धांत सर्वोच्च न्यायालय ने गोलकनाथ वाद (1967) में प्रतिपादित किया।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, परंतु R गलत है
(d) A गलत है, परंतु R सही है

49. मौलिक अधिकारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अनुच्छेद 20 और 21 द्वारा प्रदत्त अधिकार राष्ट्रीय आपातकाल में भी निलंबित नहीं किए जा सकते, और यह प्रावधान मूल संविधान में ही था।
2. अनुच्छेद 15 और 16 के अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को प्राप्त हैं, जबकि अनुच्छेद 14 का अधिकार विदेशियों सहित सभी व्यक्तियों को प्राप्त है।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

50. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मौलिक कर्तव्यों को स्वर्ण सिंह समिति की सिफ़ारिश पर 42वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया।
2. 6 से 14 वर्ष के बच्चों को शिक्षा के अवसर प्रदान करने का माता-पिता या संरक्षक का कर्तव्य 86वें संविधान संशोधन (2002) द्वारा जोड़ा गया।
3. समान नागरिक संहिता का उल्लेख अनुच्छेद 44 में नीति निदेशक तत्व के रूप में है।
4. पर्यावरण के संरक्षण तथा वन और वन्यजीवों की रक्षा का नीति निदेशक तत्व (अनुच्छेद 48A) 42वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चार

51. निम्नलिखित में से कौन-सा नीति निदेशक तत्व गांधीवादी सिद्धांतों पर आधारित नहीं है?

(a) पुरुषों और महिलाओं के लिए समान कार्य हेतु समान वेतन
(b) ग्राम पंचायतों का संगठन
(c) ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों को बढ़ावा
(d) स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मादक पेयों और औषधियों के सेवन का निषेध

52. धन विधेयक के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. धन विधेयक केवल लोकसभा में और राष्ट्रपति की पूर्व अनुशंसा से ही प्रस्तुत किया जा सकता है।
2. राज्यसभा धन विधेयक को अधिकतम 14 दिनों तक रोक सकती है।
3. धन विधेयक पर दोनों सदनों में गतिरोध की स्थिति में राष्ट्रपति संयुक्त बैठक बुला सकता है।

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2
(d) 1, 2 और 3

53. सूची-I (संसदीय समिति) को सूची-II (विशेषता) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. लोक लेखा समिति	1. सभी 30 सदस्य केवल लोकसभा से
B. प्राक्कलन समिति	2. 1967 से अध्यक्ष परंपरागत रूप से विपक्ष से
C. सार्वजनिक उपक्रम समिति	3. 1964 में कृष्णा मेनन समिति की सिफ़ारिश पर गठन
D. कार्य मंत्रणा समिति (लोकसभा)	4. लोकसभा अध्यक्ष स्वयं इसका अध्यक्ष होता है

कूट (A B C D):

(a) 2 1 3 4
(b) 1 2 3 4
(c) 2 3 1 4
(d) 2 1 4 3

54. लोकसभा अध्यक्ष के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. लोकसभा भंग होने पर अध्यक्ष का पद तत्काल रिक्त हो जाता है।
2. लोकसभा अध्यक्ष अपना त्यागपत्र उपाध्यक्ष को संबोधित करता है।
3. अध्यक्ष सामान्यतः सदन में पहली बार मतदान नहीं करता, और केवल मत बराबर होने की स्थिति में निर्णायक मत देता है।

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2
(d) केवल 2 और 3

55. राष्ट्रपति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राज्यसभा के मनोनीत सदस्य राष्ट्रपति के निर्वाचन में भाग नहीं लेते, परंतु उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में भाग लेते हैं।
2. दिल्ली और पुडुचेरी की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य राष्ट्रपति के निर्वाचन में भाग लेते हैं।
3. राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग की प्रक्रिया केवल लोकसभा में प्रारंभ की जा सकती है।

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

56. राज्यपाल के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है।

(b) एक ही व्यक्ति को दो या अधिक राज्यों का राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है।
(c) राज्यपाल राज्य विधानमंडल द्वारा पारित किसी भी विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित नहीं कर सकता।
(d) राज्यपाल को अनुच्छेद 213 के अंतर्गत अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्राप्त है।

57. सूची-I (अनुच्छेद) को सूची-II (विषय) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. अनुच्छेद 78	1. राष्ट्रपति को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद
B. अनुच्छेद 143	2. राष्ट्रपति को सूचना देने संबंधी प्रधानमंत्री के कर्तव्य
C. अनुच्छेद 74	3. विधेयकों पर अनुमति
D. अनुच्छेद 111	4. सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श लेने की राष्ट्रपति की शक्ति

कूट (A B C D):
(a) 2 1 4 3
(b) 4 2 1 3
(c) 2 4 3 1
(d) 2 4 1 3

58. भारतीय न्यायपालिका के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश 65 वर्ष और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु तक पद पर रहते हैं।
2. उच्च न्यायालय की रिट अधिकारिता सर्वोच्च न्यायालय की रिट अधिकारिता से व्यापक है।
3. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने का प्रस्ताव लोकसभा में कम-से-कम 50 सदस्यों के हस्ताक्षर से प्रस्तुत किया जा सकता है।
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

59. सर्वोच्च न्यायालय के निम्नलिखित निर्णयों को कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:
1. एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ
2. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य
3. इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ
4. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य
(a) 4-2-3-1 (b) 2-3-4-1
(c) 2-4-3-1 (d) 2-4-1-3

60. निम्नलिखित निकायों पर विचार कीजिए:
1. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
2. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग
3. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग
4. नीति आयोग
5. वस्तु एवं सेवा कर (GST) परिषद
उपर्युक्त में से कितने संवैधानिक निकाय हैं?
(a) केवल दो (b) केवल तीन
(c) केवल चार (d) सभी पाँच

61. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. मुख्य निर्वाचन आयुक्त को उसके पद से उसी रीति और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है जिस पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को, जबकि अन्य निर्वाचन आयुक्तों को मुख्य निर्वाचन आयुक्त की सिफ़ारिश पर ही हटाया जा सकता है।
2. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक सेवानिवृत्ति के बाद भारत सरकार या किसी राज्य सरकार के अधीन कोई अन्य पद धारण करने का पात्र होता है।
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

62. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. वित्त आयोग का गठन अनुच्छेद 280 के अंतर्गत राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक पाँच वर्ष में, या आवश्यक होने पर उससे पहले, किया जाता है।
2. संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य को 'कदाचार' के आधार पर हटाने से पहले राष्ट्रपति को मामला जाँच के लिए सर्वोच्च न्यायालय को भेजना होता है।
3. राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल करता है, पर उन्हें हटाने की शक्ति राष्ट्रपति को है।
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

63. 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसने संविधान में भाग IX और ग्यारहवीं अनुसूची जोड़ी, जिसमें 29 विषय हैं।
2. पंचायतों के चुनाव राज्य निर्वाचन आयोग कराता है, जिसकी नियुक्ति भारत का निर्वाचन आयोग करता है।
3. पंचायतों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के लिए राज्यपाल प्रत्येक पाँच वर्ष में राज्य वित्त आयोग का गठन करता है।
4. पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष है।
(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) केवल 1 और 4

64. संविधान का भाग IX (पंचायतें) निम्नलिखित में से किस राज्य पर स्वतः लागू नहीं होता?
(a) त्रिपुरा
(b) मिज़ोरम
(c) अरुणाचल प्रदेश
(d) सिक्किम

65. मानव लाल रक्त कणिकाओं (RBC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. परिपक्व RBC में केंद्रक अनुपस्थित होता है, जिससे हीमोग्लोबिन के लिए अधिक स्थान उपलब्ध होता है।
2. परिपक्व RBC में माइटोकॉन्ड्रिया नहीं होते, इसलिए वे ऊर्जा के लिए अवायवीय श्वसन पर निर्भर रहती हैं और अपने द्वारा ढोई जाने वाली ऑक्सीजन का उपयोग स्वयं नहीं करतीं।
3. वयस्क मनुष्य में RBC का निर्माण मुख्यतः यकृत में होता है।
उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?
(a) कोई नहीं (b) केवल एक
(c) केवल दो (d) सभी तीन

66. सूची-I (हार्मोन) को सूची-II (स्रावित करने वाला अंग/ग्रंथि) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. मेलाटोनिन	1. वृक्क
B. कैल्सिटोनिन	2. थायरॉइड
C. एरिथ्रोपोइटिन	3. पीनियल ग्रंथि
D. एल्डोस्टेरोन	4. अधिवृक्क वल्कुट (adrenal cortex)

कूट (A B C D):
(a) 3 2 1 4 (b) 2 3 1 4
(c) 3 1 2 4 (d) 4 2 1 3

67. रोग प्रतिरोधक क्षमता और टीकों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. प्रतिजैविक (antibiotics) इन्फ्लुएंज़ा जैसे वायरल संक्रमणों के उपचार में प्रभावी होते हैं।
2. mRNA टीके शरीर की कोशिकाओं से एक विशिष्ट प्रोटीन (एंटीजन) बनवाते हैं, और यह mRNA कोशिका के DNA में समाहित नहीं होता।
3. सक्रिय प्रतिरक्षा में शरीर स्वयं एंटीबॉडी बनाता है, जबकि माँ के पहले दूध (कोलोस्ट्रम) से शिशु को मिलने वाली एंटीबॉडी निष्क्रिय प्रतिरक्षा का उदाहरण है।
(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 3 (d) केवल 2 और 3

68. अभिकथन (A): रक्त समूह O निगेटिव (O−) वाले व्यक्ति को 'सार्वभौमिक दाता' कहा जाता है।
कारण (R): रक्त समूह O वाले व्यक्ति के प्लाज़्मा में एंटी-A और एंटी-B दोनों एंटीबॉडी होती हैं।
(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, परंतु R गलत है
(d) A गलत है, परंतु R सही है

69. मानव पाचन तंत्र के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(a) पित्त रस में कोई पाचक एंज़ाइम नहीं होता, फिर भी यह वसा के पाचन में सहायक है।
(b) लार का pH अत्यधिक अम्लीय (लगभग 2) होता है।
(c) पेप्सिन एंज़ाइम क्षारीय माध्यम में सर्वाधिक सक्रिय होता है।
(d) ट्रिप्सिन एंज़ाइम आमाशय की भित्ति से स्रावित होता है।

70. सूची-I (प्राकृतिक परिघटना) को सूची-II (भौतिक सिद्धांत) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. आकाश का नीला रंग	1. पूर्ण आंतरिक परावर्तन
B. हीरे का चमकना	2. प्रकाश का प्रकीर्णन
C. तारों का टिमटिमाना	3. प्रकाश का व्यतिकरण
D. साबुन के बुलबुले में रंग दिखना	4. वायुमंडलीय अपवर्तन

कूट (A B C D):
(a) 2 4 1 3 (b) 1 2 4 3
(c) 2 1 3 4 (d) 2 1 4 3

71. कृत्रिम उपग्रहों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. किसी उपग्रह की कक्षीय चाल उसके द्रव्यमान पर निर्भर नहीं करती।

2. भू-स्थिर उपग्रह का आवर्तकाल 24 घंटे होता है और वह ध्रुवीय कक्षा में परिक्रमा करता है।

3. पृथ्वी से पलायन वेग लगभग 11.2 किमी/सेकंड है, जो पलायन करने वाली वस्तु के द्रव्यमान पर निर्भर नहीं करता।

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

72. निम्नलिखित खोजों को कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. न्यूट्रॉन की खोज

2. रेडियोधर्मिता की खोज

3. प्रोटॉन की खोज

4. इलेक्ट्रॉन की खोज

(a) 4-2-3-1

(b) 2-4-3-1

(c) 2-4-1-3

(d) 2-3-4-1

73. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. किसी पिंड का द्रव्यमान चंद्रमा पर वही रहता है, पर उसका भार पृथ्वी पर के भार का लगभग 1/6 हो जाता है।

2. मुक्त रूप से नीचे गिरती लिफ़्ट में खड़े व्यक्ति का आभासी भार दोगुना हो जाता है।

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

74. अभिकथन (A): निकट-दृष्टि दोष से ग्रस्त व्यक्ति दूर की वस्तुओं को स्पष्ट नहीं देख पाता।

कारण (R): निकट-दृष्टि दोष में दूर की वस्तु का प्रतिबिंब रेटिना के पीछे बनता है, और इसे उत्तल लेंस से ठीक किया जाता है।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है

(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A सही है, परंतु R गलत है

(d) A गलत है, परंतु R सही है

75. सूची-I (सामान्य नाम) को सूची-II (रासायनिक सूत्र) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. प्लास्टर ऑफ़ पेरिस	1. $Na_2CO_3 \cdot 10H_2O$
B. बेकिंग सोडा	2. $CaSO_4 \cdot ½H_2O$
C. धोने का सोडा	3. $CaOCl_2$
D. विरंजक चूर्ण	4. $NaHCO_3$

कूट (A B C D):

(a) 2 1 4 3 (b) 1 4 2 3

(c) 4 2 1 3 (d) 2 4 1 3

76. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ओज़ोन परत का क्षय मुख्यतः क्लोरोफ़्लोरोकार्बन (CFC) से मुक्त हुए क्लोरीन परमाणुओं द्वारा होता है।

2. अम्ल वर्षा के लिए मुख्य रूप से कार्बन मोनोऑक्साइड उत्तरदायी है।

3. मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के किगाली संशोधन (2016) का उद्देश्य हाइड्रोफ़्लोरोकार्बन (HFC) के उपयोग को चरणबद्ध रूप से कम करना है।

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

77. इसरो के निम्नलिखित अभियानों को उनके प्रक्षेपण के कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. आदित्य-L1 2. मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन)

3. चंद्रयान-1 4. चंद्रयान-3

(a) 3-4-2-1 (b) 2-3-4-1

(c) 3-2-4-1 (d) 3-2-1-4

78. जैव प्रौद्योगिकी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. CRISPR-Cas9 एक जीन संपादन तकनीक है, जिसके विकास के लिए 2020 का रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार दिया गया।

2. बीटी कपास में *बैसिलस थुरिंजिएंसिस* जीवाणु का जीन डाला गया है, जो कीटों के लिए विषैला प्रोटीन बनाता है।

3. भारत में वाणिज्यिक खेती के लिए पूर्ण रूप से अनुमोदित पहली आनुवंशिक रूप से संशोधित (GM) खाद्य फ़सल बीटी बैंगन है।

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 (d) 1, 2 और 3

79. सूची-I (प्रौद्योगिकी) को सूची-II (कार्य-सिद्धांत) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. LiDAR	1. दृश्य प्रकाश के माध्यम से डेटा संचरण
B. Li-Fi	2. लेज़र स्पंदों से दूरी मापन और त्रि-आयामी मानचित्रण
C. ब्लॉकचेन	3. विकेंद्रीकृत वितरित खाता (distributed ledger)
D. क्वांटम कुंजी वितरण (QKD)	4. क्वांटम यांत्रिकी के सिद्धांतों पर आधारित सुरक्षित कुंजी साझाकरण

कूट (A B C D):

(a) 1 2 3 4 (b) 2 3 1 4

(c) 2 1 4 3 (d) 2 1 3 4

80. नाभिकीय ऊर्जा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. नाभिकीय रिएक्टरों में भारी जल का उपयोग मंदक (moderator) के रूप में न्यूट्रॉनों की गति बढ़ाने के लिए किया जाता है।
2. भारत के त्रिस्तरीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीसरे चरण में थोरियम के उपयोग की योजना है, जिसके भारत में विशाल भंडार हैं।

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

81. सूर्य-पृथ्वी तंत्र के लैग्रेंज बिंदु L1 के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) यह पृथ्वी और सूर्य के बीच का वह बिंदु है जहाँ दोनों के गुरुत्वाकर्षण और कक्षीय गति का संतुलन होता है, और यह पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर है।

(b) L1 बिंदु से सूर्य का अवलोकन पृथ्वी की छाया के कारण वर्ष में कुछ समय बाधित रहता है।

(c) सूर्य के अध्ययन के लिए उपयोगी यह L1 बिंदु पृथ्वी और चंद्रमा के बीच स्थित है।

(d) जेम्स वेब अंतरिक्ष दूरबीन L1 बिंदु पर स्थित है।

82. भारत की अंतरिक्ष एवं संचार प्रौद्योगिकी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'गगनयान' भारत का मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को निम्न भू-कक्षा में भेजना है।
2. 'स्पेडेक्स' (SpaDeX) मिशन अंतरिक्ष में दो उपग्रहों की डॉकिंग तकनीक के प्रदर्शन से संबंधित था, और इसकी सफलता से भारत यह क्षमता प्राप्त करने वाला चौथा देश बना।
3. NISAR, नासा और इसरो का संयुक्त पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है, जिसमें दोहरी आवृत्ति (L-बैंड और S-बैंड) का सिंथेटिक अपर्चर रडार लगा है।
4. 5G तकनीक केवल मिलीमीटर-वेव आवृत्ति बैंड पर ही कार्य करती है।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1, 2 और 3

(d) केवल 1, 3 और 4

83. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. किसी वस्तु की माँग की कीमत लोच इकाई से अधिक होने पर कीमत घटाने से विक्रेता का कुल राजस्व घटता है।
2. गिफ़ेन वस्तु के मामले में कीमत बढ़ने पर उसकी माँग भी बढ़ती है, और ऐसी वस्तु अनिवार्य रूप से एक घटिया (inferior) वस्तु होती है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 न ही 2

84. सूची-I (बाज़ार संरचना) को सूची-II (विशेषता) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. पूर्ण प्रतियोगिता	1. एक विक्रेता, निकट स्थानापन्न का अभाव
B. एकाधिकार	2. अनेक विक्रेता, उत्पाद विभेदन (ब्रांड)
C. अल्पाधिकार	3. समरूप वस्तु, फ़र्म कीमत स्वीकारक (price taker)
D. एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता	4. कुछ बड़े विक्रेता, परस्पर निर्भरता, विकुंचित माँग वक्र

कूट (A B C D):

(a) 3 4 1 2 (b) 1 3 4 2

(c) 3 1 2 4 (d) 3 1 4 2

85. अभिकथन (A): किसी अर्थव्यवस्था का उत्पादन संभावना वक्र (PPC) सामान्यतः मूल बिंदु की ओर नतोदर (concave) होता है।
कारण (R): एक वस्तु का उत्पादन बढ़ाने पर दूसरी वस्तु के रूप में चुकाई जाने वाली सीमांत अवसर लागत बढ़ती जाती है।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, परंतु R गलत है
(d) A गलत है, परंतु R सही है

86. मौद्रिक नीति के उपकरणों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. नकद आरक्षित अनुपात (CRR) के अंतर्गत बैंकों को अपनी निवल माँग एवं सावधि देयताओं (NDTL) का एक भाग RBI के पास नकद रूप में रखना होता है, और इस राशि पर RBI कोई ब्याज नहीं देता।
2. सांविधिक तरलता अनुपात (SLR) के अंतर्गत रखी जाने वाली परिसंपत्तियाँ RBI के पास जमा करनी होती हैं।
3. रेपो दर बढ़ने पर सामान्यतः बाज़ार में तरलता घटती है और ऋण महँगे होते हैं।

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

87. निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना
2. भारतीय रिज़र्व बैंक का राष्ट्रीयकरण
3. राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना
4. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना

(a) 2-1-4-3 (b) 1-2-4-3
(c) 2-1-3-4 (d) 2-4-1-3

88. भारतीय बैंकिंग व्यवस्था के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. किसी ऋण की किस्त या ब्याज 90 दिनों से अधिक बकाया रहने पर उसे अनर्जक परिसंपत्ति (NPA) माना जाता है।
2. दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (IBC) 2016 में लागू की गई।
3. भुगतान बैंक (Payments Bank) ऋण दे सकते हैं और क्रेडिट कार्ड जारी कर सकते हैं।
4. लघु वित्त बैंकों को जमा स्वीकार करने और ऋण देने, दोनों की अनुमति है।

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1 और 3 (d) केवल 1, 2 और 4

89. राष्ट्रीय आय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में किसी देश की भौगोलिक सीमा के भीतर उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य शामिल होता है, चाहे उत्पादक विदेशी ही क्यों न हो।
2. यदि किसी देश की विदेशों से शुद्ध कारक आय ऋणात्मक हो, तो उसका सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP), GDP से कम होगा।
3. सकल मूल्यवर्धन (GVA) में उत्पाद कर जोड़कर और उत्पाद सब्सिडी घटाकर GDP प्राप्त होता है, इसलिए GVA हमेशा GDP से अधिक होता है।

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

90. अभिकथन (A): किसी अर्थव्यवस्था की वास्तविक आर्थिक वृद्धि मापने के लिए स्थिर कीमतों पर GDP, चालू कीमतों पर GDP की तुलना में बेहतर मापक है।
कारण (R): स्थिर कीमतों पर GDP की गणना में चालू वर्ष की कीमतों का उपयोग किया जाता है।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, परंतु R गलत है
(d) A गलत है, परंतु R सही है

91. सूची-I (अवधारणा) को सूची-II (अर्थ) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. स्टैगफ़्लेशन	1. मुद्रास्फीति की दर घटना, पर कीमत स्तर का बढ़ते रहना
B. अपस्फीति (deflation)	2. खाद्य और ईंधन को छोड़कर शेष वस्तुओं की कीमतों में परिवर्तन
C. अवस्फीति (disinflation)	3. सामान्य कीमत स्तर में निरंतर गिरावट
D. कोर मुद्रास्फीति	4. ऊँची मुद्रास्फीति के साथ ऊँची बेरोज़गारी और आर्थिक ठहराव

कूट (A B C D):
(a) 4 1 3 2 (b) 3 4 1 2
(c) 4 3 2 1 (d) 4 3 1 2

92. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 2016 में अपनाए गए लचीले मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढाँचे के अंतर्गत RBI का मुद्रास्फीति लक्ष्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) पर आधारित है, जिसमें 4% का लक्ष्य और ±2% की सहनशीलता सीमा रखी गई।
2. थोक मूल्य सूचकांक (WPI) में वस्तुओं के साथ-साथ सेवाओं को भी शामिल किया जाता है।

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 न ही 2

93. किसी वित्तीय वर्ष में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा ₹16 लाख करोड़ और ब्याज भुगतान ₹11 लाख करोड़ है। उस वर्ष का प्राथमिक घाटा कितना होगा?

(a) ₹27 लाख करोड़
(b) ₹11 लाख करोड़
(c) ₹5 लाख करोड़
(d) शून्य

94. भारत की कर व्यवस्था के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वस्तु एवं सेवा कर (GST) एक गंतव्य-आधारित (destination-based) उपभोग कर है।
2. कच्चा तेल, पेट्रोल, डीज़ल, विमानन टरबाइन ईंधन और प्राकृतिक गैस वर्तमान में GST के अंतर्गत कर योग्य नहीं हैं।
3. आयकर एक अप्रत्यक्ष कर है, क्योंकि इसका भार दूसरों पर डाला जा सकता है।

(a) केवल 2
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

95. सूची-I (योजना) को सूची-II (प्रमुख विशेषता) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि	1. शून्य बैलेंस बैंक खाता, RuPay डेबिट कार्ड और दुर्घटना बीमा
B. प्रधानमंत्री जन धन योजना	2. पात्र किसानों को ₹6,000 वार्षिक, तीन किस्तों में
C. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना	3. पारंपरिक कारीगरों के लिए कौशल प्रशिक्षण, टूलकिट प्रोत्साहन और रियायती ऋण
D. प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना	4. शिशु, किशोर और तरुण श्रेणियों में ज़मानत-मुक्त ऋण

कूट (A B C D):

(a) 2 1 4 3
(b) 1 2 4 3
(c) 2 4 1 3
(d) 3 1 4 2

96. आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसके अंतर्गत पात्र परिवारों को द्वितीयक और तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष ₹5 लाख तक का स्वास्थ्य कवर मिलता है।
2. 2024 में इस योजना का विस्तार 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों तक किया गया, चाहे उनकी आय कुछ भी हो।
3. PM-JAY पूरी तरह केंद्र द्वारा वित्तपोषित केंद्रीय क्षेत्रक योजना है।

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3
(d) केवल 1 और 2

97. निम्नलिखित योजनाओं को उनके प्रारंभ के कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. जल जीवन मिशन
2. प्रधानमंत्री जन धन योजना
3. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
4. स्टैंड-अप इंडिया योजना

(a) 4-2-3-1
(b) 2-3-4-1
(c) 2-4-3-1
(d) 4-3-2-1

98. अभिकथन (A): 'JAM त्रिमूर्ति' ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) में रिसाव और बिचौलियों की भूमिका को कम करने में सहायता की है।

कारण (R): आधार का संचालन करने वाला भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) एक सांविधिक निकाय है।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, परंतु R गलत है
(d) A गलत है, परंतु R सही है

99. पारिस्थितिक पिरामिडों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ऊर्जा का पिरामिड सदैव सीधा होता है।
2. समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में जैवभार (biomass) का पिरामिड उल्टा हो सकता है।
3. लिंडमैन के 10% नियम के अनुसार प्रत्येक पोषी स्तर की 90% ऊर्जा अगले पोषी स्तर तक पहुँच जाती है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) कोई नहीं
(b) केवल एक
(c) केवल दो
(d) सभी तीन

100. अभिकथन (A): DDT जैसे स्थायी कीटनाशकों की सांद्रता खाद्य श्रृंखला के उच्च पोषी स्तरों पर सर्वाधिक पाई जाती है।

कारण (R): ये पदार्थ वसा में घुलनशील होते हैं और जीवों द्वारा आसानी से अपघटित या उत्सर्जित नहीं किए जा सकते।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है

(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A सही है, परंतु R गलत है

(d) A गलत है, परंतु R सही है

101. सूची-I (पारिस्थितिक अवधारणा) को सूची-II (अर्थ) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. इकोटोन	1. किसी प्रजाति की पारिस्थितिकी तंत्र में कार्यात्मक भूमिका
B. कोर प्रभाव (edge effect)	2. संक्रमण क्षेत्र में प्रजातियों की संख्या और घनत्व में वृद्धि
C. निच (niche)	3. समय के साथ किसी क्षेत्र के जैविक समुदाय में क्रमिक परिवर्तन
D. पारिस्थितिक अनुक्रमण	4. दो पारिस्थितिकी तंत्रों के बीच का संक्रमण क्षेत्र

कूट (A B C D):

(a) 4 1 2 3

(b) 2 4 1 3

(c) 4 2 3 1

(d) 4 2 1 3

102. जैव विविधता हॉटस्पॉट के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत में स्थित चारों जैव विविधता हॉटस्पॉट पूर्णतः भारत की सीमा के भीतर हैं।

2. किसी क्षेत्र को जैव विविधता हॉटस्पॉट घोषित करने के लिए वहाँ कम-से-कम 1,500 स्थानिक (endemic) संवहनी पौधों की प्रजातियाँ होनी चाहिए, और उसकी मूल वनस्पति का कम-से-कम 70% भाग नष्ट हो चुका होना चाहिए।

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 न ही 2

103. संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. IUCN की लाल सूची में 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त' (Critically Endangered) श्रेणी, 'संकटग्रस्त' (Endangered) श्रेणी से अधिक जोखिम दर्शाती है।

2. सोन चिरैया (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) IUCN की लाल सूची में 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त' श्रेणी में है।

3. वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I में शामिल प्रजातियों को सर्वोच्च स्तर की क़ानूनी सुरक्षा प्राप्त है।

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3

(c) 1, 2 और 3 (d) केवल 1 और 3

104. निम्नलिखित में से कौन-सा स्वस्थाने (in-situ) संरक्षण का उदाहरण नहीं है?

(a) बीज बैंक (b) जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र

(c) राष्ट्रीय उद्यान (d) पवित्र उपवन

105. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मीथेन की वैश्विक तापन क्षमता (Global Warming Potential) कार्बन डाइऑक्साइड से कम है, इसलिए जलवायु परिवर्तन में इसकी भूमिका नगण्य है।

2. हवाई की मौना लोआ वेधशाला के आँकड़े वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड सांद्रता का विश्व का सबसे लंबा निरंतर प्रत्यक्ष रिकॉर्ड माने जाते हैं।

3. पेरिस समझौते का दीर्घकालिक लक्ष्य वैश्विक औसत तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 2°C से "काफ़ी नीचे" रखना और इसे 1.5°C तक सीमित करने का प्रयास करना है।

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2

(c) केवल 3 (d) केवल 2 और 3

106. जलवायु परिवर्तन से जुड़ी निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. बाली कार्य योजना (बाली रोडमैप)

2. हानि और क्षति कोष (Loss and Damage Fund) की स्थापना पर सहमति

3. क्योटो प्रोटोकॉल का लागू होना

4. भारत द्वारा 'पंचामृत' लक्ष्यों की घोषणा

(a) 1-3-4-2

(b) 3-1-4-2

(c) 3-4-1-2

(d) 3-1-2-4

107. सूची-I (रोग) को सूची-II (कारक प्रदूषक) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. मिनामाटा रोग	1. कैडमियम
B. इटाई-इटाई रोग	2. पेयजल में नाइट्रेट की अधिकता
C. ब्लू बेबी सिंड्रोम	3. पारा
D. ब्लैकफुट रोग	4. आर्सेनिक

कूट

(A B C D):

(a) 3 2 1 4

(b) 1 3 2 4

(c) 3 1 2 4

(d) 3 1 4 2

108. वायु प्रदूषण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. PM2.5 कण, PM10 की तुलना में फेफड़ों में अधिक गहराई तक पहुँच सकते हैं और रक्त-प्रवाह में भी प्रवेश कर सकते हैं।

2. भारत का राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) आठ प्रदूषकों पर आधारित है।

3. भूतल स्तर (क्षोभमंडलीय) ओज़ोन एक प्राथमिक प्रदूषक है, जो सीधे वाहनों से उत्सर्जित होता है।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1

(d) 1, 2 और 3

109. सूची-I (राष्ट्रीय उद्यान) को सूची-II (प्रमुख प्रजाति) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. काज़ीरंगा	1. एशियाई शेर
B. गिर	2. हिम तेंदुआ
C. केबुल लामजाओ	3. संगाई हिरण
D. हेमिस	4. एक सींग वाला गैंडा

कूट

(A B C D):

(a) 4 3 1 2

(b) 1 4 3 2

(c) 4 1 2 3

(d) 4 1 3 2

110. उत्तर प्रदेश के संरक्षित क्षेत्रों से संबंधित निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए (संरक्षित क्षेत्र – ज़िला):

1. दुधवा राष्ट्रीय उद्यान – लखीमपुर खीरी

2. रानीपुर टाइगर रिज़र्व – चित्रकूट

3. कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य – पीलीभीत

4. सूर सरोवर (कीठम) पक्षी विहार – इटावा

5. नवाबगंज पक्षी विहार – उन्नाव

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल दो (b) केवल तीन

(c) केवल चार (d) सभी पाँच

111. अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय अभिसमयों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. रामसर अभिसमय (1971) आर्द्रभूमियों के संरक्षण और उनके विवेकपूर्ण उपयोग से संबंधित है।

2. CITES संकटग्रस्त वन्य जीवों और वनस्पतियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करता है, और यह अपने पक्षकार देशों पर क़ानूनी रूप से बाध्यकारी है।

3. जैव विविधता पर अभिसमय (CBD) के अंतर्गत नागोया प्रोटोकॉल आनुवंशिक संसाधनों तक पहुँच और लाभ-साझाकरण से संबंधित है, जबकि कार्टाजेना प्रोटोकॉल जैव-सुरक्षा से।

4. बॉन अभिसमय (CMS) केवल समुद्री प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण से संबंधित है।

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 1, 2 और 4

(c) केवल 1, 2 और 3 (d) केवल 2 और 4

112. केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने की प्रक्रिया के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. किसी राज्य का नाम बदलने के लिए संसद अनुच्छेद 368 के अंतर्गत विशेष बहुमत से संविधान संशोधन करती है।

2. ऐसे विधेयक को संसद में प्रस्तुत करने से पहले राष्ट्रपति उसे संबंधित राज्य विधानमंडल के पास उसके विचार जानने के लिए भेजता है, पर ये विचार संसद पर बाध्यकारी नहीं होते।

3. केरल का नाम बदलने वाला विधेयक संविधान की पहली और चौथी अनुसूची में परिवर्तन करता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) कोई नहीं

(b) केवल एक

(c) केवल दो

(d) सभी तीन

113. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी।
2. संविधान के अनुसार मुख्यमंत्री नियुक्त होने के लिए व्यक्ति का नियुक्ति के समय विधानसभा का सदस्य होना अनिवार्य है।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

114. भारत के उपराष्ट्रपति पद के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जगदीप धनखड़ के त्यागपत्र के बाद सितंबर 2025 में हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में सी.पी. राधाकृष्णन निर्वाचित हुए।
2. उपराष्ट्रपति अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को संबोधित करता है।
3. उपराष्ट्रपति का पद रिक्त होने पर राज्यसभा के सभापति के कर्तव्यों का निर्वहन उपसभापति करता है।

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

115. जनगणना 2027 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जनगणना राज्य सूची का विषय है, और राज्य सरकारें इसे जनगणना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत कराती हैं।
2. जनगणना 2027 में अनुसूचित जाति और जनजाति के अतिरिक्त अन्य जातियों की भी गणना होगी, और स्वतंत्र भारत की किसी जनगणना में ऐसी व्यापक जाति गणना पहली बार होगी।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

118. COP31 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. COP31 की मेज़बानी तुर्किये करेगा, जबकि वार्ताओं के संचालन की ज़िम्मेदारी ऑस्ट्रेलिया को दी गई है।
2. COP की मेज़बानी संयुक्त राष्ट्र के क्षेत्रीय समूहों में बारी-बारी से होती है, और COP31 की बारी 'पश्चिमी यूरोप और अन्य देश' समूह की थी।

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 न ही 2

116. निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. सी.पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति निर्वाचित होना
2. संसद द्वारा केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक पारित करना
3. VB-G RAM G विधेयक को राष्ट्रपति की स्वीकृति
4. पाँच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव परिणाम

(a) 1-3-4-2 (b) 3-1-4-2
(c) 1-4-3-2 (d) 1-3-2-4

117. सूची-I (सम्मेलन) को सूची-II (आयोजन स्थल) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. 18वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन	1. बेलेम
B. COP31	2. अंताल्या
C. 17वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन	3. रियो डी जेनेरियो
D. COP30	4. नई दिल्ली

कूट (A B C D):
(a) 4 3 2 1 (b) 2 4 3 1
(c) 4 2 1 3 (d) 4 2 3 1

119. ब्रिक्स के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ब्रिक्स का एक स्थायी सचिवालय और औपचारिक चार्टर है।
2. 2026 में भारत ने चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता की।
3. इंडोनेशिया 2025 में ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बना।

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

120. अभिकथन (A): 2026 में कच्चे तेल की ऊँची कीमतों और पश्चिम एशिया के तनाव के बीच RBI ने लगातार कई बैठकों में रेपो दर 5.25% पर अपरिवर्तित रखी।
कारण (R): आयातित मुद्रास्फीति का ख़तरा होने पर ब्याज दरें घटाने से माँग बढ़ सकती है, जिससे मुद्रास्फीति का दबाव और बढ़ने की आशंका रहती है।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, परंतु R गलत है
(d) A गलत है, परंतु R सही है

121. MoSPI द्वारा आर्थिक सूचकांकों के आधार वर्ष में किए गए संशोधन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. नई GDP श्रृंखला का आधार वर्ष 2022-23 है।
2. नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) श्रृंखला का आधार वर्ष भी 2022-23 रखा गया है।
3. नई श्रृंखला में विनिर्माण क्षेत्र के लिए 'दोहरा अपस्फीतिकरण' (double deflation) पद्धति अपनाई गई है।

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

122. सितंबर 2025 के GST दर युक्तिकरण ('GST 2.0') के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं के लिए दो मुख्य दरें, 5% और 18%, रखी गईं।
(b) कुछ विलासिता और हानिकारक ('पाप') वस्तुओं के लिए 40% की विशेष दर रखी गई।
(c) ये परिवर्तन GST परिषद की सिफ़ारिश पर किए गए।
(d) इस सुधार के साथ पेट्रोल और डीज़ल को भी GST के दायरे में ले आया गया।

123. गगनयान कार्यक्रम के पहले मानवरहित मिशन 'G1' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. G1 मिशन में भारतीय अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे।
2. G1 मिशन में 'व्योममित्र' नामक अर्ध-मानवाकार रोबोट भेजा जाना है, जो अंतरिक्ष यान की जीवन-रक्षक प्रणालियों की निगरानी करेगा।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

124. सूची-I (नोबेल पुरस्कार 2025 का क्षेत्र) को सूची-II (पुरस्कार का आधार) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. भौतिकी	1. नवाचार-आधारित आर्थिक संवृद्धि की व्याख्या
B. रसायन विज्ञान	2. धातु-कार्बनिक ढाँचे (Metal-Organic Frameworks)
C. चिकित्सा	3. विद्युत परिपथ में स्थूल स्तर पर क्वांटम सुरंगन
D. अर्थशास्त्र	4. परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता (नियामक T-कोशिकाएँ)

कूट (A B C D):

(a) 3 4 2 1 (b) 2 3 4 1
(c) 3 2 1 4 (d) 3 2 4 1

125. एक्सिओम-4 (Axiom-4) मिशन के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) इस मिशन से शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) जाने वाले पहले भारतीय बने, जबकि 1984 में राकेश शर्मा ने सोवियत अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा की थी।
(b) एक्सिओम-4 इसरो का पूर्णतः स्वदेशी मिशन था।
(c) राकेश शर्मा भी अपनी 1984 की यात्रा में ISS गए थे।
(d) यह यात्रा रूसी सोयुज़ अंतरिक्ष यान से हुई थी।

126. भारत के रामसर स्थलों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जून 2026 में भारत के रामसर स्थलों की संख्या 100 हो गई।
2. 2026 में उत्तर प्रदेश के कई स्थल रामसर सूची में जुड़े, जिनमें एटा का पटना पक्षी विहार और अलीगढ़ का शेखा झील पक्षी विहार शामिल हैं।
3. रामसर स्थलों की संख्या के मामले में भारत विश्व में पहले स्थान पर है।

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 (d) 1, 2 और 3

127. राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से परे समुद्री जैव विविधता (BBNJ) समझौते, जिसे 'उच्च सागर संधि' भी कहते हैं, के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह समझौता देशों के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) के भीतर की समुद्री जैव विविधता के संरक्षण से संबंधित है।
2. यह समझौता संयुक्त राष्ट्र समुद्री क़ानून अभिसमय (UNCLOS) के ढाँचे के अंतर्गत बना है और आवश्यक संख्या में अनुसमर्थन के बाद जनवरी 2026 में लागू हुआ।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

128. अभिकथन (A): जुलाई 2025 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) ने जलवायु परिवर्तन पर अपनी परामर्शी राय में कहा कि देशों पर जलवायु प्रणाली की रक्षा का अंतरराष्ट्रीय क़ानूनी दायित्व है।
कारण (R): ICJ की परामर्शी राय संबंधित देशों पर क़ानूनी रूप से बाध्यकारी होती है।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, परंतु R गलत है
(d) A गलत है, परंतु R सही है

129. विकसित भारत - रोज़गार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) अर्थात VB-G RAM G अधिनियम, 2025 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसमें प्रति ग्रामीण परिवार प्रति वर्ष 125 दिनों के मज़दूरी रोज़गार की गारंटी है।
2. राज्य बुवाई और कटाई के व्यस्त मौसम में एक वित्तीय वर्ष में कुल 60 दिनों तक का 'विराम काल' अधिसूचित कर सकते हैं।
3. मनरेगा की तरह इसमें भी मज़दूरी का पूरा भार केंद्र सरकार उठाएगी।
4. यह अधिनियम 1 जुलाई 2026 से लागू हुआ।

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1 और 3 (d) केवल 1, 2 और 4

130. प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) यह योजना देश के सभी ज़िलों में समान रूप से लागू है।
(b) यह योजना केवल बागवानी फ़सलों तक सीमित है।
(c) यह योजना कम कृषि उत्पादकता, कम फ़सल सघनता और कम ऋण उपलब्धता वाले 100 ज़िलों पर केंद्रित है, और आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम के मॉडल पर आधारित है।
(d) यह किसानों को प्रत्यक्ष नकद अंतरण देने वाली योजना है।

131. निम्नलिखित योजनाओं/घटनाओं को कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. आयुष्मान वय वंदना कार्ड (70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों के लिए PM-JAY का विस्तार)
2. VB-G RAM G अधिनियम का लागू होना
3. प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ
4. प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंज़ूरी

(a) 1-3-4-2 (b) 3-1-4-2
(c) 3-1-2-4 (d) 1-3-2-4

132. वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक 2026 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह सूचकांक विश्व आर्थिक मंच (WEF) प्रकाशित करता है।
2. 2026 में इस सूचकांक में भारत का स्थान 131वाँ रहा।
3. यह सूचकांक किसी देश के विकास के निरपेक्ष स्तर को नहीं, बल्कि महिलाओं और पुरुषों के बीच सापेक्ष अंतर को मापता है।

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

133. अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2025 के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) यह बानू मुश्ताक के कन्नड़ कहानी-संग्रह 'हार्ट लैंप' को मिला, जिसका अंग्रेज़ी अनुवाद दीपा भास्ती ने किया।
(b) यह किसी भारतीय भाषा की कृति को मिलने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार था।
(c) इस पुरस्कार की राशि केवल लेखक को मिलती है, अनुवादक को नहीं।
(d) यह पुरस्कार मूल रूप से अंग्रेज़ी में लिखी कृतियों को दिया जाता है।

134. सूची-I (रिपोर्ट/सूचकांक) को सूची-II (प्रकाशित करने वाली संस्था) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट	1. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)
B. मानव विकास रिपोर्ट	2. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)
C. विश्व आर्थिक परिदृश्य (World Economic Outlook)	3. विश्व आर्थिक मंच (WEF)
D. विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट	4. संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क (SDSN) और सहयोगी

कूट (A B C D):

(a) 3 1 2 4
(b) 2 3 1 4
(c) 3 2 1 4
(d) 3 2 4 1

135. गंगा एक्सप्रेसवे के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. गंगा एक्सप्रेसवे आगरा से शुरू होकर प्रयागराज तक जाता है।
2. अप्रैल 2026 में प्रधानमंत्री ने हरदोई से 594 किमी लंबे इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया, जिसे उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPEIDA) ने विकसित किया है।

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 न ही 2

136. नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जेवर) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ानें जून 2026 में शुरू हुई।
2. यह सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल पर विकसित किया गया है, और इसे ज़्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल की विशेष प्रयोजन कंपनी ने विकसित किया है।
3. यह दिल्ली-NCR का पहला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

137. सूची-I (उत्तर प्रदेश के रामसर स्थल) को सूची-II (ज़िला) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. पटना पक्षी विहार	1. अलीगढ़
B. शेखा झील पक्षी विहार	2. बलिया
C. सूर सरोवर (कीठम)	3. एटा
D. सुरहा ताल (जयप्रकाश नारायण पक्षी विहार)	4. आगरा

कूट (A B C D):

(a) 3 4 1 2 (b) 1 3 4 2
(c) 3 1 2 4 (d) 3 1 4 2

138. उत्तर प्रदेश से जुड़ी निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन
2. नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ानों का प्रारंभ
3. प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन
4. पटना पक्षी विहार (एटा) का रामसर स्थल घोषित होना

(a) 3-1-4-2 (b) 4-3-1-2
(c) 3-4-1-2 (d) 3-4-2-1

139. उत्तर प्रदेश के भौतिक प्रदेशों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उत्तर प्रदेश का दक्षिणी भाग (बुंदेलखंड) प्रायद्वीपीय पठार का हिस्सा है, और यहाँ मुख्यतः गंगा के मैदान जैसी जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है।
2. भाबर क्षेत्र में नदियाँ कंकड़-पत्थरों के जमाव में लुप्त होकर भूमिगत बहती हैं, जबकि तराई क्षेत्र में वे फिर से सतह पर आ जाती हैं।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

140. सूची-I (नदी) को सूची-II (उद्गम स्थल) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. बेतवा	1. दूधातोली पहाड़ियाँ (उत्तराखंड)
B. केन	2. फुल्हर झील (पीलीभीत)
C. गोमती	3. विंध्य श्रेणी (रायसेन, मध्य प्रदेश)
D. रामगंगा	4. कैमूर श्रेणी (मध्य प्रदेश)

कूट (A B C D):

(a) 3 2 4 1 (b) 4 3 2 1
(c) 3 4 1 2 (d) 3 4 2 1

141. उत्तर प्रदेश से जुड़ी निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. काकोरी ट्रेन एक्शन
2. कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ समझौता
3. मेरठ से 1857 के विद्रोह का प्रारंभ
4. चौरी-चौरा की घटना

(a) 3-2-4-1 (b) 2-3-4-1
(c) 3-4-2-1 (d) 3-2-1-4

142. उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक परंपराओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'कजरी' लोकगीत मुख्यतः वर्षा ऋतु (सावन) में गाया जाता है और मिर्ज़ापुर-वाराणसी क्षेत्र से विशेष रूप से जुड़ा है।
2. कथक का लखनऊ घराना मुग़ल बादशाह अकबर के दरबार में विकसित हुआ।
3. 'रामलीला' को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया है।

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

143. अभिकथन (A): दुग्ध उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है।
कारण (R): 20वीं पशुधन गणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में देश की सबसे अधिक पशुधन आबादी है।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, परंतु R गलत है
(d) A गलत है, परंतु R सही है

144. 'एक ज़िला एक उत्पाद' (ODOP) योजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह योजना उत्तर प्रदेश सरकार ने 2018 में शुरू की थी, और बाद में केंद्र सरकार ने भी इसे राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया।
2. इस योजना के अंतर्गत फ़िरोज़ाबाद के लिए काँच की वस्तुएँ और मुरादाबाद के लिए धातु शिल्प (पीतल की वस्तुएँ) चिह्नित हैं।
3. यह योजना केवल कृषि उत्पादों तक सीमित है।

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1
(d) 1, 2 और 3

145. मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) यह योजना केवल अनुसूचित जाति और जनजाति की बालिकाओं के लिए है।
(b) इसमें पूरी राशि बालिका के विवाह के समय एकमुश्त दी जाती है।
(c) इसमें बालिका के जन्म से लेकर उच्च शिक्षा में प्रवेश तक, जीवन के विभिन्न चरणों में किस्तों में राशि दी जाती है।
(d) यह केंद्र सरकार की योजना है, जिसे उत्तर प्रदेश में लागू किया गया है।

146. सूची-I (उत्तर प्रदेश सरकार की पहल) को सूची-II (उद्देश्य) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. मिशन शक्ति	1. परिषदीय विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का सुधार
B. ऑपरेशन कायाकल्प	2. निवेशकों के लिए एकल खिड़की ऑनलाइन स्वीकृति पोर्टल
C. निवेश मित्र	3. युवाओं को उद्यम स्थापना हेतु ब्याज-मुक्त और ज़मानत-मुक्त ऋण
D. मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान	4. महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन

कूट (A B C D):

(a) 4 2 1 3 (b) 4 1 2 3
(c) 1 4 2 3 (d) 4 1 3 2

147. अभिकथन (A): उत्तर प्रदेश के 2026-27 के बजट में राजस्व अधिशेष का अनुमान है, फिर भी राजकोषीय घाटा राज्य सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) का 3% रखा गया है।

कारण (R): राजकोषीय घाटे में पूँजीगत व्यय भी शामिल होता है, इसलिए राजस्व अधिशेष होने पर भी बड़े पूँजीगत व्यय के लिए सरकार को उधार लेना पड़ सकता है।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, परंतु R गलत है
(d) A गलत है, परंतु R सही है

148. उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी (UPITS) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. UPITS का चौथा संस्करण 25 से 29 सितंबर 2026 तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जा रहा है।
2. UPITS के पहले संस्करण (2023) का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया था।
3. यह आयोजन भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (FIEO) के सहयोग से किया जा रहा है।

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

149. भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ के अशोक स्तंभ के सिंह-शीर्ष से लिया गया है, और इसके नीचे अंकित 'सत्यमेव जयते' मुंडक उपनिषद से लिया गया है।
2. भारत का राष्ट्रीय पंचांग विक्रम संवत पर आधारित है।
3. राष्ट्रगान के पूर्ण संस्करण के गायन में लगभग 52 सेकंड का समय लगता है।

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3
(d) केवल 3

150. सूची-I (संयुक्त सैन्य अभ्यास) को सूची-II (भारत के साथ भागीदार देश) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. युद्ध अभ्यास	1. फ़्रांस
B. धर्म गार्जियन	2. जापान
C. नोमैडिक एलीफ़ेंट	3. मंगोलिया
D. शक्ति	4. संयुक्त राज्य अमेरिका

कूट (A B C D):

(a) 4 3 2 1 (b) 4 2 3 1
(c) 2 4 3 1 (d) 4 2 1 3

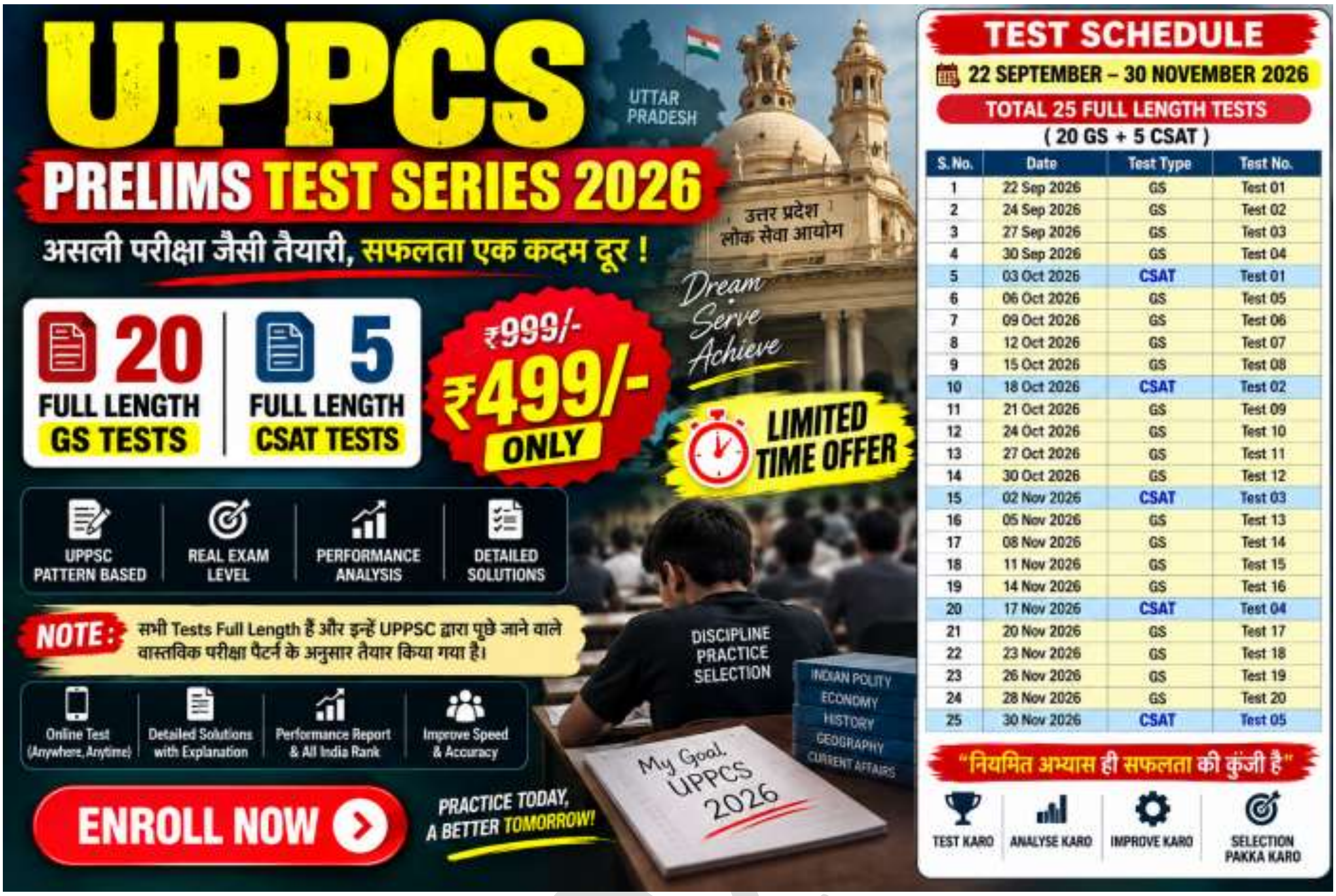

To Join the course, click the image or call 9582225699

UPPCS PRELIMS TEST 02 | Full length Test (GS Paper 01)

1. Answer: c

1 और 2 दोनों

कथन 1 सही है। शिवालिक हिमालय की सबसे बाहरी और सबसे नवीन श्रेणी है। इसका निर्माण मायोसीन से प्लीस्टोसीन काल के बीच हुआ। जब वृहत् और लघु हिमालय ऊपर उठे, तो उनसे निकली नदियाँ भारी मात्रा में बजरी, रेत और गाद लेकर नीचे आईं। ये अवसाद पर्वतपदीय क्षेत्र में जमा हुए और बाद में टेक्टोनिक दबाव से मुड़कर ऊपर उठ गए। इसी कारण शिवालिक की चट्टानें असंगठित और कमजोर हैं, और यहाँ भूस्खलन और अपरदन अधिक होता है।

शिवालिक और लघु हिमालय के बीच की अनुदैर्ध्य घाटियों को 'दून' कहते हैं, जैसे देहरादून, कोटलीदून और पाटलीदून। शिवालिक को अरुणाचल प्रदेश में डफला, मिरी, अबोर और मिश्मी पहाड़ियाँ, तथा जम्मू में जम्मू पहाड़ियाँ कहा जाता है।

कथन 2 सही है। हिमालय को उत्तर से दक्षिण की ओर प्रमुख भ्रंश अलग करते हैं:

भ्रंश	किसे अलग करता है
सिंधु-सांगपो सुचर ज़ोन (ITSZ)	ट्रांस-हिमालय को भारतीय प्लेट से
मुख्य केंद्रीय भ्रंश (MCT)	वृहत् हिमालय को लघु हिमालय से
मुख्य सीमांत भ्रंश (MBT)	लघु हिमालय को शिवालिक से
मुख्य अग्र भ्रंश (MFT/HFT)	शिवालिक को गंगा के मैदान से

2. Answer: a

केवल 1 और 3

कथन 1 सही है। पश्चिमी घाट लगभग सतत है। इसे केवल कुछ दर्रे तोड़ते हैं, जैसे थाल घाट, भोर घाट और पाल घाट। पूर्वी घाट को महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी बड़ी नदियों ने काटकर अलग-अलग पहाड़ियों में बाँट दिया है, इसलिए वह असतत है।

आधार	पश्चिमी घाट	पूर्वी घाट
निरंतरता	सतत	असतत
औसत ऊँचाई	900–1600 मी.	लगभग 600 मी.
सर्वोच्च चोटी	अनाईमुडी (2695 मी.)	जिंधागड़ा (1690 मी.)
वर्षा पर प्रभाव	पवनमुखी ढाल पर भारी वर्षा	अपेक्षाकृत कम

कथन 2 गलत है। अनाईमुडी (2695 मी.) पश्चिमी घाट की अन्नामलाई पहाड़ियों (केरल) में है। यह पूरे प्रायद्वीपीय भारत की सर्वोच्च चोटी है। पूर्वी घाट की सर्वोच्च चोटी जिंधागड़ा (आंध्र प्रदेश) है। कुछ स्रोत अरमा कोंडा का नाम भी देते हैं।

कथन 3 सही है। दक्कन ट्रैप लगभग 6.6 करोड़ वर्ष पहले, क्रिटेशियस काल के अंत में बना। यह विस्फोटक ज्वालामुखी नहीं था। दरारों से लावा बहकर परत-दर-परत जमा हुआ और सीढ़ीनुमा (step-like) आकृति बनी। 'ट्रैप' शब्द स्वीडिश भाषा के 'Trappa' से आया है, जिसका अर्थ है सीढ़ी। इसी बेसाल्ट के अपक्षय से काली (रेगुर) मिट्टी बनी है।

3. Answer: d

2 4 3 1

शिपकी ला (हिमाचल प्रदेश): यह किन्नौर ज़िले में है। इसी दर्रे के पास से सतलुज नदी तिब्बत से भारत में प्रवेश करती है। यह भारत-चीन व्यापार मार्ग भी है।

जेलेप ला (सिक्किम): यह सिक्किम को तिब्बत की चुंबी घाटी से जोड़ता है। इसके निकट ही नाथू ला है, जो भारत-चीन सीमा व्यापार और कैलाश मानसरोवर यात्रा का मार्ग है।

दिफू दर्रा (अरुणाचल प्रदेश): यह भारत, चीन और म्यांमार के त्रि-संगम (tri-junction) के पास स्थित है और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुलिंग ला (उत्तराखंड): यह उत्तरकाशी ज़िले में, उत्तराखंड और तिब्बत के बीच है। उत्तराखंड के अन्य प्रमुख दर्रे माना, नीति और लिपुलेख हैं।

विकल्प-विश्लेषण: यदि छात्र को केवल A (शिपकी ला = 2) पता है, तो विकल्प (a) और (d) बचते हैं। यदि केवल B पता है, तो (c) और (d) बचते हैं। यदि केवल C पता है, तो (b) और (d) बचते हैं। D हर विकल्प में '1' है, इसलिए उससे कोई मदद नहीं मिलती। सही उत्तर तक पहुँचने के लिए कम-से-कम दो जोड़े पता होने चाहिए।

4. Answer: b

केवल 1, 2 और 4

कथन 1 सही है। उन्मग्न तट का अर्थ है ऐसा तट जहाँ भूमि ऊपर उठी हो या समुद्र पीछे हटा हो। पूर्वी तट चौड़ा है और यहाँ महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी ने बड़े डेल्टा बनाए हैं। महाद्वीपीय मग्नतट (continental shelf) भी यहाँ 500 किमी तक चौड़ा है, इसलिए अच्छे प्राकृतिक पत्तन कम हैं।

कथन 2 सही है। निमग्न तट का अर्थ है ऐसा तट जहाँ भूमि का कुछ भाग समुद्र में डूब गया हो। इसका प्रमाण गुजरात की प्राचीन द्वारका नगरी का समुद्र में डूबा होना माना जाता है। तट के डूबने से गहरा पानी तट के पास ही मिल जाता है, जो पत्तनों के लिए आदर्श है। इसी कारण मुंबई, मार्मागाओ, न्यू मंगलौर और कोच्चि जैसे प्राकृतिक बंदरगाह पश्चिमी तट पर हैं।

कथन 3 गलत है। लक्षद्वीप प्रवाल (coral) उत्पत्ति के हैं। यहाँ एटॉल, प्रवाल भित्तियाँ और लैगून पाए जाते हैं। इसके विपरीत, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह जलमग्न पर्वत श्रेणियों (अराकान योमा का विस्तार) के ऊपरी भाग हैं।

कथन 4 सही है। बैरन द्वीप अंडमान सागर में भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है, जो 1991 के बाद कई बार सक्रिय हुआ है। पास का नारकोंडम द्वीप प्रसुप्त (dormant) ज्वालामुखी माना जाता है।

5. Answer: b

A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है

A सही है। दक्कन का पठार पश्चिम में ऊँचा है, क्योंकि पश्चिमी घाट उसका उठा हुआ किनारा है। पूर्व की ओर यह धीरे-धीरे नीचा होता जाता है। यह झुकाव गोंडवानालैंड के विखंडन और पश्चिमी किनारे के उत्थान से जुड़ा माना जाता है।

R भी सही है। गोदावरी, कृष्णा, कावेरी और महानदी जैसी बड़ी नदियाँ पूर्व की ओर बहकर बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।

R, A की व्याख्या क्यों नहीं है? यह प्रश्न का असली कॉन्सेप्ट है। नदियाँ पूर्व में इसलिए बहती हैं क्योंकि पठार पूर्व की ओर ढालू है। यानी A कारण है और R उसका परिणाम। नदियों का बहाव पठार के ढाल को पैदा नहीं करता। जब कारण कथन वास्तव में परिणाम हो, तब उत्तर (b) होता है।

अपवाद: नर्मदा और तापी पश्चिम की ओर बहती हैं, क्योंकि वे भ्रंश घाटियों (rift valleys) में बहती हैं। यह तथ्य स्वयं दिखाता है कि नदी की दिशा ढाल और संरचना से तय होती है, इसका उलटा नहीं।

6. Answer: d

सभी चार

कथन 1 सही है। गर्मियों में सूर्य के उत्तरायण होने पर उपोष्ण पश्चिमी जेट स्ट्रीम हिमालय के उत्तर में खिसक जाती है। तब लगभग 15° उत्तरी अक्षांश के आसपास, प्रायद्वीपीय भारत के ऊपर, उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट स्ट्रीम विकसित होती है। यह मानसून के आगमन और उष्णकटिबंधीय अवदाबों से जुड़ी है।

कथन 2 सही है। शीत ऋतु में उपोष्ण पश्चिमी जेट स्ट्रीम हिमालय के दक्षिण में बहती है। यह भूमध्यसागर क्षेत्र से उत्पन्न पश्चिमी विक्षोभों को भारत तक लाती है। इनसे पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शीतकालीन वर्षा होती है, जो रबी फसलों, विशेषकर गेहूँ, के लिए लाभदायक है।

कथन 3 सही है। काल बैसाखी को 'नॉर्वेस्टर' भी कहते हैं, क्योंकि यह उत्तर-पश्चिम दिशा से आती है। यह चाय, जूट और धान के लिए उपयोगी है। असम में इसे 'बारदोली छीड़ा' कहा जाता है।

कथन 4 सही है। आम्र वर्षा आम के पकने में सहायक होती है। कर्नाटक में कॉफ़ी के फूल खिलाने वाली वर्षा को 'फूलों वाली बौछार' (cherry blossom shower) कहते हैं।

मानसून-पूर्व स्थानीय परिघटनाएँ:

नाम	क्षेत्र	प्रकृति
आम्र वर्षा	केरल, कर्नाटक तट	वर्षा
फूलों वाली बौछार	कर्नाटक (कॉफ़ी क्षेत्र)	वर्षा
काल बैसाखी	पश्चिम बंगाल, असम	तड़ित-झंझा
लू	उत्तर भारत	गर्म, शुष्क पवन

7. Answer: a

जलोढ़ मिट्टी

मिट्टी	निर्माण	प्रकार
जलोढ़	नदियों द्वारा लाए गए अवसाद	परिवहित
काली (रेगुर)	दक्कन ट्रैप के बेसाल्ट का अपक्षय	स्वस्थानिक
लाल	ग्रेनाइट, नीस जैसी रवेदार चट्टानों का अपक्षय	स्वस्थानिक
लैटेराइट	उच्च तापमान और भारी वर्षा में निक्षालन (leaching)	स्वस्थानिक

जलोढ़ मिट्टी भारत के लगभग 40% क्षेत्र पर है और यहाँ सबसे अधिक विस्तृत मिट्टी है। पुरानी जलोढ़ को **बांगर** और नई जलोढ़ को **खादर** कहते हैं। खादर हर वर्ष बाढ़ से नवीकृत होती है, इसलिए अधिक उपजाऊ है। लाल मिट्टी का लाल रंग लोहे के ऑक्साइड के कारण होता है। जलयोजित (hydrated) होने पर यह पीली दिखती है। लैटेराइट में निक्षालन से सिलिका बह जाती है और लोहे व एल्युमिनियम के ऑक्साइड शेष रह जाते हैं, इसलिए यह ईंट बनाने में उपयोगी है।

8. Answer: c

4 1 2 3

अक्षर	अर्थ
A	उष्णकटिबंधीय, हर माह औसत तापमान 18°C से अधिक
B	शुष्क जलवायु
C	गर्म शीतोष्ण
D	ठंडी, आर्द्र शीत ऋतु
E	ध्रुवीय
m	मानसून, छोटी शुष्क ऋतु
s	शुष्क ग्रीष्म ऋतु
w	शुष्क शीत ऋतु
W	मरुस्थल
h	गर्म
f	वर्ष भर वर्षा
c	ठंडी, छोटी ग्रीष्म ऋतु

A-4: Amw का अर्थ है मानसूनी जलवायु, छोटी शुष्क ऋतु के साथ। यह गोवा के दक्षिण के पश्चिमी तट की विशेषता है।

B-1: As का अर्थ है शुष्क ग्रीष्म ऋतु। कोरोमंडल तट (तमिलनाडु) पर ग्रीष्म में वर्षा कम होती है और अधिकांश वर्षा शीतकाल में लौटते मानसून से होती है। 's' अक्षर इसी को दर्शाता है।

C-2: BWhw का अर्थ है गर्म मरुस्थल, जो पश्चिमी राजस्थान में है।

D-3: Dfc का अर्थ है ठंडी, आर्द्र शीत ऋतु और छोटी ग्रीष्म ऋतु। NCERT के अनुसार यह अरुणाचल प्रदेश में पाई जाती है।

अन्य प्रकार: Aw (उष्णकटिबंधीय सवाना) प्रायद्वीप के अधिकांश भाग में, BShw (अर्ध-शुष्क स्टेपी) राजस्थान, गुजरात और हरियाणा के कुछ भागों तथा वृष्टि-छाया क्षेत्र में, Cwg गंगा के मैदान, पूर्वी राजस्थान, असम और मालवा में, और E (ध्रुवीय) जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के ऊँचे भागों में पाई जाती है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 4 जानने पर (a) और (c) बचते हैं। B = 1 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 2 जानने पर (b) और (c) बचते हैं। D हर विकल्प में '3' है।

9. Answer: b

3-4-2-1

राज्य	घनत्व (व्यक्ति/वर्ग किमी)
बिहार	1106

पश्चिम बंगाल	1028
केरल	860
उत्तर प्रदेश	829

इसलिए सही क्रम बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, उत्तर प्रदेश, यानी 3-4-2-1 है।

अतिरिक्त तथ्य: 2011 में भारत का औसत घनत्व 382 था। न्यूनतम घनत्व अरुणाचल प्रदेश (17) का था। केंद्र शासित प्रदेशों को मिलाकर सर्वाधिक घनत्व दिल्ली (11,320) का था।

10. Answer: d

केवल 2 और 3

कथन 1 गलत है। भारत में सर्वाधिक विस्तार उष्णकटिबंधीय पर्णपाती (मानसूनी) वनों का है। इन्हें वर्षा के आधार पर दो भागों में बाँटा जाता है। आर्द्र पर्णपाती वन 100 से 200 सेमी वर्षा वाले क्षेत्रों में, और शुष्क पर्णपाती वन 70 से 100 सेमी वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं। सदाबहार वन 200 सेमी से अधिक वर्षा वाले सीमित क्षेत्रों में ही हैं, जैसे पश्चिमी घाट का पश्चिमी ढाल, पूर्वोत्तर भारत और अंडमान-निकोबार। इनमें आबनूस, महोगनी और रोज़वुड मिलते हैं।

कथन 2 सही है। सुंदरवन का नाम ही 'सुंदरी' वृक्ष (Heritiera fomes) से पड़ा है। यह विश्व का सबसे बड़ा मैंग्रोव डेल्टा क्षेत्र है और रॉयल बंगाल टाइगर का आवास है। मैंग्रोव वन ज्वारीय क्षेत्रों में उगते हैं और इनमें श्वसन मूल (pneumatophores) होते हैं।

कथन 3 सही है। आर्द्र पर्णपाती वनों में सागौन सबसे प्रमुख वृक्ष है। साल, शीशम, चंदन, खैर और बाँस भी इनमें पाए जाते हैं। ये वन शुष्क ऋतु में 6 से 8 सप्ताह के लिए पत्तियाँ गिरा देते हैं, ताकि वाष्पोत्सर्जन से पानी की हानि कम हो।

11. Answer: a

2 1 4 3

जोंडा (अर्जेंटीना): यह एंडीज़ के पूर्वी ढाल पर उतरने वाली गर्म, शुष्क पवन है। यह फॉन (Föhn) प्रकार की पवन है। पवनमुखी ढाल पर नमी गिराकर जब हवा अनुवात (leeward) ढाल पर उतरती है, तो रुद्धोष्म प्रक्रिया (adiabatic process) से गर्म हो जाती है। आल्प्स की फॉन और रॉकी की चिनूक इसी प्रकार की पवनें हैं।

बोरा (एड्रियाटिक तट): यह ठंडी, शुष्क और तेज़ पवन है जो पर्वतों से नीचे क्रोएशिया और स्लोवेनिया जैसे एड्रियाटिक तटीय क्षेत्रों की ओर बहती है। यह कैटाबैटिक (katabatic) पवन है, यानी ठंडी और भारी हवा गुरुत्व के कारण ढाल से नीचे उतरती है। फ्रांस की रोन घाटी की मिस्ट्रल भी इसी प्रकार की है।

सांता एना (दक्षिणी कैलिफोर्निया): यह भीतरी मरुस्थलीय भागों से तट की ओर बहने वाली गर्म, शुष्क पवन है। कैलिफोर्निया के जंगलों की आग फैलाने में इसकी बड़ी भूमिका मानी जाती है।

ब्रिकफील्डर (दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया): यह ऑस्ट्रेलिया के भीतरी मरुस्थल से विक्टोरिया की ओर बहने वाली गर्म, शुष्क और धूलभरी पवन है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 2 जानने पर (a) और (b) बचते हैं। B = 1 जानने पर (a) और (c) बचते हैं। C = 4 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। D = 3 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

12. Answer: c

केवल 1 और 3

कथन 1 सही है। हम्बोल्ट धारा चिली और पेरू के तट के साथ उत्तर की ओर बहने वाली ठंडी धारा है। ठंडी धारा अपने ऊपर की हवा को ठंडा करती है, जिससे वायु स्थिर हो जाती है और ऊपर उठकर वर्षा नहीं कर पाती। इसके साथ एंडीज़ का वृष्टि-छाया प्रभाव और उपोष्ण उच्च दाब भी मिलकर अटाकामा को विश्व के सबसे शुष्क मरुस्थलों में से एक बनाते हैं। यही सिद्धांत नामीबिया के नामीब मरुस्थल (बेंगुएला धारा) पर भी लागू होता है।

कथन 2 गलत है। सामान्य स्थिति में पेरू तट पर उत्प्रवाह होता है, यानी गहराई का ठंडा और पोषक तत्वों से भरपूर पानी ऊपर आता है। इससे प्लवक (plankton) बढ़ते हैं और एंकोवी मछलियाँ प्रचुर मात्रा में मिलती हैं। एल-नीनो में पूर्वी प्रशांत में गर्म पानी भर जाता है और उत्प्रवाह कमजोर पड़ जाता है। परिणामस्वरूप मत्स्य उत्पादन घटता है, बढ़ता नहीं। एल-नीनो वर्षों में भारत में मानसून कमजोर रहने की संभावना भी बढ़ जाती है।

कथन 3 सही है। ठंडी लैब्राडोर धारा और गर्म गल्फ स्ट्रीम के मिलन से तापमान का अंतर घना कोहरा बनाता है। दोनों धाराओं के मिश्रण से प्लवक खूब पनपते हैं, इसलिए ग्रैंड बैंक्स विश्व के सबसे समृद्ध मत्स्य क्षेत्रों में से एक है। इसी तरह जापान के पास ठंडी ओयाशियो और गर्म क्यूरोशियो धाराओं का मिलन भी समृद्ध मत्स्य क्षेत्र बनाता है।

13. Answer: d

3-2-1-4

महाद्वीप	देश (पश्चिम से पूर्व)
दक्षिण अमेरिका	इक्वाडोर, कोलंबिया, ब्राज़ील
अफ्रीका	साओ टोमे और प्रिंसिपे, गैबॉन, कांगो गणराज्य, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, युगांडा, केन्या, सोमालिया
एशिया	मालदीव (समुद्री क्षेत्र), इंडोनेशिया
प्रशांत महासागर	किरिबाती

इसलिए सही क्रम इक्वाडोर, गैबॉन, युगांडा, सोमालिया, यानी 3-2-1-4 है।

तर्क से हल करने का तरीका: इक्वाडोर दक्षिण अमेरिका में है, इसलिए सबसे पश्चिम में है। अफ्रीका में गैबॉन पश्चिमी तट (अटलांटिक) पर, युगांडा भीतरी पूर्व-मध्य भाग में, और सोमालिया पूर्वी तट (हिंद महासागर) पर है।

अतिरिक्त तथ्य: 'इक्वाडोर' नाम का अर्थ ही स्पेनिश भाषा में 'भूमध्य रेखा' है। भूमध्य रेखा विक्टोरिया झील से होकर भी गुजरती है, जो युगांडा, केन्या और तंज़ानिया के बीच है।

14. Answer: b

केवल दो

नदी	सही उद्गम	स्थिति
नर्मदा	अमरकंटक पठार (अनूपपुर, म.प्र.)	युग्म 1 सही
तापी	मुलताई (बैतूल, म.प्र.), सतपुड़ा श्रेणी	युग्म 2 सही
कृष्णा	महाबलेश्वर (महाराष्ट्र)	युग्म 3 गलत
पेन्नार	नंदी पहाड़ियाँ (कर्नाटक)	युग्म 4 गलत

त्र्यंबकेश्वर (नासिक) वास्तव में गोदावरी का उद्गम है। प्रश्न में कृष्णा के साथ गोदावरी का उद्गम, और पेन्नार के साथ कृष्णा का उद्गम रखकर जाल बनाया गया है। जो छात्र केवल स्थानों के नाम पहचानते हैं, वे इसमें फँस सकते हैं।

अन्य प्रमुख नदियों के उद्गम: कावेरी का उद्गम ब्रह्मगिरि पहाड़ियाँ (तालकावेरी, कोडागु, कर्नाटक) हैं। महानदी का उद्गम सिहावा (धमतरी, छत्तीसगढ़) है। सोन नदी भी अमरकंटक से निकलती है, पर यह उत्तर की ओर बहकर गंगा में मिलती है, जबकि नर्मदा पश्चिम की ओर बहती है।

15. Answer: a

2-4-1-3

नदी	गंगा से मिलन स्थल
रामगंगा	कन्नौज के पास (उ.प्र.)
गोमती	कैथी, गाज़ीपुर-वाराणसी सीमा (उ.प्र.)
घाघरा	छपरा के पास (बिहार)
गंडक	हाजीपुर, पटना के सामने (बिहार)
कोसी	कुरसेला, कटिहार (बिहार)

प्रश्न की चार नदियों का क्रम रामगंगा, गोमती, गंडक, कोसी, यानी 2-4-1-3 है।

याद रखने का तरीका: उत्तर प्रदेश में मिलने वाली नदियाँ (रामगंगा, गोमती) पहले आएँगी और बिहार में मिलने वाली (गंडक, कोसी) बाद में। बिहार में भी गंडक पटना के पास मिलती है, जबकि कोसी पूर्व में कटिहार के पास।

गंगा की सहायक नदियाँ: बाएँ तट से रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, बूढ़ी गंडक, कोसी और महानंदा मिलती हैं। दाएँ तट से यमुना, टोंस (तमसा), सोन और पुनपुन मिलती हैं। यमुना गंगा की सबसे लंबी सहायक नदी है। कोसी को बार-बार मार्ग बदलने और बाढ़ के कारण 'बिहार का शोक' कहा जाता है।

16. Answer: c

A सही है, परंतु R गलत है

A सही है। नर्मदा और तापी अरब सागर (खंभात की खाड़ी) में एस्चुअरी बनाती हैं, डेल्टा नहीं।

R गलत है। वास्तविकता इसके उलट है। नर्मदा विंध्य और सतपुड़ा के बीच, तथा तापी सतपुड़ा के दक्षिण में, भ्रंश घाटियों (rift valleys) में बहती हैं। ये कठोर बेसाल्ट और आग्नेय चट्टानों से होकर बहती हैं, इसलिए इनका अवसाद भार कम होता है।

डेल्टा बनाम एस्चुअरी: डेल्टा तब बनता है जब नदी अधिक अवसाद लाए और मुहाने पर समुद्र शांत हो। एस्चुअरी तब बनती है जब अवसाद कम हो और ज्वार की क्रिया तेज़ हो। नर्मदा और तापी के मामले में तीन कारण एक साथ काम करते हैं। पहला, इनका अवसाद भार कम है। दूसरा, भ्रंश घाटी होने से इनका ढाल तीव्र है और ये अवसाद समुद्र तक बहा ले जाती हैं। तीसरा, खंभात की खाड़ी में ज्वार की क्रिया बहुत तीव्र है, जो जमा होने वाला अवसाद भी बहा ले जाती है।

इसके विपरीत पूर्व की ओर बहने वाली गोदावरी, कृष्णा और कावेरी अधिक अवसाद लाती हैं और बंगाल की खाड़ी में बड़े डेल्टा बनाती हैं।

17. Answer: b

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। चाय को भरपूर वर्षा (150 से 300 सेमी) चाहिए, पर उसकी जड़ों में पानी रुकना नहीं चाहिए। इसलिए इसकी खेती पहाड़ी ढलानों पर होती है, जहाँ पानी बह जाता है। इसे अम्लीय, ह्यूमस-युक्त मिट्टी और 20 से 30°C तापमान चाहिए। असम, दार्जिलिंग और नीलगिरि प्रमुख चाय क्षेत्र हैं।

कथन 2 सही है। NCERT के अनुसार कपास को उच्च तापमान, हल्की वर्षा या सिंचाई, 210 पाला-रहित दिन और तेज़ धूप चाहिए। दक्कन की काली मिट्टी में नमी धारण करने की क्षमता अधिक होती है, इसलिए यह कपास के लिए आदर्श है और इसे 'कपास मिट्टी' भी कहते हैं। कपास खरीफ फसल है।

कथन 3 गलत है। जूट को उच्च तापमान (लगभग 25 से 35°C), भारी वर्षा (150 से 250 सेमी), उच्च आर्द्रता और बाढ़ वाले मैदानों की उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी चाहिए। इसीलिए पश्चिम बंगाल, बिहार और असम प्रमुख उत्पादक हैं। रेशे निकालने (retting) के लिए भी प्रचुर पानी चाहिए। इसे 'सुनहरा रेशा' कहते हैं।

18. Answer: d

3 1 4 2

मलाजखंड (ताँबा): यह बालाघाट (म.प्र.) में है और भारत की सबसे बड़ी खुली (open-cast) ताँबा खदान है। ताँबे के अन्य प्रमुख क्षेत्र खेतड़ी (राजस्थान) और सिंहभूम (झारखंड) हैं।

हट्टी (सोना): यह रायचूर (कर्नाटक) में है और वर्तमान में भारत में सोने का प्रमुख उत्पादक क्षेत्र है। कोलार की सोने की खदानें (KGF) 2001 में बंद हो चुकी हैं। यह तथ्य परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है।

बैलाडीला (लौह अयस्क): यह दंतेवाड़ा (छत्तीसगढ़) में है। यहाँ उच्च श्रेणी का हेमेटाइट मिलता है, जिसका निर्यात विशाखापत्तनम बंदरगाह से जापान और अन्य देशों को होता है। इस पहाड़ी का आकार बैल के कूबड़ जैसा है, इसलिए इसका नाम बैलाडीला पड़ा।

अमरकंटक (बॉक्साइट): यह मैकाल पहाड़ियों (म.प्र.) का क्षेत्र है। बॉक्साइट एल्युमिनियम का अयस्क है और लैटेराइट मिट्टी वाले क्षेत्रों में मिलता है। ओडिशा का पंचपतमाली (कोरापुट) बॉक्साइट का सबसे बड़ा निक्षेप है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 3 जानने पर (a) और (d) बचते हैं। B = 1 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 4 जानने पर (b), (c) और (d) बचते हैं। D = 2 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

19. Answer: a

कैगा – तमिलनाडु

संयंत्र	राज्य
तारापुर	महाराष्ट्र (भारत का पहला, 1969)
रावतभाटा	राजस्थान (कोटा के पास, चंबल नदी पर)
नरौरा	उत्तर प्रदेश (बुलंदशहर, गंगा नदी पर)
काकरापार	गुजरात (तापी नदी क्षेत्र)
कैगा	कर्नाटक
कुडनकुलम	तमिलनाडु
कल्पक्कम	तमिलनाडु

UPPCS के लिए विशेष: नरौरा उत्तर प्रदेश का एकमात्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र है, इसलिए इस पर प्रश्न आने की संभावना अधिक रहती है।

20. Answer: c

4-3-1-2

गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिज़ोरम।

प्रश्न के चार राज्यों का क्रम राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, त्रिपुरा, यानी 4-3-1-2 है।

याद रखने का तरीका: "**गु**रु **रा**म **म**न **छ**त्र **झ**ट **प**कड़ **त्रि**शूल **मि**ला", यानी गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिज़ोरम।

21. Answer: b

केवल तीन

पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज।

प्रश्न के पाँच जिलों में से पीलीभीत, श्रावस्ती और सिद्धार्थनगर की सीमा नेपाल से लगती है। इसलिए उत्तर "केवल तीन" है।

गोंडा क्यों नहीं? गोंडा, बलरामपुर के दक्षिण में स्थित है। पहले बलरामपुर गोंडा ज़िले का ही भाग था, इसलिए पुरानी जानकारी के आधार पर छात्र गोंडा को नेपाल सीमा वाला मान लेते हैं। बलरामपुर के अलग ज़िला बनने के बाद गोंडा की नेपाल से सीमा नहीं रही।

कुशीनगर क्यों नहीं? कुशीनगर उत्तर प्रदेश के पूर्वी छोर पर बिहार की सीमा से लगा है। इसके और नेपाल के बीच महराजगंज स्थित है।

याद रखने का तरीका: "**पी**ली **ल**खी **ब**हू **श्रा**वण **ब**ल **सि**द्ध **म**हा", यानी पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज।

22. Answer: b

केवल 2

कथन 1 गलत है। लोथल से गोदीबाड़ा के साक्ष्य अवश्य मिले हैं, पर यह सिंधु नदी पर नहीं, बल्कि गुजरात में साबरमती की सहायक **भोगवा नदी** के तट पर स्थित है। कथन का पहला भाग सही और दूसरा गलत है, और पूरा कथन तभी सही माना जाता है जब उसके सभी भाग सही हों। लोथल से चावल की भूसी, मनका बनाने का कारखाना, अग्नि-वेदिकाएँ और फ़ारस की मुहर भी मिली हैं। यह हड़प्पा सभ्यता का प्रमुख बंदरगाह नगर था।

कथन 2 सही है। अधिकांश हड़प्पाई नगर दो भागों में बँटे थे: दुर्ग (citadel) और निचला नगर। धौलावीरा इसका अपवाद है, जो तीन भागों में बँटा था: दुर्ग, मध्यम नगर और निचला नगर। यह गुजरात के कच्छ ज़िले में खादिर द्वीप पर, मानसर और मनहर नालों के बीच स्थित है। यहाँ से विशाल जलाशय, बाँध और नालियों की उन्नत व्यवस्था मिली है। यहीं से हड़प्पाई लिपि का एक बड़ा 'सूचना पट्ट' (signboard) भी मिला है। 2021 में धौलावीरा को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।

23. Answer: d

2 4 3 1

संगीति	वर्ष (लगभग)	स्थान	शासक	अध्यक्ष	परिणाम
प्रथम	483 ई.पू.	राजगृह (सप्तपर्णी गुफा)	अजातशत्रु	महाकश्यप	सुत्त पिटक (आनंद) और विनय पिटक (उपालि) का संकलन
द्वितीय	383 ई.पू.	वैशाली	कालाशोक	सब्बकामी	संघ का स्थविरवादी और महासांघिक में विभाजन
तृतीय	250 ई.पू.	पाटलिपुत्र	अशोक	मोग्गलिपुत्त तिस्स	अभिधम्म पिटक का संकलन
चतुर्थ	प्रथम शताब्दी ई.	कुंडलवन (कश्मीर)	कनिष्क	वसुमित्र (उपाध्यक्ष अश्वघोष)	हीनयान और महायान में विभाजन

24. Answer: a

2-4-1-3

पुष्यमित्र शुंग (लगभग 185 ई.पू.): अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ की हत्या करके इसने शुंग वंश की स्थापना की। इसने दो अश्वमेध यज्ञ किए, और पतंजलि इसके समकालीन माने जाते हैं।

खारवेल (लगभग प्रथम शताब्दी ई.पू.): कलिंग के चेदि (महामेघवाहन) वंश का यह शासक जैन धर्म का अनुयायी था। इसकी जानकारी भुवनेश्वर के पास उदयगिरि की **हाथीगुम्फा अभिलेख** से मिलती है। कुछ विद्वान इसे द्वितीय शताब्दी ई.पू. का मानते हैं, पर दोनों मतों में यह पुष्यमित्र के बाद ही आता है।

रुद्रदामन (लगभग 150 ई.): यह पश्चिमी क्षत्रप (शक) शासक था। इसका **जूनागढ़ (गिरनार) अभिलेख** संस्कृत का पहला लंबा अभिलेख माना जाता है। इसमें सुदर्शन झील की मरम्मत का उल्लेख है, जिसका निर्माण चंद्रगुप्त मौर्य के काल में हुआ था।

समुद्रगुप्त (लगभग 335–375 ई.): गुप्त वंश के इस शासक की विजयों का वर्णन हरिषेण द्वारा रचित **प्रयाग प्रशस्ति** में है। विंसेंट स्मिथ ने इसे 'भारत का नेपोलियन' कहा।

इसलिए सही क्रम पुष्यमित्र, खारवेल, रुद्रदामन, समुद्रगुप्त, यानी 2-4-1-3 है।

25. Answer: c

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। तेरहवें बृहद् शिलालेख में अशोक कलिंग युद्ध के विनाश और उससे उत्पन्न पश्चाताप का वर्णन करता है। इसी में वह 'धम्म विजय' को सर्वश्रेष्ठ विजय बताता है। यह भी ध्यान रखें कि कलिंग क्षेत्र के धौली और जौगढ़ शिलालेखों में तेरहवाँ शिलालेख नहीं है। उसकी जगह वहाँ अलग 'कलिंग अभिलेख' हैं।

कथन 2 सही है। ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी जेम्स प्रिंसेप ने 1837 में ब्राह्मी लिपि को पढ़ने में सफलता पाई। अभिलेखों में अशोक का उल्लेख अधिकांशतः 'देवानांपिय पियदसि' के रूप में है। 'अशोक' नाम केवल कुछ अभिलेखों में मिलता है, जैसे मास्की (कर्नाटक) और गुजर्रा (म.प्र.)।

कथन 3 गलत है। अशोक के अभिलेख चार लिपियों में मिलते हैं:

लिपि	**क्षेत्र**
ब्राह्मी	भारत का अधिकांश भाग
खरोष्ठी	उत्तर-पश्चिम (शाहबाज़गढ़ी, मानसेहरा, वर्तमान पाकिस्तान)
यूनानी और अरामाइक	अफ़ग़ानिस्तान (कंधार)

खरोष्ठी दाएँ से बाएँ लिखी जाती है, जबकि ब्राह्मी बाएँ से दाएँ।

26. Answer: c

A सही है, परंतु R गलत है

A सही है। गुप्त काल में ब्राह्मणों और धार्मिक संस्थाओं को भूमि अनुदान देने की प्रथा बहुत बढ़ गई। ऐसे अनुदान में दिए गए गाँवों को 'अग्रहार' कहते थे। अनुदान पाने वालों को अक्सर राजस्व वसूलने और कुछ प्रशासनिक अधिकार भी मिल जाते थे। इतिहासकार आर.एस. शर्मा इसे भारतीय सामंतवाद के विकास का प्रमुख कारण मानते हैं।

R गलत है। भूमि अनुदान के सबसे प्राचीन अभिलेखीय साक्ष्य **सातवाहन शासकों** के हैं, जिन्होंने ब्राह्मणों और बौद्ध भिक्षुओं को भूमि दान दी थी। इसलिए गुप्तों ने यह प्रथा शुरू नहीं की, बल्कि पहले से चली आ रही प्रथा का विस्तार किया।

27. Answer: a

मुहम्मद बिन तुगलक

विकल्पों में सभी सुल्तानों ने अलग-अलग विभाग बनाए थे, इसलिए यह प्रश्न तथ्यों के सही मिलान की माँग करता है:

सुल्तान	**विभाग**	**कार्य**
बलबन	दीवान-ए-अर्ज़	सैन्य विभाग
अलाउद्दीन खिलजी	दीवान-ए-रियासत	बाज़ार नियंत्रण
अलाउद्दीन खिलजी	दीवान-ए-मुस्तखराज	बकाया राजस्व वसूली
मुहम्मद बिन तुगलक	दीवान-ए-अमीर-कोही	कृषि विभाग
फ़िरोज़शाह तुगलक	दीवान-ए-खैरात	दान विभाग
फ़िरोज़शाह तुगलक	दीवान-ए-बंदगान	दास विभाग

28. Answer: d

2 3 1 4

इब्न बतूता (मोरक्को): यह 1333 में मुहम्मद बिन तुगलक के काल में भारत आया। सुल्तान ने इसे दिल्ली का काज़ी नियुक्त किया और बाद में राजदूत बनाकर चीन भेजा। इसका यात्रा-वृत्तांत 'रेहला' है।

अब्दुर्रज़्ज़ाक (फ़ारस): यह फ़ारस के शाहरुख का राजदूत था और 1443 में देवराय द्वितीय के काल में विजयनगर आया। इसने विजयनगर की समृद्धि का विस्तृत वर्णन किया है।

निकोलो कोंटी (इटली): यह लगभग 1420 में देवराय प्रथम के काल में विजयनगर आया। इसने विजयनगर के उत्सवों का वर्णन किया है।

फ्रांस्वा बर्नियर (फ्रांस): यह पेशे से चिकित्सक था। यह शाहजहाँ के शासन के अंतिम वर्षों में भारत आया, उत्तराधिकार संघर्ष का साक्षी बना और औरंगज़ेब के काल तक रहा। इसकी पुस्तक 'ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर' है, जिसमें इसने भारत में भूमि पर निजी स्वामित्व के अभाव की बात कही।

29. Answer: b

केवल दो

कथन 1 सही है। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती लगभग 1192 में भारत आए और अजमेर को अपना केंद्र बनाया। चिश्ती संत सादा जीवन, संगीत (समा) और शासकों से दूरी के लिए जाने जाते थे।

कथन 2 सही है। सुहरावर्दी सिलसिले को भारत में शेख बहाउद्दीन ज़करिया ने मुल्तान में स्थापित किया। चिश्तियों के विपरीत ये संत राज्य से संपर्क रखते थे, अनुदान लेते थे और कुछ ने सरकारी पद भी स्वीकार किए।

कथन 3 गलत है। शेख अहमद सरहिंदी **नक्शबंदी** सिलसिले से संबंधित थे। उन्हें 'मुजद्दिद-ए-अल्फ़-ए-सानी' कहा जाता है। वे रूढ़िवादी थे और अकबर की धार्मिक नीतियों के विरोधी थे। भारत में नक्शबंदी सिलसिला ख्वाजा बाक़ी बिल्लाह लाए थे। क़ादरी सिलसिले से दारा शिकोह जुड़े थे, जो मियाँ मीर के अनुयायी थे।

कथन 4 गलत है। निज़ामुद्दीन औलिया ने दिल्ली के सात सुल्तानों का शासन देखा, पर वे कभी किसी सुल्तान के दरबार में नहीं गए। गयासुद्दीन तुगलक से उनके तनाव के संदर्भ में 'हनूज़ दिल्ली दूर अस्त' (दिल्ली अभी दूर है) कहावत प्रसिद्ध है। अमीर ख़ुसरो उनके शिष्य थे।

30. Answer: c

2-4-3-1

व्यवस्था	वर्ष	संबंधित व्यक्ति
द्वैध शासन (बंगाल)	1765	रॉबर्ट क्लाइव
स्थायी बंदोबस्त	1793	लॉर्ड कॉर्नवालिस
रैयतवाड़ी (मद्रास प्रेसीडेंसी)	1820	टॉमस मुनरो
महालवाड़ी	1822	होल्ट मैकेंज़ी

द्वैध शासन (1765): इलाहाबाद की संधि के बाद कंपनी को बंगाल की दीवानी (राजस्व अधिकार) मिली, जबकि निज़ामत (प्रशासन) नवाब के पास रही। इसे वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1772 में समाप्त किया।

स्थायी बंदोबस्त (1793): इसमें ज़मींदारों को भूमि का स्वामी माना गया और राजस्व स्थायी रूप से तय कर दिया गया। यह बंगाल, बिहार और ओडिशा में लागू हुआ।

रैयतवाड़ी (1820): इसमें राज्य सीधे किसान (रैयत) से राजस्व लेता था। इसका प्रयोग पहले 1792 में बारामहल में अलेक्ज़ेंडर रीड ने किया था, पर पूरी मद्रास प्रेसीडेंसी में इसे 1820 में मुनरो ने लागू किया।

महालवाड़ी (1822): इसमें राजस्व पूरे गाँव (महाल) के साथ सामूहिक रूप से तय होता था। यह उत्तर-पश्चिम प्रांत (आगरा-अवध), पंजाब और मध्य भारत के कुछ भागों में लागू हुई। 1833 में विलियम बेंटिंक के काल में इसमें संशोधन हुआ।

31. Answer: a

केवल 1

कथन 1 सही है। कानपुर में नाना साहब (पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र) ने विद्रोह का नेतृत्व किया, जिनके सहयोगी तात्या टोपे थे। दिसंबर 1857 में कॉलिन कैंपबेल ने कानपुर पर पुनः अधिकार किया।

कथन 2 गलत है। बेगम हज़रत महल ने **लखनऊ** में विद्रोह का नेतृत्व किया और अपने पुत्र बिरजिस क़द्र को अवध का नवाब घोषित किया। इलाहाबाद में नेतृत्व लियाक़त अली ने किया था।

केंद्र	भारतीय नेता	दबाने वाला ब्रिटिश अधिकारी
दिल्ली	बहादुर शाह ज़फ़र, बख़्त ख़ाँ	निकोलसन, हडसन
कानपुर	नाना साहब, तात्या टोपे	कॉलिन कैंपबेल
लखनऊ	बेगम हज़रत महल	कॉलिन कैंपबेल
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई	ह्यू रोज़
इलाहाबाद	लियाक़त अली	कर्नल नील
बिहार (जगदीशपुर)	कुँवर सिंह	विलियम टेलर, विंसेंट आयर
बरेली	ख़ान बहादुर ख़ान	कॉलिन कैंपबेल
फ़ैज़ाबाद	मौलवी अहमदुल्ला	—

UPPCS के लिए विशेष: 1857 के अधिकांश प्रमुख केंद्र वर्तमान उत्तर प्रदेश में थे: मेरठ, कानपुर, लखनऊ, झाँसी, इलाहाबाद, बरेली और फ़ैज़ाबाद। इसलिए यह विषय UPPCS में बार-बार पूछा जाता है।

32. Answer: d

2 1 3 4

बंगाल गज़ट (1780): इसे जेम्स ऑगस्टस हिक्की ने कलकत्ता से निकाला। यह भारत का पहला समाचार पत्र था। इसे 'हिक्कीज़ बंगाल गज़ट' या 'कलकत्ता जनरल एडवर्टाइज़र' भी कहते हैं। कंपनी के अधिकारियों की आलोचना के कारण इसे 1782 में बंद कर दिया गया।

संवाद कौमुदी (1821): यह राजा राममोहन राय का बांग्ला साप्ताहिक था। उन्होंने फ़ारसी में 'मिरात-उल-अख़बार' भी निकाला।

अमृत बाज़ार पत्रिका (1868): इसे शिशिर कुमार घोष और मोतीलाल घोष ने बांग्ला में शुरू किया। 1878 में लॉर्ड लिटन के वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट से बचने के लिए यह रातोंरात अंग्रेज़ी पत्र बन गया, क्योंकि वह कानून केवल देशी भाषा के पत्रों पर लागू था।

द हिंदू (1878): इसे मद्रास से जी. सुब्रह्मण्य अय्यर और उनके सहयोगियों (वीरराघवाचारी आदि) ने शुरू किया।

विकल्प-विश्लेषण: A = 2 जानने पर (a) और (d) बचते हैं। B = 1 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। C = 3 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। D = 4 जानने पर (b), (c) और (d) बचते हैं।

33. Answer: b

केवल 1 और 3

कथन 1 सही है। देवेंद्रनाथ टैगोर (रवींद्रनाथ टैगोर के पिता) ने 1839 में तत्वबोधिनी सभा बनाई, जिसने राममोहन राय के विचारों का प्रचार किया। बाद में वे ब्रह्म समाज से जुड़े और उसे नई दिशा दी।

कथन 2 गलत है। आर्य समाज की स्थापना 1875 में **बंबई** में हुई थी, लाहौर में नहीं। 1877 में लाहौर में इसकी शाखा स्थापित हुई, और पंजाब इसके प्रसार का सबसे बड़ा केंद्र बना। इसी कारण छात्र भ्रमित होते हैं। दयानंद का प्रसिद्ध ग्रंथ 'सत्यार्थ प्रकाश' है और उनका नारा था "वेदों की ओर लौटो"।

कथन 3 सही है। ज्योतिबा फुले ने 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना की, जिसका उद्देश्य ब्राह्मणवादी वर्चस्व का विरोध और निम्न

जातियों का उत्थान था। उनकी पुस्तक 'गुलामगिरी' भी 1873 में ही प्रकाशित हुई। उन्होंने पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ 1848 में पुणे में लड़कियों का विद्यालय खोला।

34. Answer: b

A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है

A सही है। दादाभाई नौरोजी ने बताया कि भारत की संपत्ति कई रूपों में बिना किसी प्रतिफल के ब्रिटेन भेजी जा रही है, जैसे ब्रिटिश अधिकारियों के वेतन और पेंशन, 'होम चार्जेज़', और ब्रिटिश पूँजी पर ब्याज व लाभ। उनकी पुस्तक 'पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया' 1901 में प्रकाशित हुई। आर.सी. दत्त ने 'इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ़ इंडिया' में इस सिद्धांत को आगे बढ़ाया।

R सही है। नौरोजी 1892 में लिबरल पार्टी के टिकट पर सेंट्रल फ़िन्सबरी से हाउस ऑफ़ कॉमन्स के सदस्य चुने गए।

R, A की व्याख्या क्यों नहीं है? ब्रिटिश संसद में निर्वाचित होना उनके आर्थिक सिद्धांत का कारण नहीं था। धन-निष्कासन सिद्धांत उनके आर्थिक विश्लेषण का परिणाम था। दोनों तथ्य एक ही व्यक्ति से जुड़े हैं, पर उनके बीच कोई कारण-परिणाम संबंध नहीं है।

अतिरिक्त तथ्य: नौरोजी को 'भारत का वयोवृद्ध पुरुष' (Grand Old Man of India) कहा जाता है। वे तीन बार कांग्रेस अध्यक्ष रहे: 1886, 1893 और 1906। 1906 के कलकत्ता अधिवेशन में पहली बार 'स्वराज' को कांग्रेस के लक्ष्य के रूप में घोषित किया गया।

35. Answer: c

लॉर्ड कर्ज़न – प्रथम कारख़ाना अधिनियम

गवर्नर-जनरल/वायसराय	प्रमुख कार्य
लॉर्ड डलहौज़ी (1848–56)	व्यपगत का सिद्धांत (पहला राज्य सतारा, 1848), पहली रेल (1853), डाक-तार सुधार
लॉर्ड लिटन (1876–80)	वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट (1878), शस्त्र अधिनियम (1878), दिल्ली दरबार (1877)
लॉर्ड रिपन (1880–84)	प्रथम कारख़ाना अधिनियम (1881), स्थानीय स्वशासन (1882), वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट की समाप्ति (1882), इल्बर्ट बिल (1883), हंटर आयोग (1882)
लॉर्ड कर्ज़न (1899–1905)	भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम (1904), प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम (1904), बंगाल विभाजन (1905)

36. Answer: a

केवल 1, 2 और 4

कथन 1 सही है। कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन दिसंबर 1885 में बंबई के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में हुआ। इसकी अध्यक्षता व्योमेश चंद्र बनर्जी ने की और इसमें 72 प्रतिनिधि शामिल हुए। अधिवेशन पहले पूना में होना था, पर वहाँ हैज़ा फैलने के कारण स्थान बदला गया।

कथन 2 सही है। 1907 के सूरत अधिवेशन में अध्यक्ष पद और आंदोलन की पद्धति को लेकर नरमपंथियों और गरमपंथियों में टकराव हुआ, जिससे कांग्रेस बँट गई। अध्यक्ष रासबिहारी घोष थे।

कथन 3 गलत है। 1929 के लाहौर अधिवेशन की अध्यक्षता **जवाहरलाल नेहरू** ने की। इसी में 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव पारित हुआ, और 26 जनवरी 1930 को प्रथम स्वतंत्रता दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। सुभाष चंद्र बोस ने 1938 (हरिपुरा) और 1939 (त्रिपुरी) के अधिवेशनों की अध्यक्षता की थी।

कथन 4 सही है। 1916 के लखनऊ अधिवेशन (अध्यक्ष अंबिका चरण मज़ूमदार) में दो बड़ी घटनाएँ हुईं: कांग्रेस और मुस्लिम लीग का समझौता (लखनऊ पैक्ट), और नरमपंथियों व गरमपंथियों का पुनर्मिलन। इस समझौते में कांग्रेस ने मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल स्वीकार किया, जिसकी बाद में आलोचना हुई।

37. Answer: d

3-4-1-2

घटना	तिथि	मुख्य बिंदु
अगस्त प्रस्ताव	8 अगस्त 1940	वायसराय लिनलिथगो ने युद्ध के बाद संविधान सभा और डोमिनियन दर्जे का वादा किया
व्यक्तिगत सत्याग्रह	17 अक्टूबर 1940	पहले सत्याग्रही विनोबा भावे, दूसरे जवाहरलाल नेहरू
क्रिप्स मिशन	मार्च 1942	स्टैफ़र्ड क्रिप्स; गांधीजी ने इसे 'दिवालिया बैंक के नाम आगे की तारीख़ का चेक' कहा
शिमला सम्मेलन	जून–जुलाई 1945	वेवेल योजना पर; मुस्लिम लीग के अड़ियल रुख के कारण विफल

इसलिए सही क्रम अगस्त प्रस्ताव, व्यक्तिगत सत्याग्रह, क्रिप्स मिशन, शिमला सम्मेलन, यानी 3-4-1-2 है।

कारण-परिणाम से समझें: अगस्त प्रस्ताव से असंतुष्ट होकर कांग्रेस ने व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू किया। जापान के बढ़ते ख़तरे के कारण ब्रिटेन ने क्रिप्स मिशन भेजा। उसकी विफलता से भारत छोड़ो आंदोलन (अगस्त 1942) शुरू हुआ। युद्ध समाप्ति के निकट गतिरोध तोड़ने के लिए वेवेल योजना और शिमला सम्मेलन हुआ। घटनाओं को इस श्रृंखला में याद रखें, तो क्रम स्वतः बन जाता है।

38. Answer: c

केवल चार

युग्म 1 सही है। बिरसा मुंडा के नेतृत्व में 1899–1900 में छोटानागपुर क्षेत्र में 'उलगुलान' (महान हलचल) हुआ। यह ज़मींदारों, महाजनों और मिशनरियों के विरुद्ध था। 1900 में जेल में बिरसा की मृत्यु हुई। इसके बाद 1908 में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम बना।

युग 2 सही है। 1855–56 में राजमहल की पहाड़ियों ('दामिन-ए-कोह' क्षेत्र) में सिद्धू और कान्हू के नेतृत्व में संथाल विद्रोह हुआ। इसके बाद अलग 'संथाल परगना' ज़िला बनाया गया।

युग 3 सही है। 1873–76 में बंगाल के पाबना ज़िले में ज़मींदारों के विरुद्ध किसानों ने कृषक संघ बनाया। इसके नेता ईशान चंद्र राय और शंभु पाल थे। यह आंदोलन पूरी तरह क़ानूनी और अहिंसक था। इसके परिणामस्वरूप 1885 का बंगाल काश्तकारी अधिनियम बना।

युग 4 गलत है। बाबा रामचंद्र का संबंध **अवध किसान सभा** (1920) से है, जो प्रतापगढ़, रायबरेली और सुल्तानपुर क्षेत्र में सक्रिय थी। मोपला विद्रोह 1921 में केरल के मालाबार में हुआ, जिसके नेता अली मुसलियार और वरियमकुन्नथ कुंजहमद हाजी थे।

युग 5 सही है। मेवाड़ (राजस्थान) का बिजोलिया आंदोलन 1897 से शुरू होकर दशकों तक चला। इसके नेताओं में साधु सीताराम दास, विजय सिंह पथिक और माणिक्यलाल वर्मा प्रमुख थे।

UPPCS के लिए विशेष: बाबा रामचंद्र और अवध किसान सभा उत्तर प्रदेश से जुड़े हैं। इसी से जुड़ा 'एका आंदोलन' (1921–22) मदारी पासी के नेतृत्व में हरदोई, बाराबंकी और सीतापुर में हुआ।

39. Answer: b

लाला लाजपत राय

यह सिद्धांत **लाला लाजपत राय** ने 1916 में अपने पत्र 'यंग इंडिया' में प्रस्तुत किया। उनका उद्देश्य नरमपंथी नेतृत्व की आलोचना करना था। उन्होंने इसका आधार विलियम वेडरबर्न द्वारा लिखी ह्यूम की जीवनी को बनाया था।

अन्य मत: बिपन चंद्र ने इस सिद्धांत को अस्वीकार करते हुए 'तड़ित चालक' (lightning conductor) की अवधारणा दी। उनके अनुसार भारतीय नेताओं ने ह्यूम का उपयोग एक तड़ित चालक की तरह किया, ताकि शुरुआती दौर में एक राजनीतिक संगठन पर सरकार का संदेह कम रहे।

40. Answer: a

2 1 4 3

कैलाशनाथ मंदिर, कांचीपुरम (पल्लव): इसे पल्लव शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय (राजसिंह) ने बनवाया। यह द्रविड़ शैली का प्रारंभिक संरचनात्मक (structural) मंदिर है, यानी पत्थर काटकर नहीं, बल्कि पत्थर जोड़कर बनाया गया।

कैलाश मंदिर, एलोरा (राष्ट्रकूट): इसे राष्ट्रकूट शासक कृष्ण प्रथम ने बनवाया। यह एक ही विशाल चट्टान को ऊपर से नीचे की ओर काटकर बनाया गया एकाश्म (monolithic) मंदिर है। एलोरा की गुफा संख्या 16 यही है।

कंदरिया महादेव मंदिर, खजुराहो (चंदेल): यह नागर शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसे चंदेल शासक विद्याधर ने बनवाया माना जाता है। खजुराहो के मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर हैं।

सूर्य मंदिर, कोणार्क (पूर्वी गंग): इसे 13वीं शताब्दी में पूर्वी गंग शासक नरसिंहदेव प्रथम ने बनवाया। यह सूर्य के रथ के आकार में है, जिसमें 24 पहिए और 7 घोड़े हैं। यूरोपीय नाविक इसे 'ब्लैक पगोडा' कहते थे।

41. Answer: d

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। सत्रिया असम का नृत्य है, जिसे 15वीं–16वीं शताब्दी में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव ने विकसित किया। यह असम के वैष्णव मठों (सत्रों) में किया जाता था, इसीलिए इसका नाम सत्रिया पड़ा। नवंबर 2000 में संगीत नाटक अकादमी ने इसे शास्त्रीय नृत्य का दर्जा दिया, जिससे यह इस सूची में सबसे नया शास्त्रीय नृत्य बना।

कथन 2 सही है। कुचिपुड़ी का नाम आंध्र प्रदेश के कृष्णा ज़िले के कुचिपुड़ी गाँव से पड़ा है। इसकी 'तरंगम' प्रस्तुति में नर्तक पीतल की थाली के किनारों पर संतुलन बनाकर नाचता है, और कई बार सिर पर जल-पात्र भी रखता है।

कथन 3 गलत है। मोहिनीअट्टम केरल का **महिलाओं** द्वारा किया जाने वाला एकल नृत्य है। 'मोहिनी' का अर्थ है मोहित करने वाली स्त्री, जो विष्णु के मोहिनी रूप से जुड़ा है। केरल का पुरुष-प्रधान नृत्य-नाट्य **कथकली** है। छात्र अक्सर इन दोनों को मिला देते हैं, क्योंकि दोनों केरल के हैं।

संगीत नाटक अकादमी के 8 शास्त्रीय नृत्य:

नृत्य	राज्य
भरतनाट्यम	तमिलनाडु
कथक	उत्तर भारत (उत्तर प्रदेश)
कथकली	केरल
मोहिनीअट्टम	केरल
कुचिपुड़ी	आंध्र प्रदेश
ओडिसी	ओडिशा
मणिपुरी	मणिपुर
सत्रिया	असम

संस्कृति मंत्रालय 'छऊ' को जोड़कर 9 शास्त्रीय नृत्य मानता है। परीक्षा में प्रश्न का आधार देखकर उत्तर दें। **UPPCS के लिए विशेष:** कथक का विकास लखनऊ, जयपुर और बनारस घरानों में हुआ, इसलिए यह उत्तर प्रदेश से जुड़ा शास्त्रीय नृत्य है।

42. Answer: c

4-2-3-1

संरचना	निर्माण काल	निर्माता	विशेषता
कुतुब मीनार	लगभग 1199 से प्रारंभ	कुतुबुद्दीन ऐबक (पूर्ण: इल्तुतमिश)	यूनेस्को विश्व धरोहर
अलाई दरवाज़ा	1311	अलाउद्दीन खिलजी	भारत में सच्चे मेहराब और गुंबद का प्रारंभिक उदाहरण

बुलंद दरवाज़ा	1570 का दशक	अकबर	गुजरात विजय की स्मृति में, फ़तेहपुर सीकरी
गोल गुंबद	1656	मुहम्मद आदिलशाह	बीजापुर, विशाल गुंबद और 'फुसफुसाती दीर्घा'

इसलिए सही क्रम कुतुब मीनार, अलाई दरवाज़ा, बुलंद दरवाज़ा, गोल गुंबद, यानी 4-2-3-1 है।

कॉन्सेप्ट: अलाई दरवाज़ा इंडो-इस्लामिक स्थापत्य में एक मोड़ है। इससे पहले की इमारतों में कोर्बेल (ब्रैकेट) पद्धति से बने 'झूठे' मेहराब थे। अलाई दरवाज़ा में पहली बार वैज्ञानिक ढंग से बने 'सच्चे' मेहराब का प्रयोग हुआ, जिसमें कीलनुमा पत्थर (keystone) होता है।

कुतुब मीनार का अतिरिक्त तथ्य: इसकी पहली मंज़िल ऐबक ने बनवाई और शेष इल्तुतमिश ने पूरी कीं। बाद में फ़िरोज़शाह तुगलक ने बिजली गिरने से क्षतिग्रस्त मंज़िलों की मरम्मत कराई।

43. Answer: a

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। 1919 का अधिनियम (मोंटेग्यू-चेम्सफ़ोर्ड सुधार) प्रांतीय विषयों को दो भागों में बाँटता था। 'हस्तांतरित' विषय (शिक्षा, स्वास्थ्य, स्थानीय स्वशासन आदि) विधानमंडल के प्रति उत्तरदायी मंत्रियों के पास थे। 'आरक्षित' विषय (वित्त, पुलिस, भू-राजस्व आदि) गवर्नर और उसकी कार्यकारी परिषद के पास थे। इस दोहरी व्यवस्था को द्वैध शासन कहा गया।

कथन 2 सही है। 1935 के अधिनियम ने प्रांतों से द्वैध शासन हटाकर प्रांतीय स्वायत्तता दी, और केंद्र में द्वैध शासन का प्रावधान किया। पर केंद्र का द्वैध शासन कभी लागू नहीं हुआ, क्योंकि यह अखिल भारतीय संघ के गठन पर निर्भर था, और देशी रियासतों के शामिल न होने से संघ बना ही नहीं। कथन में "प्रावधान किया" लिखा है, "लागू किया" नहीं, इसलिए कथन सही है। इसी अधिनियम के तहत 1937 में संघीय न्यायालय स्थापित हुआ। रिज़र्व बैंक की स्थापना भी इसी अधिनियम के प्रावधान से हुई।

कथन 3 गलत है। 1909 के अधिनियम (मॉर्ले-मिंटो सुधार) ने केवल **मुसलमानों** के लिए पृथक निर्वाचक मंडल शुरू किया। इसीलिए लॉर्ड मिंटो को 'सांप्रदायिक निर्वाचन का जनक' कहा जाता है।

पृथक निर्वाचन का विस्तार:

अधिनियम	किन्हें पृथक निर्वाचन मिला
1909	मुसलमान
1919	सिख, भारतीय ईसाई, एंग्लो-इंडियन, यूरोपीय
1935	दलित वर्ग (पूना समझौते के अनुसार आरक्षित सीटें), महिलाएँ, श्रमिक

44. Answer: b

केवल 2

पृष्ठभूमि: अगस्त 1932 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैमसे मैकडोनाल्ड ने 'सांप्रदायिक पंचाट' (Communal Award) घोषित किया, जिसमें दलित वर्गों को भी पृथक निर्वाचक मंडल दिया गया। गांधीजी का मानना था कि इससे हिंदू समाज स्थायी रूप से बँट जाएगा। इसके विरोध में उन्होंने यरवदा जेल (पूना) में आमरण अनशन शुरू किया। अंततः 24 सितंबर 1932 को डॉ. भीमराव अंबेडकर और हिंदू नेताओं के बीच समझौता हुआ, जिस पर मदन मोहन मालवीय आदि ने हस्ताक्षर किए।

कथन 1 गलत है। पूना समझौते ने दलितों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल को **समाप्त** किया। इसके स्थान पर संयुक्त निर्वाचक मंडल के भीतर दलितों के लिए आरक्षित सीटों की व्यवस्था की गई। यानी सभी मतदाता मिलकर वोट देते थे, पर कुछ सीटों पर केवल दलित उम्मीदवार ही खड़े हो सकते थे।

कथन 2 सही है। बदले में दलितों की आरक्षित सीटें 71 से बढ़ाकर 147 कर दी गईं, यानी लगभग दोगुनी। कुछ स्रोत यह संख्या 148 बताते हैं, पर अधिकांश मानक पुस्तकें 147 देती हैं। समझौते में यह भी तय हुआ कि केंद्रीय विधानमंडल में दलितों को 18% सीटें मिलेंगी।

45. Answer: d

1, 2 और 3

कथन 1 सही है। कैबिनेट मिशन योजना के अनुसार संविधान सभा में कुल 389 सदस्य होने थे: ब्रिटिश प्रांतों से 292, चीफ़ कमिश्नर प्रांतों से 4, और देशी रियासतों से 93। प्रांतों के सदस्य प्रांतीय विधानसभाओं ने एकल संक्रमणीय मत पद्धति से चुने, यानी चुनाव प्रत्यक्ष नहीं था। रियासतों के प्रतिनिधि शासकों द्वारा मनोनीत होने थे। विभाजन के बाद सदस्य संख्या घटकर 299 रह गई।

कथन 2 सही है। पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई, जिसका मुस्लिम लीग ने बहिष्कार किया। फ्रांसीसी परंपरा के अनुसार सबसे वरिष्ठ सदस्य डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को अस्थायी अध्यक्ष बनाया गया। 11 दिसंबर 1946 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्थायी अध्यक्ष चुने गए। 13 दिसंबर 1946 को नेहरू ने 'उद्देश्य प्रस्ताव' प्रस्तुत किया, जो बाद में प्रस्तावना का आधार बना।

कथन 3 सही है। भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 के बाद संविधान सभा ने दो भूमिकाएँ निभाईं। संविधान बनाने वाले निकाय के रूप में इसकी अध्यक्षता डॉ. राजेंद्र प्रसाद करते थे। विधायी निकाय (डोमिनियन संसद) के रूप में इसकी अध्यक्षता जी.वी. मावलंकर करते थे। यह दोहरी भूमिका 26 नवंबर 1949 तक चली, और उसके बाद संविधान सभा अस्थायी संसद के रूप में 1952 के पहले आम चुनाव तक बनी रही।

परीक्षक की दृष्टि: इस प्रश्न में सभी कथन सही हैं। छात्र अक्सर कथन 3 को गलत मान लेते हैं, क्योंकि उन्हें केवल राजेंद्र प्रसाद का नाम याद रहता है। संविधान सभा की दोहरी भूमिका UPPCS मुख्य परीक्षा में भी पूछी जाती है।

46. Answer: b

2 1 4 3

स्रोत	प्रमुख विशेषताएँ

ब्रिटेन	संसदीय शासन, विधि का शासन, एकल नागरिकता, मंत्रिमंडल प्रणाली, द्विसदनीयता
आयरलैंड	नीति निदेशक तत्व, राष्ट्रपति के निर्वाचन की पद्धति, राज्यसभा में सदस्यों का मनोनयन
ऑस्ट्रेलिया	समवर्ती सूची, व्यापार-वाणिज्य की स्वतंत्रता, संसद की संयुक्त बैठक
जर्मनी (वाइमर)	आपातकाल में मौलिक अधिकारों का निलंबन
अमेरिका	मौलिक अधिकार, न्यायिक पुनरावलोकन, राष्ट्रपति पर महाभियोग, उपराष्ट्रपति का पद
कनाडा	सशक्त केंद्र वाला संघ, अवशिष्ट शक्तियाँ केंद्र के पास, राज्यपाल की नियुक्ति
सोवियत संघ	मौलिक कर्तव्य, प्रस्तावना में न्याय (सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक) का आदर्श

परीक्षक की दृष्टि: 'संयुक्त बैठक' और 'समवर्ती सूची' दोनों ऑस्ट्रेलिया से हैं, इसलिए छात्र ऑस्ट्रेलिया को पहचान लेते हैं। पर 'आपातकाल' शब्द देखकर कई छात्र ब्रिटेन या अमेरिका चुन लेते हैं। मौलिक अधिकारों का निलंबन वाइमर संविधान से लिया गया, जबकि आपातकालीन प्रावधानों का सामान्य ढाँचा भारत शासन अधिनियम, 1935 से आया।

विकल्प-विश्लेषण: A = 2 जानने पर (b) और (c) बचते हैं। B = 1 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। C = 4 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं। D = 3 जानने पर (a), (b) और (c) बचते हैं।

47. Answer: a

3-1-4-2

परिवर्तन	संशोधन	वर्ष
प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'पंथनिरपेक्ष', 'अखंडता' जोड़े गए	42वाँ	1976
संपत्ति का अधिकार मौलिक अधिकार से हटाकर अनुच्छेद 300A में विधिक अधिकार बनाया गया	44वाँ	1978
मतदान आयु 21 से 18 वर्ष	61वाँ	1988
पंचायतों को संवैधानिक दर्जा (भाग IX)	73वाँ	1992

इसलिए सही क्रम 3-1-4-2 है।

परीक्षक की दृष्टि: विकल्प (b) में 42वें और 44वें संशोधन को उलटा गया है। दोनों करीबी वर्षों के हैं, और छात्र अक्सर भूल जाते हैं कि 44वाँ संशोधन जनता सरकार ने आपातकाल के बाद 42वें संशोधन की कई ज़्यादतियों को सुधारने के लिए किया था। यह कारण-परिणाम याद रहे, तो क्रम में गलती नहीं होगी।

48. Answer: c

A सही है, परंतु R गलत है

A सही है। यह केशवानंद भारती वाद (1973) का निष्कर्ष है, जिसमें 13 न्यायाधीशों की पीठ ने 7:6 के बहुमत से निर्णय दिया।

R गलत है। गोलकनाथ वाद (1967) में न्यायालय ने कहा था कि संसद मौलिक अधिकारों में संशोधन कर ही नहीं सकती, क्योंकि संविधान संशोधन भी अनुच्छेद 13 के अर्थ में 'विधि' है। यह मूल ढाँचे का सिद्धांत नहीं था। मूल ढाँचे का सिद्धांत केशवानंद भारती वाद में आया।

घटनाक्रम को इस तरह समझें:

वर्ष	घटना	प्रभाव
1951	शंकरी प्रसाद वाद	संसद मौलिक अधिकारों में संशोधन कर सकती है
1967	गोलकनाथ वाद	संसद मौलिक अधिकारों में संशोधन नहीं कर सकती
1971	24वाँ संशोधन	संसद ने अनुच्छेद 13 और 368 बदलकर संशोधन शक्ति पुनः स्थापित की
1973	केशवानंद भारती वाद	संसद संशोधन कर सकती है, पर मूल ढाँचा नहीं बदल सकती
1976	42वाँ संशोधन	संशोधन शक्ति को असीमित घोषित करने का प्रयास
1980	मिनर्वा मिल्स वाद	42वें संशोधन के वे भाग निरस्त; न्यायिक पुनरावलोकन और सीमित संशोधन शक्ति भी मूल ढाँचे का भाग

परीक्षक की दृष्टि: यह प्रश्न इस बात की जाँच करता है कि छात्र गोलकनाथ और केशवानंद भारती के निर्णयों का वास्तविक अंतर समझता है या नहीं। दोनों मामले संशोधन शक्ति से जुड़े हैं, पर निष्कर्ष बिल्कुल अलग हैं।

49. Answer: b

केवल 2

कथन 1 गलत है। अनुच्छेद 20 और 21 आपातकाल में निलंबित नहीं किए जा सकते, यह बात सही है। पर यह प्रावधान मूल संविधान में नहीं था। इसे **44वें संशोधन (1978)** ने अनुच्छेद 359 में जोड़ा। इसकी पृष्ठभूमि 1975 का आपातकाल और **ए.डी.एम. जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला (1976)** का निर्णय था, जिसमें न्यायालय ने कहा था कि आपातकाल में अनुच्छेद 21 के उल्लंघन पर भी व्यक्ति न्यायालय नहीं जा सकता। इसी निर्णय के प्रभाव को समाप्त करने के लिए 44वाँ संशोधन लाया गया। 2017 के पुट्टास्वामी (निजता) निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने ए.डी.एम. जबलपुर के निर्णय को स्पष्ट रूप से गलत माना।

कथन 2 सही है।

केवल नागरिकों को प्राप्त	सभी व्यक्तियों को प्राप्त (विदेशियों सहित)
अनुच्छेद 15, 16, 19, 29, 30	अनुच्छेद 14, 20, 21, 21A, 22, 23, 24, 25–28

परीक्षक की दृष्टि: कथन 1 का पहला भाग पूरी तरह सही है, और यही छात्र को फँसाता है। "मूल संविधान में ही था" वाला हिस्सा प्रश्न की असली परीक्षा है। संवैधानिक प्रावधानों में यह पूछा जाना कि "कब और क्यों जोड़ा गया", उच्च स्तर के प्रश्नों की पहचान है।

50. Answer: d

सभी चार

कथन 1 सही है। स्वर्ण सिंह समिति (1976) ने 8 मौलिक कर्तव्यों की सिफ़ारिश की थी, पर 42वें संशोधन ने 10 कर्तव्य जोड़े। इन्हें भाग IV-A, अनुच्छेद 51A में रखा गया। यह विचार तत्कालीन सोवियत संघ के संविधान से प्रेरित था।

कथन 2 सही है। 86वें संशोधन (2002) ने एक साथ तीन परिवर्तन किए: अनुच्छेद 21A (शिक्षा का मौलिक अधिकार), अनुच्छेद 45 में बदलाव (6 वर्ष तक के बच्चों की देखभाल और शिक्षा), और अनुच्छेद 51A(k) (11वाँ मौलिक कर्तव्य)। यह प्रश्न तीनों के परस्पर संबंध की समझ जाँचता है।

कथन 3 सही है। अनुच्छेद 44 राज्य को पूरे भारत में समान नागरिक संहिता लाने का प्रयास करने का निर्देश देता है। गोवा में पुर्तगाली काल से ही एक समान नागरिक संहिता लागू है, और 2024 में उत्तराखंड ने समान नागरिक संहिता अधिनियम पारित किया।

कथन 4 सही है। 42वें संशोधन ने चार नए नीति निदेशक तत्व जोड़े थे: अनुच्छेद 39(f) (बच्चों के स्वस्थ विकास के अवसर), 39A (समान न्याय और निःशुल्क विधिक सहायता), 43A (उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी), और 48A (पर्यावरण संरक्षण)। पर्यावरण से जुड़ा मौलिक कर्तव्य अनुच्छेद 51A(g) भी इसी संशोधन से आया।

परीक्षक की दृष्टि: "सभी चार" वाले प्रश्नों में छात्र यह मानकर चलता है कि कोई एक कथन गलत ज़रूर होगा, और किसी सही कथन पर अनावश्यक संदेह कर बैठता है। इस प्रश्न में कथन 4 सबसे अधिक संदेह पैदा करता है, क्योंकि छात्र 48A को मूल संविधान का भाग मान लेते हैं।

51. Answer: a

पुरुषों और महिलाओं के लिए समान कार्य हेतु समान वेतन

वर्ग	अनुच्छेद	उदाहरण
समाजवादी	38, 39, 39A, 41, 42, 43, 43A, 47 (पोषण और जीवन स्तर वाला भाग)	समान कार्य के लिए समान वेतन (39d), धन के केंद्रीकरण पर रोक (39c)
गांधीवादी	40, 43, 43B, 46, 47 (मद्य-निषेध वाला भाग), 48	ग्राम पंचायतें, कुटीर उद्योग, सहकारी समितियाँ, मद्य-निषेध, गौवध निषेध
उदार-बौद्धिक	44, 45, 48, 48A, 49, 50, 51	समान नागरिक संहिता, कार्यपालिका से न्यायपालिका का पृथक्करण, अंतरराष्ट्रीय शांति

'समान कार्य के लिए समान वेतन' आर्थिक न्याय और श्रमिक कल्याण की समाजवादी अवधारणा से जुड़ा है, इसलिए यह गांधीवादी सिद्धांत नहीं है।

परीक्षक की दृष्टि: छात्र अक्सर अनुच्छेद 47 में भ्रमित होते हैं, क्योंकि इसमें दो भाग हैं। पोषण और जीवन स्तर सुधारना समाजवादी विचार है, जबकि मद्य-निषेध गांधीवादी। विकल्प (d) में केवल मद्य-निषेध वाला भाग लिया गया है। अनुच्छेद 43 में भी दो भाग हैं: 'निर्वाह मज़दूरी' समाजवादी है, और 'ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योग' गांधीवादी। वर्गीकरण अनुच्छेद से नहीं, प्रावधान की विषय-वस्तु से होता है।

52. Answer: c

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। अनुच्छेद 109 और 117 के अनुसार धन विधेयक केवल लोकसभा में प्रस्तुत हो सकता है, और इसके लिए राष्ट्रपति की पूर्व अनुशंसा आवश्यक है। कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसका अंतिम निर्णय लोकसभा अध्यक्ष करता है (अनुच्छेद 110(3))।

कथन 2 सही है। राज्यसभा धन विधेयक को न अस्वीकार कर सकती है, न संशोधित। वह केवल सिफ़ारिशें दे सकती है, जिन्हें मानना या न मानना लोकसभा पर निर्भर है। यदि राज्यसभा 14 दिनों में विधेयक नहीं लौटाती, तो उसे दोनों सदनों द्वारा पारित मान लिया जाता है।

कथन 3 गलत है। अनुच्छेद 108 के अंतर्गत संयुक्त बैठक केवल साधारण विधेयकों पर गतिरोध दूर करने के लिए बुलाई जाती है। धन विधेयक पर गतिरोध की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होती, क्योंकि राज्यसभा के पास उसे रोकने की शक्ति नहीं है। संविधान संशोधन विधेयक पर भी संयुक्त बैठक नहीं होती, क्योंकि उसे दोनों सदनों को अलग-अलग विशेष बहुमत से पारित करना होता है।

विधेयकों की तुलना:

आधार	साधारण विधेयक	धन विधेयक	संविधान संशोधन विधेयक
कहाँ प्रस्तुत	किसी भी सदन में	केवल लोकसभा	किसी भी सदन में
राष्ट्रपति की पूर्व अनुशंसा	आवश्यक नहीं	आवश्यक	आवश्यक नहीं
संयुक्त बैठक	संभव	नहीं	नहीं
राष्ट्रपति द्वारा पुनर्विचार हेतु लौटाना	संभव	नहीं	नहीं (24वें संशोधन के बाद स्वीकृति अनिवार्य)

अब तक केवल तीन संयुक्त बैठकें हुई हैं: 1961 (दहेज निषेध विधेयक), 1978 (बैंकिंग सेवा आयोग निरसन विधेयक), और 2002 (आतंकवाद निवारण विधेयक, POTA)।

53. Answer: a

2 1 3 4

लोक लेखा समिति: इसका गठन पहली बार 1921 में भारत शासन अधिनियम, 1919 के अंतर्गत हुआ। इसमें 22 सदस्य होते हैं: 15 लोकसभा से और 7 राज्यसभा से। 1967 से इसका अध्यक्ष परंपरागत रूप से विपक्ष से बनाया जाता है, जिसकी नियुक्ति लोकसभा अध्यक्ष करता है। यह नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की रिपोर्टों की जाँच करती है,

इसलिए CAG को इस समिति का 'मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक' कहा जाता है।

प्राक्कलन समिति: इसका गठन 1950 में तत्कालीन वित्त मंत्री जॉन मथाई की सिफ़ारिश पर हुआ। इसके सभी 30 सदस्य केवल लोकसभा से होते हैं, और राज्यसभा का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होता। यह सबसे बड़ी वित्तीय समिति है और सरकारी व्यय में 'मितव्ययिता' के सुझाव देती है, इसलिए इसे 'सतत मितव्ययिता समिति' कहा जाता है।

सार्वजनिक उपक्रम समिति: इसका गठन 1964 में कृष्ण मेनन समिति की सिफ़ारिश पर हुआ। इसमें भी 22 सदस्य (15 लोकसभा, 7 राज्यसभा) होते हैं। यह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की रिपोर्टों और लेखों की जाँच करती है।

कार्य मंत्रणा समिति: यह सदन की कार्यसूची और समय-निर्धारण तय करती है। लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति का अध्यक्ष स्वयं लोकसभा अध्यक्ष होता है।

परीक्षक की दृष्टि: लोक लेखा समिति और सार्वजनिक उपक्रम समिति दोनों में 22 सदस्य होते हैं। इसलिए सूची-II में सदस्य संख्या को आधार नहीं बनाया गया, बल्कि ऐसी विशेषताएँ दी गई हैं जो केवल एक समिति पर लागू होती हैं। उच्च स्तर के मिलान प्रश्न में यही सावधानी रखी जाती है, ताकि कोई विकल्प दो उत्तरों से मेल न खाए।

विकल्प-विश्लेषण: A = 2 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 1 जानने पर (a) और (d) बचते हैं। C = 3 जानने पर (a) और (b) बचते हैं।

54. Answer: d

केवल 2 और 3

कथन 1 गलत है। अनुच्छेद 94 के अनुसार लोकसभा भंग होने पर भी अध्यक्ष अपना पद तुरंत नहीं छोड़ता। वह नई लोकसभा की पहली बैठक से ठीक पहले तक पद पर बना रहता है। इसका उद्देश्य यह है कि सदन की निरंतरता और सचिवालय का कार्य बाधित न हो।

कथन 2 सही है। अध्यक्ष अपना त्यागपत्र उपाध्यक्ष को, और उपाध्यक्ष अपना त्यागपत्र अध्यक्ष को संबोधित करता है। यह व्यवस्था इसलिए है, क्योंकि दोनों सदन द्वारा चुने जाते हैं और सदन के प्रति ही उत्तरदायी हैं, राष्ट्रपति के प्रति नहीं।

कथन 3 सही है। अनुच्छेद 100 के अनुसार अध्यक्ष पहली बार मतदान नहीं करता, ताकि उसकी निष्पक्षता बनी रहे। मत बराबर होने पर वह निर्णायक मत (casting vote) देता है।

एक महत्वपूर्ण अपवाद: जब अध्यक्ष को हटाने का प्रस्ताव विचाराधीन हो (अनुच्छेद 96), तब वह सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकता। उस समय वह पहली बार मतदान कर सकता है, पर मत बराबर होने पर निर्णायक मत नहीं दे सकता। इसी अपवाद के कारण कथन 3 में "सामान्यतः" शब्द जोड़ा गया है। उच्च स्तर के प्रश्नों में ऐसे शब्दों पर ध्यान देना आवश्यक है।

55. Answer: b

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है।

निर्वाचक	राष्ट्रपति (अनुच्छेद 54)	उपराष्ट्रपति (अनुच्छेद 66)
संसद के निर्वाचित सदस्य	हाँ	हाँ
संसद के मनोनीत सदस्य	नहीं	हाँ
राज्य विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य	हाँ	नहीं
विधान परिषदों के सदस्य	नहीं	नहीं

इस अंतर का तर्क यह है कि राष्ट्रपति पूरे संघ (केंद्र और राज्य दोनों) का प्रतिनिधि है, इसलिए राज्य विधानसभाएँ भी उसे चुनती हैं। उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति है, इसलिए उसे केवल संसद चुनती है।

कथन 2 सही है। मूल संविधान में केंद्र शासित प्रदेशों का कोई प्रावधान नहीं था। **70वें संशोधन (1992)** ने दिल्ली और पुडुचेरी की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों को राष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल में शामिल किया। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा के निर्वाचित सदस्य भी इसमें शामिल होते हैं।

कथन 3 गलत है। अनुच्छेद 61 के अनुसार महाभियोग किसी भी सदन में प्रारंभ किया जा सकता है। इसके लिए उस सदन के एक-चौथाई सदस्यों के हस्ताक्षर और राष्ट्रपति को 14 दिन की पूर्व सूचना आवश्यक है। प्रस्ताव को दोनों सदनों में कुल सदस्य संख्या के दो-तिहाई बहुमत से पारित होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि महाभियोग में संसद के मनोनीत सदस्य भी भाग लेते हैं, जबकि राष्ट्रपति के निर्वाचन में वे भाग नहीं लेते। यह भी परीक्षा में बार-बार पूछा जाता है।

56. Answer: c

राज्यपाल राज्य विधानमंडल द्वारा पारित किसी भी विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित नहीं कर सकता।

कुछ मामलों में आरक्षण अनिवार्य भी है। उदाहरण के लिए, जो विधेयक उच्च न्यायालय की शक्तियों को इतना कम करे कि उसकी संवैधानिक स्थिति खतरे में पड़ जाए, उसे राज्यपाल को राष्ट्रपति के पास भेजना ही होगा।

अन्य विकल्प सही हैं:

(a) अनुच्छेद 156 के अनुसार राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद पर रहता है। उसका कार्यकाल सामान्यतः पाँच वर्ष है, पर राष्ट्रपति उसे कभी भी हटा सकता है। **बी.पी. सिंघल वाद (2010)** में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह शक्ति मनमाने ढंग से प्रयोग नहीं की जा सकती और केवल केंद्र में सरकार बदलने के आधार पर राज्यपाल को नहीं हटाया जा सकता।

(b) यह प्रावधान **7वें संशोधन (1956)** द्वारा जोड़ा गया।

(d) अनुच्छेद 213 राज्यपाल को अध्यादेश की शक्ति देता है, जैसे अनुच्छेद 123 राष्ट्रपति को।

हाल का संदर्भ: राज्यपालों द्वारा विधेयकों को लंबे समय तक रोके रखने के विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय ने **तमिलनाडु राज्य बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल (2025)** वाद में विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए समय-

सीमा निर्धारित की। इसके बाद राष्ट्रपति ने अनुच्छेद 143 के अंतर्गत इस विषय पर सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श माँगा। यह विषय वर्तमान में संवैधानिक बहस का केंद्र है, इसलिए परीक्षा से पहले इसकी नवीनतम स्थिति ज़रूर देख लें।

57. Answer: d

2 4 1 3

अनुच्छेद 74: राष्ट्रपति को सहायता और सलाह देने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद होगी। **42वें संशोधन (1976)** ने राष्ट्रपति के लिए इस सलाह को मानना अनिवार्य कर दिया। **44वें संशोधन (1978)** ने राष्ट्रपति को यह अधिकार दिया कि वह सलाह को एक बार पुनर्विचार के लिए लौटा सके, पर पुनर्विचार के बाद दी गई सलाह उसे माननी होगी।

अनुच्छेद 78: प्रधानमंत्री का कर्तव्य है कि वह मंत्रिपरिषद के सभी निर्णयों और विधायी प्रस्तावों की सूचना राष्ट्रपति को दे, और राष्ट्रपति द्वारा माँगी गई जानकारी उपलब्ध कराए। यह प्रधानमंत्री को राष्ट्रपति और मंत्रिपरिषद के बीच की कड़ी बनाता है।

अनुच्छेद 111: संसद द्वारा पारित विधेयक पर राष्ट्रपति की अनुमति से संबंधित है। साधारण विधेयक के मामले में राष्ट्रपति के पास 'पॉकेट वीटो' भी है, क्योंकि संविधान कोई समय-सीमा तय नहीं करता। 1986 में राष्ट्रपति ज्ञानी ज़ैल सिंह ने भारतीय डाक (संशोधन) विधेयक पर इसका प्रयोग किया था।

अनुच्छेद 143: राष्ट्रपति सार्वजनिक महत्व के किसी विधि या तथ्य के प्रश्न पर सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श माँग सकता है। न्यायालय की यह राय राष्ट्रपति पर बाध्यकारी नहीं होती। इस अनुच्छेद के प्रमुख उदाहरण हैं: केरल शिक्षा विधेयक (1958), बेरुबारी संघ (1960), राम जन्मभूमि (1993, जिसमें न्यायालय ने राय देने से इनकार कर दिया), और तीसरा न्यायाधीश वाद (1998)।

विकल्प-विश्लेषण: A = 2 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 4 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 1 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। D = 3 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

58. Answer: a

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु मूल संविधान में 60 वर्ष थी, जिसे **15वें संशोधन (1963)** ने बढ़ाकर 62 वर्ष किया। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की आयु 65 वर्ष है।

कथन 2 सही है। यह कथन सुनने में उलटा लगता है, पर यह संवैधानिक रूप से सही है। सर्वोच्च न्यायालय अनुच्छेद 32 के अंतर्गत केवल मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर रिट जारी कर सकता है। उच्च न्यायालय अनुच्छेद 226 के अंतर्गत मौलिक अधिकारों के साथ-साथ "किसी अन्य प्रयोजन" के लिए भी रिट जारी कर सकता है, यानी सामान्य विधिक अधिकारों के उल्लंघन पर भी। इसलिए रिट अधिकारिता के क्षेत्र में उच्च न्यायालय की शक्ति अधिक व्यापक है।

एक अंतर और है। अनुच्छेद 32 स्वयं एक मौलिक अधिकार है, जिसे डॉ. अंबेडकर ने 'संविधान का हृदय और आत्मा' कहा था। अनुच्छेद 226 मौलिक अधिकार नहीं है, इसलिए उच्च न्यायालय चाहे तो रिट जारी करने से मना कर सकता है।

कथन 3 गलत है। न्यायाधीश जाँच अधिनियम, 1968 के अनुसार हटाने का प्रस्ताव लोकसभा में कम-से-कम **100 सदस्यों** और राज्यसभा में कम-से-कम **50 सदस्यों** के हस्ताक्षर से प्रस्तुत किया जाता है। अब तक किसी भी न्यायाधीश को इस प्रक्रिया से हटाया नहीं गया है। 1993 में न्यायमूर्ति वी. रामास्वामी के विरुद्ध प्रस्ताव लोकसभा में आवश्यक बहुमत न मिलने से गिर गया था।

परीक्षक की दृष्टि: कथन 3 में राज्यसभा की संख्या (50) को लोकसभा के साथ जोड़कर जाल बनाया गया है। यह संख्याओं का सबसे आम भ्रम है।

59. Answer: c

2-4-3-1

वाद	वर्ष	मुख्य सिद्धांत
गोलकनाथ	1967	संसद मौलिक अधिकारों में संशोधन नहीं कर सकती
केशवानंद भारती	1973	मूल ढाँचे का सिद्धांत
इंदिरा साहनी (मंडल वाद)	नवंबर 1992	अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27% आरक्षण वैध; आरक्षण की अधिकतम सीमा सामान्यतः 50%; 'क्रीमी लेयर' का बहिष्कार
एस.आर. बोम्मई	मार्च 1994	अनुच्छेद 356 का प्रयोग न्यायिक पुनरावलोकन के अधीन; बहुमत का परीक्षण सदन में ही होगा; पंथनिरपेक्षता मूल ढाँचे का भाग

इसलिए सही क्रम 2-4-3-1 है।

परीक्षक की दृष्टि: पहले दो स्थान आसानी से तय हो जाते हैं। असली परीक्षा इंदिरा साहनी (1992) और बोम्मई (1994) के बीच है। दोनों 1990 के दशक की शुरुआत के बड़े निर्णय हैं, इसलिए विकल्प (d) इन्हीं दोनों को उलटकर बनाया गया है।

संदर्भ से याद रखें: मंडल

आयोग की सिफ़ारिशें 1990 में लागू हुईं और उस पर विवाद तुरंत न्यायालय पहुँचा, इसलिए इंदिरा साहनी का निर्णय 1992 में आया। बोम्मई वाद 1989 में कर्नाटक सरकार की बर्ख़ास्तगी से शुरू हुआ, पर इसमें 1992 के बाद कई राज्यों में लगे राष्ट्रपति शासन के मामले भी जुड़ गए, जिससे निर्णय 1994 में आया।

60. Answer: b

केवल तीन

निकाय	प्रकृति	आधार
राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग	संवैधानिक	अनुच्छेद 338 (89वें संशोधन, 2003 से अलग आयोग)

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग	संवैधानिक	अनुच्छेद 338B (102वाँ संशोधन, 2018)
राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	सांविधिक	मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993
नीति आयोग	कार्यकारी	केंद्रीय मंत्रिमंडल का प्रस्ताव (1 जनवरी 2015)
GST परिषद	संवैधानिक	अनुच्छेद 279A (101वाँ संशोधन, 2016)

इसलिए तीन निकाय संवैधानिक हैं: 1, 2 और 5।

परीक्षक की दृष्टि: राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग 1993 में एक सांविधिक निकाय के रूप में बना था, और 2018 में इसे संवैधानिक दर्जा मिला। जो छात्र पुरानी जानकारी पर निर्भर हैं, वे इसे सांविधिक मान लेते हैं। इसी तरह GST परिषद को कई छात्र केवल एक प्रशासनिक मंच समझते हैं, जबकि यह संविधान में स्थापित निकाय है। नीति आयोग न संवैधानिक है, न सांविधिक; यह पूरी तरह कार्यकारी निकाय है, जैसा उससे पहले योजना आयोग था।

61. Answer: a

केवल 1

कथन 1 सही है। अनुच्छेद 324(5) के अनुसार मुख्य निर्वाचन आयुक्त को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की तरह, संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से पारित प्रस्ताव के आधार पर ही हटाया जा सकता है। अन्य निर्वाचन आयुक्तों को मुख्य निर्वाचन आयुक्त की सिफ़ारिश के बिना नहीं हटाया जा सकता। यह सुरक्षा उन्हें कार्यपालिका के दबाव से बचाने के लिए है।

इस संदर्भ में यह भी ध्यान दें कि अन्य निर्वाचन आयुक्तों को मुख्य निर्वाचन आयुक्त जैसी सुरक्षा नहीं मिली है, जिसे विद्वान एक संरचनात्मक कमी मानते हैं। नियुक्ति के मामले में **अनूप बरनवाल वाद (2023)** में सर्वोच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश की समिति का सुझाव दिया था। इसके बाद संसद ने **मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और पदावधि) अधिनियम, 2023** पारित किया, जिसमें समिति में मुख्य न्यायाधीश के स्थान पर प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री को रखा गया।

कथन 2 गलत है। अनुच्छेद 148(4) के अनुसार नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक सेवानिवृत्ति या पद छोड़ने के बाद भारत सरकार या किसी राज्य सरकार के अधीन कोई पद धारण नहीं कर सकता। इसका उद्देश्य यह है कि वह पद पर रहते हुए किसी भावी लाभ की आशा में सरकार के प्रति नरम न पड़े। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक (जो पहले हो) होता है।

इसी तरह की पाबंदी वाले अन्य पद:

पद	**सेवानिवृत्ति के बाद पाबंदी**
नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	केंद्र या राज्य सरकार में कोई पद नहीं
संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष	केंद्र या राज्य सरकार में कोई पद नहीं
सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश	भारत के किसी न्यायालय में वकालत नहीं

62. Answer: d

1, 2 और 3

कथन 1 सही है। वित्त आयोग एक अर्ध-न्यायिक संवैधानिक निकाय है, जिसमें एक अध्यक्ष और चार सदस्य होते हैं। यह केंद्र और राज्यों के बीच करों के बँटवारे (ऊर्ध्वाधर हस्तांतरण) और राज्यों के बीच उनके आपसी बँटवारे (क्षैतिज हस्तांतरण) की सिफ़ारिश करता है। इसकी सिफ़ारिशें सलाहकारी होती हैं, बाध्यकारी नहीं। 16वें वित्त आयोग का गठन दिसंबर 2023 में अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में हुआ।

कथन 2 सही है। अनुच्छेद 317 के अनुसार 'कदाचार' के आधार पर हटाने के लिए राष्ट्रपति मामला सर्वोच्च न्यायालय को भेजता है। यदि न्यायालय जाँच के बाद हटाने की सलाह देता है, तो राष्ट्रपति हटा सकता है, और यह सलाह राष्ट्रपति पर बाध्यकारी होती है। इसके विपरीत, दिवालिया होने, पद के अतिरिक्त कोई लाभकारी नियोजन करने, या मानसिक-शारीरिक अक्षमता के आधार पर राष्ट्रपति बिना सर्वोच्च न्यायालय की जाँच के भी हटा सकता है।

कथन 3 सही है। यह इस प्रश्न का सबसे महत्वपूर्ण कॉन्सेप्ट है। अनुच्छेद 316 के अनुसार राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल करता है। पर अनुच्छेद 317 के अनुसार उन्हें हटाने की शक्ति केवल राष्ट्रपति को है, राज्यपाल को नहीं। राज्यपाल जाँच लंबित रहने तक उन्हें केवल निलंबित कर सकता है।

परीक्षक की दृष्टि: "नियुक्ति करने वाला ही हटाता है" यह सामान्य धारणा राज्य लोक सेवा आयोग पर लागू नहीं होती। यह प्रावधान आयोग को राज्य सरकार के राजनीतिक दबाव से बचाने के लिए किया गया है।

UPPCS के लिए विशेष: उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्रयागराज) पर भी यही प्रावधान लागू होते हैं।

63. Answer: c

केवल 1, 3 और 4

कथन 1 सही है। 73वें संशोधन (1992) ने भाग IX (अनुच्छेद 243 से 243-O) और ग्यारहवीं अनुसूची (29 विषय) जोड़ी। यह 24 अप्रैल 1993 से लागू हुआ, इसीलिए 24 अप्रैल को 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' मनाया जाता है। 74वें संशोधन ने नगरपालिकाओं के लिए भाग IX-A और बारहवीं अनुसूची (18 विषय) जोड़ी।

कथन 2 गलत है। अनुच्छेद 243K के अनुसार राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति **राज्यपाल** करता है, भारत का निर्वाचन आयोग नहीं। राज्य निर्वाचन आयोग भारत के निर्वाचन आयोग से पूरी तरह स्वतंत्र संस्था है। राज्य निर्वाचन आयुक्त को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की तरह ही हटाया जा सकता है।

कथन 3 सही है। अनुच्छेद 243-I के अनुसार राज्यपाल प्रत्येक पाँच वर्ष में राज्य वित्त आयोग का गठन करता है। यह राज्य और पंचायतों के बीच करों, शुल्कों और अनुदानों के बँटवारे की सिफ़ारिश करता है। यही आयोग अनुच्छेद 243Y के अंतर्गत नगरपालिकाओं की वित्तीय स्थिति की भी समीक्षा करता है।

कथन 4 सही है। अनुच्छेद 243F के अनुसार पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष है, जबकि मतदान की आयु 18 वर्ष है।

73वें संशोधन के अनिवार्य और स्वैच्छिक प्रावधान:

अनिवार्य	स्वैच्छिक (राज्य पर निर्भर)
त्रिस्तरीय व्यवस्था (20 लाख से अधिक जनसंख्या वाले राज्यों में)	पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण
ग्राम सभा का गठन	पंचायतों को कर लगाने की शक्ति
अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए आरक्षण	सांसदों और विधायकों को पंचायतों में प्रतिनिधित्व
महिलाओं के लिए कम-से-कम एक-तिहाई आरक्षण	ग्यारहवीं अनुसूची के विषयों का हस्तांतरण
5 वर्ष का कार्यकाल; भंग होने पर 6 माह में चुनाव	
राज्य निर्वाचन आयोग और राज्य वित्त आयोग	

परीक्षक की दृष्टि: कथन 2 सबसे खतरनाक है, क्योंकि "निर्वाचन आयोग" शब्द सुनकर छात्र मान लेते हैं कि भारत का निर्वाचन आयोग ही पंचायत चुनाव से जुड़ा होगा। स्थानीय निकायों की पूरी व्यवस्था राज्य स्तर पर है, इसलिए नियुक्ति भी राज्यपाल करता है।

64. Answer: b

मिज़ोरम

अपवर्जित क्षेत्र	कारण
नगालैंड, मेघालय और मिज़ोरम राज्य	पारंपरिक जनजातीय स्वशासन संस्थाएँ
पाँचवीं अनुसूची के अनुसूचित क्षेत्र	जनजातीय क्षेत्रों की विशिष्ट व्यवस्था
छठी अनुसूची के जनजातीय क्षेत्र	स्वायत्त ज़िला परिषदें
मणिपुर के वे पहाड़ी क्षेत्र जहाँ ज़िला परिषदें हैं	स्थानीय परिषदें पहले से विद्यमान
पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग के वे क्षेत्र जहाँ दार्जिलिंग गोरखा हिल परिषद है	विशेष परिषद पहले से विद्यमान

इसलिए मिज़ोरम पर भाग IX लागू नहीं होता।

अन्य विकल्प क्यों गलत हैं:

(a) त्रिपुरा: त्रिपुरा राज्य पर भाग IX लागू होता है। केवल वहाँ के छठी अनुसूची वाले क्षेत्र (त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त ज़िला परिषद) इससे बाहर हैं। पूरे राज्य और उसके कुछ क्षेत्रों का यह अंतर ही इस विकल्प को जाल बनाता है।

(c) अरुणाचल प्रदेश: यह जनजातीय बहुल राज्य है, इसलिए छात्र मान लेते हैं कि यहाँ भाग IX लागू नहीं होगा। वास्तव में यह छठी अनुसूची में नहीं है, और यहाँ पंचायती राज व्यवस्था लागू है।

(d) सिक्किम: यहाँ भी भाग IX लागू है, और राज्य का अपना पंचायती राज अधिनियम है।

पाँचवीं अनुसूची के क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान: अनुसूचित क्षेत्रों तक पंचायती राज का विस्तार करने के लिए संसद ने **पेसा अधिनियम (PESA), 1996** पारित किया। यह भूरिया समिति की सिफ़ारिश पर बना, और इसमें ग्राम सभा को लघु वनोपज, लघु खनिज और स्थानीय संसाधनों पर व्यापक अधिकार दिए गए।

65. Answer: c

केवल दो

कथन 1 सही है। स्तनधारियों की परिपक्व RBC परिपक्वता के दौरान अपना केंद्रक बाहर निकाल देती हैं। इससे कोशिका का आकार उभयावतल (biconcave) हो जाता है, जिसके दो लाभ हैं: हीमोग्लोबिन के लिए अधिक स्थान, और गैसों के आदान-प्रदान के लिए अधिक पृष्ठ क्षेत्रफल। यह लचीलापन उन्हें सूक्ष्म केशिकाओं से गुज़रने में भी मदद करता है।

कथन 2 सही है। यह इस प्रश्न का सबसे गहरा कॉन्सेप्ट है। RBC का काम ऑक्सीजन ढोना है। यदि उनमें माइटोकॉन्ड्रिया होते, तो वे ढोई जा रही ऑक्सीजन का कुछ भाग स्वयं ख़र्च कर देतीं। इसलिए वे केवल ग्लाइकोलिसिस (अवायवीय मार्ग) से ऊर्जा बनाती हैं, जिससे प्रति ग्लूकोज़ अणु केवल 2 ATP मिलते हैं। यह प्रकृति का एक सुंदर "डिज़ाइन समझौता" है: कम ऊर्जा, पर ऑक्सीजन का पूरा परिवहन।

कथन 3 गलत है। वयस्क में RBC का निर्माण (erythropoiesis) **लाल अस्थि मज्जा** में होता है। भ्रूण अवस्था में निर्माण क्रमशः पीतक कोष (yolk sac), यकृत और प्लीहा में होता है। यही तथ्य छात्र को भ्रमित करता है।

अतिरिक्त तथ्य: RBC का जीवनकाल लगभग 120 दिन है। पुरानी RBC मुख्यतः प्लीहा में नष्ट होती हैं, इसलिए प्लीहा को 'RBC का कब्रिस्तान' कहा जाता है। RBC के निर्माण को वृक्क से स्रावित हार्मोन एरिथ्रोपोइटिन नियंत्रित करता है। इसका संबंध प्रश्न 2 से भी है।

66. Answer: a

3 2 1 4

मेलाटोनिन (पीनियल ग्रंथि): यह नींद-जागरण के दैनिक चक्र (circadian rhythm) को नियंत्रित करता है। अंधेरे में इसका स्राव बढ़ता है और प्रकाश में घटता है। रात में मोबाइल स्क्रीन की नीली रोशनी से नींद पर पड़ने वाला प्रभाव इसी हार्मोन के दबने से जुड़ा माना जाता है।

कैल्सिटोनिन (थायरॉइड): यह थायरॉइड की पैराफ़ॉलिक्युलर (C) कोशिकाओं से स्रावित होता है और रक्त में कैल्शियम का स्तर **घटाता** है। इसका विपरीत कार्य पैराथायरॉइड ग्रंथि का **पैराथॉर्मोन** करता है, जो रक्त कैल्शियम बढ़ाता है। दोनों मिलकर कैल्शियम का संतुलन बनाए रखते

हैं। थायरॉइड के प्रसिद्ध हार्मोन थायरॉक्सिन के कारण छात्र कैल्सिटोनिन को भूल जाते हैं।

एरिथ्रोपोइटिन (वृक्क): शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने पर वृक्क इसे स्रावित करते हैं, जो अस्थि मज्जा में RBC का निर्माण बढ़ाता है। इसीलिए दीर्घकालिक वृक्क रोग के रोगियों में अक्सर रक्ताल्पता (anaemia) होती है। खिलाड़ियों में इसका अवैध प्रयोग (EPO डोपिंग) भी होता है। अधिकांश छात्र वृक्क को केवल उत्सर्जन अंग मानते हैं, इसलिए यह जोड़ा कठिन है।

एल्डोस्टेरोन (अधिवृक्क वल्कुट): यह वृक्क में सोडियम के पुनः अवशोषण और पोटैशियम के उत्सर्जन को बढ़ाता है, जिससे जल और रक्तचाप का संतुलन बना रहता है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 3 जानने पर (a) और (c) बचते हैं। B = 2 जानने पर (a) और (d) बचते हैं। C = 1 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं। D = 4 जानने पर (a), (b) और (c) बचते हैं।

67. Answer: d

केवल 2 और 3

कथन 1 गलत है। प्रतिजैविक जीवाणुओं की कोशिका भित्ति, प्रोटीन निर्माण या चयापचय पर प्रहार करते हैं। वायरस में ये संरचनाएँ होती ही नहीं, क्योंकि वायरस अपना प्रजनन मेज़बान कोशिका के भीतर करता है। इसलिए वायरल संक्रमण पर प्रतिजैविक का कोई असर नहीं होता। वायरल रोगों में इनका अनावश्यक प्रयोग **रोगाणुरोधी प्रतिरोध (Antimicrobial Resistance, AMR)** की समस्या बढ़ाता है, जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन एक वैश्विक ख़तरा मानता है।

कथन 2 सही है। mRNA टीका कोशिका को एक "निर्देश" देता है कि वह वायरस का एक हानिरहित प्रोटीन (जैसे कोरोना वायरस का स्पाइक प्रोटीन) बनाए। प्रतिरक्षा तंत्र इस प्रोटीन को पहचानकर एंटीबॉडी बनाता है। यह mRNA कोशिका द्रव्य में ही कार्य करता है, केंद्रक में प्रवेश नहीं करता, और कुछ समय में नष्ट हो जाता है। इसलिए यह DNA को नहीं बदलता। mRNA टीकों के आधार बने शोध के लिए कैटलिन करिको और ड्रयू वाइसमैन को 2023 का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला।

कथन 3 सही है।

प्रकार	**एंटीबॉडी कौन बनाता है**	**उदाहरण**	**अवधि**
सक्रिय प्रतिरक्षा	शरीर स्वयं	संक्रमण के बाद, टीकाकरण	दीर्घकालिक
निष्क्रिय प्रतिरक्षा	बाहर से तैयार एंटीबॉडी मिलती हैं	कोलोस्ट्रम, गर्भनाल से, एंटी-वेनम, एंटी-टेटनस सीरम	अल्पकालिक

कोलोस्ट्रम में विशेष रूप से IgA एंटीबॉडी होती हैं, जो नवजात को शुरुआती संक्रमणों से बचाती हैं।

68. Answer: b

A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है

A सही है और R भी सही है। पर R, A की व्याख्या नहीं है, और यही इस प्रश्न का असली कॉन्सेप्ट है।

रक्त आधान (transfusion) में निर्णायक बात यह है कि **दाता की RBC की सतह पर कौन-से एंटीजन हैं।** यदि दाता की RBC पर ऐसा एंटीजन हो जिसके विरुद्ध ग्राही के प्लाज़्मा में एंटीबॉडी हैं, तो RBC का गुच्छन (agglutination) हो जाएगा।

O– रक्त की RBC पर न A एंटीजन है, न B एंटीजन, न Rh (D) एंटीजन। इसलिए ग्राही के प्लाज़्मा की कोई एंटीबॉडी उन पर हमला नहीं करती। **यही O– के सार्वभौमिक दाता होने का वास्तविक कारण है।**

R में बताई गई बात (O के प्लाज़्मा में एंटी-A और एंटी-B एंटीबॉडी) सही तो है, पर यह दाता होने का कारण नहीं है। उलटे, यह तथ्य O को सबसे सीमित ग्राही बनाता है: O व्यक्ति केवल O रक्त ही ले सकता है।

रक्त समूह	**RBC पर एंटीजन**	**प्लाज़्मा में एंटीबॉडी**	**विशेषता**
A	A	एंटी-B	—
B	B	एंटी-A	—
AB	A और B	कोई नहीं	सार्वभौमिक ग्राही (AB+)
O	कोई नहीं	एंटी-A और एंटी-B	सार्वभौमिक दाता (O–)

परीक्षक की दृष्टि: यह प्रश्न इसलिए कठिन है कि R, A से जुड़ा हुआ और "वैज्ञानिक" लगता है। जो छात्र केवल रटते हैं, वे (a) चुनते हैं। जो दाता की RBC और ग्राही के प्लाज़्मा का अंतर समझते हैं, वे (b) तक पहुँचते हैं।

अतिरिक्त तथ्य: ABO रक्त समूह की खोज कार्ल लैंडस्टीनर ने 1900–01 में की। **बॉम्बे ब्लड ग्रुप** (hh) की खोज 1952 में मुंबई में डॉ. वाई.एम. भेंडे ने की थी। इसमें RBC पर H एंटीजन भी नहीं होता, इसलिए ऐसा व्यक्ति O रक्त भी नहीं ले सकता।

69. Answer: a

पित्त रस में कोई पाचक एंज़ाइम नहीं होता, फिर भी यह वसा के पाचन में सहायक है।

(a) सही है। पित्त रस यकृत में बनता है और पित्ताशय में संग्रहित होता है। इसमें कोई एंज़ाइम नहीं होता, पर इसके **पित्त लवण** वसा की बड़ी बूँदों को छोटी-छोटी बूँदों में तोड़ देते हैं। इसे **इमल्सीकरण** कहते हैं। यह वही रासायनिक सिद्धांत है जिससे साबुन तेल के दाग़ हटाता है। छोटी बूँदों का कुल पृष्ठ क्षेत्रफल बढ़ जाता है, जिससे लाइपेज़ एंज़ाइम वसा का पाचन तेज़ी से कर पाता है। पित्त रस क्षारीय भी होता है, जो आमाशय से आए अम्लीय भोजन को उदासीन करने में मदद करता है।

(b) गलत है। लार का pH लगभग 6.8 होता है, यानी लगभग उदासीन। pH 2 आमाशय के रस का होता है। लार में उपस्थित एंज़ाइम **टायलिन (लार एमाइलेज़)** स्टार्च को माल्टोज़ में बदलता है।

(c) गलत है। पेप्सिन प्रोटीन को पचाता है और **अत्यधिक अम्लीय माध्यम (pH लगभग 2)** में सर्वाधिक सक्रिय होता है। यह निष्क्रिय

पेप्सिनोजन के रूप में स्रावित होता है, और आमाशय का HCl इसे सक्रिय पेप्सिन में बदलता है।

(d) गलत है। ट्रिप्सिन **अग्न्याशय (pancreas)** से निष्क्रिय ट्रिप्सिनोजन के रूप में स्रावित होता है। छोटी आँत (ग्रहणी) में एंटेरोकाइनेज़ एंज़ाइम इसे सक्रिय ट्रिप्सिन में बदलता है।

कॉन्सेप्ट: पेप्सिन और ट्रिप्सिन दोनों प्रोटीन पचाने वाले एंज़ाइम निष्क्रिय रूप में क्यों स्रावित होते हैं? क्योंकि यदि वे सक्रिय रूप में बनते, तो जिन कोशिकाओं में बनते हैं, उन्हीं के प्रोटीन को पचा डालते। यह शरीर की आत्म-सुरक्षा व्यवस्था है।

70. Answer: d

2 1 4 3

आकाश का नीला रंग (प्रकीर्णन): वायुमंडल के अणु प्रकाश का प्रकीर्णन करते हैं। **रैले के नियम** के अनुसार प्रकीर्णन तरंगदैर्ध्य की चौथी घात के व्युत्क्रमानुपाती होता है। नीले प्रकाश की तरंगदैर्ध्य छोटी होती है, इसलिए उसका प्रकीर्णन लाल प्रकाश की तुलना में बहुत अधिक होता है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय प्रकाश वायुमंडल में लंबी दूरी तय करता है, नीला प्रकाश रास्ते में ही बिखर जाता है और हम तक मुख्यतः लाल-नारंगी प्रकाश पहुँचता है। अंतरिक्ष यात्रियों को आकाश काला दिखता है, क्योंकि वहाँ प्रकीर्णन करने वाला वायुमंडल नहीं होता।

हीरे का चमकना (पूर्ण आंतरिक परावर्तन): हीरे का अपवर्तनांक लगभग 2.42 है, जो बहुत अधिक है। इस कारण उसका क्रांतिक कोण केवल लगभग 24° होता है। हीरे में प्रवेश करने वाला अधिकांश प्रकाश बार-बार पूर्ण आंतरिक परावर्तन करता है और कुछ विशेष सतहों से ही बाहर निकलता है। हीरे को इसी प्रकार काटा जाता है कि यह प्रभाव अधिकतम हो।

तारों का टिमटिमाना (वायुमंडलीय अपवर्तन): वायुमंडल की परतों का ताप और घनत्व लगातार बदलता रहता है, इसलिए उनका अपवर्तनांक भी बदलता है। तारे बहुत दूर हैं और एक बिंदु-स्रोत जैसे हैं, इसलिए उनका प्रकाश-पथ थोड़ा-सा बदलने पर भी चमक घटती-बढ़ती दिखती है। **ग्रह नहीं टिमटिमाते**, क्योंकि वे अपेक्षाकृत पास हैं और विस्तृत स्रोत की तरह व्यवहार करते हैं।

साबुन के बुलबुले में रंग (व्यतिकरण): बुलबुले की पतली परत की ऊपरी और निचली सतहों से परावर्तित प्रकाश तरंगें आपस में मिलकर कुछ रंगों को प्रबल और कुछ को क्षीण करती हैं। पानी पर तेल की पतली परत में दिखने वाले रंग भी इसी कारण हैं।

परीक्षक की दृष्टि: मरीचिका (mirage) भी पूर्ण आंतरिक परावर्तन (और क्रमिक अपवर्तन) का उदाहरण है। इसीलिए सूची-I में मरीचिका नहीं रखी गई, ताकि दो परिघटनाएँ एक ही सिद्धांत से न जुड़ें। अच्छे मिलान प्रश्न की यह पहली शर्त है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 2 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 1 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 4 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। D = 3 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

71. Answer: c

केवल 1 और 3

कथन 1 सही है। कक्षीय चाल का सूत्र है $v = \sqrt{GM/r}$, जहाँ M पृथ्वी का द्रव्यमान और r कक्षा की त्रिज्या है। उपग्रह का द्रव्यमान इस सूत्र में आता ही नहीं। इसका अर्थ है कि एक ही कक्षा में एक छोटा उपग्रह और एक विशाल अंतरिक्ष स्टेशन समान चाल से घूमेंगे। कक्षीय चाल केवल ऊँचाई पर निर्भर है: ऊँचाई बढ़ने पर चाल घटती है।

कथन 2 गलत है। भू-स्थिर उपग्रह का आवर्तकाल 24 घंटे अवश्य होता है, पर वह **विषुवतीय कक्षा** में, पृथ्वी की घूर्णन दिशा (पश्चिम से पूर्व) में, लगभग 35,786 किमी की ऊँचाई पर परिक्रमा करता है। तभी वह पृथ्वी से स्थिर दिखता है। ध्रुवीय कक्षा में घूमने वाला उपग्रह कभी स्थिर नहीं दिख सकता।

कक्षा	**ऊँचाई**	**उपयोग**
भू-स्थिर (विषुवतीय)	लगभग 35,786 किमी	संचार, प्रसारण, मौसम (INSAT, GSAT)
सूर्य-तुल्यकालिक ध्रुवीय	लगभग 600–800 किमी	सुदूर संवेदन, मानचित्रण (IRS, कार्टोसैट)
निम्न भू-कक्षा	2,000 किमी से कम	अंतरिक्ष स्टेशन, इंटरनेट उपग्रह समूह

भू-स्थिर कक्षा के उपग्रह GSLV से और ध्रुवीय कक्षा के उपग्रह मुख्यतः PSLV से भेजे जाते हैं। यह जोड़ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के प्रश्नों में बार-बार पूछा जाता है।

कथन 3 सही है। पलायन वेग का सूत्र है $v_e = \sqrt{2GM/R}$। इसमें भी वस्तु का द्रव्यमान नहीं है। पृथ्वी की सतह के पास पलायन वेग, कक्षीय वेग का √2 गुना होता है (11.2 ≈ √2 × 7.9)। चंद्रमा का पलायन वेग केवल लगभग 2.38 किमी/सेकंड है। यही कारण है कि चंद्रमा अपना वायुमंडल नहीं रख सका, क्योंकि गैस अणुओं की तापीय चाल वहाँ के पलायन वेग तक पहुँच जाती है।

72. Answer: b

2-4-3-1

खोज	**वैज्ञानिक**	**वर्ष**	**प्रयोग**
रेडियोधर्मिता	हेनरी बेकरेल	1896	यूरेनियम लवण से फ़ोटोग्राफ़िक प्लेट का प्रभावित होना
इलेक्ट्रॉन	जे.जे. थॉमसन	1897	कैथोड किरण नलिका
प्रोटॉन	अर्नेस्ट रदरफ़ोर्ड	1917–1919	नाइट्रोजन पर अल्फ़ा कणों की बमबारी
न्यूट्रॉन	जेम्स चैडविक	1932	बेरिलियम पर अल्फ़ा कणों की बमबारी

इसलिए सही क्रम 2-4-3-1 है।

परीक्षक की दृष्टि: विकल्प (a) सबसे बड़ा जाल है। छात्र मानते हैं कि परमाणु का पहला कण (इलेक्ट्रॉन) सबसे पहले खोजा गया होगा, पर रेडियोधर्मिता की खोज उससे एक वर्ष पहले हो चुकी थी। दूसरा जाल

प्रोटॉन की तिथि है। 1886 में गोल्डस्टीन ने 'कैनाल किरणें' (धनात्मक किरणें) खोजी थीं, जिन्हें कुछ पुस्तकें प्रोटॉन की खोज से जोड़ देती हैं। पर प्रोटॉन को एक मूल कण के रूप में रदरफ़ोर्ड ने पहचाना, और 'प्रोटॉन' नाम भी उन्होंने ही 1920 में दिया।

कॉन्सेप्ट: न्यूट्रॉन की खोज सबसे अंत में क्यों हुई? क्योंकि उस पर कोई आवेश नहीं होता। विद्युत या चुंबकीय क्षेत्र उसे मोड़ नहीं पाते, इसलिए उसे पहचानना सबसे कठिन था। यही आवेशहीनता उसे परमाणु नाभिक को भेदने में सबसे प्रभावी बनाती है, और इसी से आगे चलकर नाभिकीय विखंडन (1938) की खोज हुई। इसका संबंध प्रश्न 16 से भी है।

73. Answer: a

केवल 1

कथन 1 सही है। द्रव्यमान पदार्थ की मात्रा है, जो हर स्थान पर समान रहता है। भार वह बल है जिससे कोई ग्रह पिंड को अपनी ओर खींचता है ($W = mg$)। चंद्रमा का गुरुत्वीय त्वरण पृथ्वी का लगभग 1/6 है, इसलिए भार भी लगभग 1/6 हो जाता है। द्रव्यमान को तुला (balance) से और भार को कमानीदार तुला (spring balance) से मापा जाता है। इसलिए चंद्रमा पर तुला वही पाठ्यांक देगी, पर कमानीदार तुला कम।

कथन 2 गलत है। मुक्त रूप से गिरती लिफ़्ट में व्यक्ति का आभासी भार **शून्य** हो जाता है, दोगुना नहीं।

लिफ़्ट की स्थिति	**आभासी भार**
स्थिर या एकसमान वेग से गति	$W = mg$ (सामान्य)
त्वरण a से ऊपर जाती हुई	$W = m(g + a)$, भार बढ़ता है
त्वरण a से नीचे जाती हुई	$W = m(g - a)$, भार घटता है
मुक्त रूप से गिरती हुई ($a = g$)	$W = 0$, भारहीनता

कॉन्सेप्ट: अंतरिक्ष स्टेशन में यात्री भारहीन इसलिए नहीं होते कि वहाँ गुरुत्व नहीं है। लगभग 400 किमी की ऊँचाई पर गुरुत्वीय त्वरण पृथ्वी की सतह का लगभग 90% होता है। यात्री भारहीन इसलिए अनुभव करते हैं, क्योंकि पूरा स्टेशन और उसमें सवार यात्री लगातार पृथ्वी की ओर "गिर" रहे हैं, यानी मुक्त पतन में हैं। यही सिद्धांत मुक्त रूप से गिरती लिफ़्ट पर लागू होता है।

74. Answer: c

A सही है, परंतु R गलत है

A सही है। निकट-दृष्टि दोष (मायोपिया) में व्यक्ति पास की वस्तुएँ तो स्पष्ट देख लेता है, पर दूर की वस्तुएँ धुँधली दिखती हैं।

R गलत है, और इसमें दो त्रुटियाँ हैं। पहली, इस दोष में प्रतिबिंब रेटिना के **आगे** बनता है, पीछे नहीं। दूसरी, इसे **अवतल (अपसारी) लेंस** से ठीक किया जाता है, उत्तल लेंस से नहीं। अवतल लेंस प्रकाश किरणों को थोड़ा फैला देता है, जिससे वे आँख के लेंस से गुज़रने के बाद ठीक रेटिना पर मिलती हैं।

दोष	**प्रतिबिंब कहाँ बनता है**	**कारण**	**सुधार**
निकट-दृष्टि (मायोपिया)	रेटिना के आगे	नेत्र-गोलक का लंबा होना या लेंस की अधिक अभिसारी क्षमता	अवतल लेंस
दूर-दृष्टि (हाइपरमेट्रोपिया)	रेटिना के पीछे	नेत्र-गोलक का छोटा होना या लेंस की कम अभिसारी क्षमता	उत्तल लेंस
जरा-दृष्टि (प्रेस्बायोपिया)	दोनों प्रकार की समस्या	आयु के साथ समंजन क्षमता में कमी	द्विफ़ोकसी लेंस
दृष्टिवैषम्य (एस्टिग्मैटिज़्म)	अलग-अलग दिशाओं में अलग फ़ोकस	कॉर्निया की असमान वक्रता	बेलनाकार लेंस

परीक्षक की दृष्टि: R में दी गई पूरी जानकारी वास्तव में दूर-दृष्टि दोष की है। प्रश्न जानबूझकर दोनों दोषों के गुण आपस में बदल देता है। यह जीव विज्ञान (आँख की संरचना) और भौतिकी (लेंस का प्रकाशिकी) के संयुक्त ज्ञान की परीक्षा है।

75. Answer: d

2 4 1 3

प्लास्टर ऑफ़ पेरिस ($CaSO_4 \cdot ½H_2O$): जिप्सम ($CaSO_4 \cdot 2H_2O$) को लगभग 373 K (100°C) पर गर्म करने से यह बनता है। पानी मिलाने पर यह फिर जिप्सम में बदलकर कठोर हो जाता है। इसीलिए इसका उपयोग टूटी हड्डियों को जोड़ने, मूर्तियाँ बनाने और सजावट में होता है। इसे नमी-रोधी पात्र में रखना पड़ता है, नहीं तो यह वातावरण की नमी से धीरे-धीरे कठोर हो जाता है।

बेकिंग सोडा ($NaHCO_3$): गर्म करने पर यह CO_2 गैस छोड़ता है, जिससे केक और ब्रेड फूल जाते हैं। यह हल्का क्षारीय है, इसलिए पेट की अम्लता (एसिडिटी) कम करने वाली दवाओं में भी उपयोग होता है। बेकिंग पाउडर में बेकिंग सोडा के साथ टार्टरिक अम्ल जैसा हल्का अम्ल भी होता है।

धोने का सोडा ($Na_2CO_3 \cdot 10H_2O$): यह जल की स्थायी कठोरता दूर करने, काँच, साबुन और कागज़ उद्योग में उपयोग होता है।

विरंजक चूर्ण ($CaOCl_2$): शुष्क बुझे चूने [$Ca(OH)_2$] पर क्लोरीन गैस प्रवाहित करके यह बनाया जाता है। इसका उपयोग पेयजल को कीटाणुरहित करने और कपड़ों के विरंजन में होता है।

परीक्षक की दृष्टि: प्लास्टर ऑफ़ पेरिस और जिप्सम में केवल जल के अणुओं का अंतर है (½ और 2)। इसी तरह बेकिंग सोडा और धोने का सोडा दोनों सोडियम के यौगिक हैं। विकल्प (c) इन्हीं दोनों जोड़ों को उलटकर बनाया गया है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 2 जानने पर (a) और (d) बचते हैं। B = 4 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। C = 1 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। D हर विकल्प में '3' है, इसलिए उससे कोई मदद नहीं मिलती।

76. Answer: b

केवल 1 और 3

कथन 1 सही है। समतापमंडल में पराबैंगनी विकिरण CFC अणुओं को तोड़कर क्लोरीन परमाणु मुक्त करता है। ये परमाणु **उत्प्रेरक** की तरह कार्य करते हैं: एक क्लोरीन परमाणु ओज़ोन के एक अणु को तोड़ता है और फिर स्वयं मुक्त होकर अगले अणु पर हमला करता है। इस तरह एक अकेला क्लोरीन परमाणु हज़ारों ओज़ोन अणुओं को नष्ट कर सकता है। अंटार्कटिका के ऊपर ओज़ोन छिद्र सबसे बड़ा बनता है, क्योंकि वहाँ के ध्रुवीय समतापमंडलीय बादल इन अभिक्रियाओं को तेज़ करते हैं।

कथन 2 गलत है। अम्ल वर्षा के लिए मुख्य रूप से **सल्फ़र डाइऑक्साइड (SO_2)** और **नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NOx)** उत्तरदायी हैं। ये वर्षा जल से मिलकर सल्फ़्यूरिक और नाइट्रिक अम्ल बनाते हैं। वर्षा जल का pH 5.6 से कम होने पर उसे अम्ल वर्षा कहा जाता है। कार्बन मोनोऑक्साइड एक विषैली गैस है, जो हीमोग्लोबिन से ऑक्सीजन की तुलना में लगभग 200 गुना अधिक मज़बूती से जुड़ती है। यह स्वास्थ्य के लिए घातक है, पर अम्ल वर्षा का मुख्य कारण नहीं है।

UPPCS के लिए विशेष: ताजमहल के संगमरमर का पीलापन और क्षरण, जिसे 'मार्बल कैंसर' कहा जाता है, अम्ल वर्षा से जुड़ा माना गया। इसी संदर्भ में मथुरा तेलशोधक कारख़ाने के उत्सर्जन पर चिंता उठी और सर्वोच्च न्यायालय ने एम.सी. मेहता वाद में 'ताज ट्रेपेज़ियम ज़ोन' में प्रदूषणकारी उद्योगों पर प्रतिबंध लगाए।

कथन 3 सही है। यह कथन सबसे सूक्ष्म है। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल (1987) के बाद CFC के विकल्प के रूप में HFC का उपयोग बढ़ा। HFC ओज़ोन परत को नुकसान नहीं पहुँचाते, पर ये **अत्यंत शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसें** हैं। इसलिए 2016 में रवांडा की राजधानी किगाली में हुए संशोधन ने HFC को चरणबद्ध रूप से कम करने का लक्ष्य रखा। इस प्रकार एक ओज़ोन-संरक्षण संधि का उपयोग जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए किया गया। यह रसायन, पर्यावरण और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के आपसी संबंध का सबसे अच्छा उदाहरण है।

77. Answer: c

3-2-4-1

अभियान	प्रक्षेपण	प्रमुख उपलब्धि
चंद्रयान-1	22 अक्टूबर 2008	चंद्रमा पर जल-अणुओं के साक्ष्य की खोज में महत्वपूर्ण योगदान
मंगलयान	5 नवंबर 2013	24 सितंबर 2014 को मंगल कक्षा में प्रवेश; पहले ही प्रयास में सफल होने वाला पहला देश और पहला एशियाई देश
चंद्रयान-3	14 जुलाई 2023	23 अगस्त 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ़्ट लैंडिंग
आदित्य-L1	2 सितंबर 2023	6 जनवरी 2024 को L1 बिंदु के चारों ओर हेलो कक्षा में स्थापित; भारत का पहला सौर अभियान

इसलिए सही क्रम 3-2-4-1 है।

परीक्षक की दृष्टि: पहले दो स्थान आसानी से तय हो जाते हैं। असली परीक्षा चंद्रयान-3 और आदित्य-L1 के बीच है, क्योंकि दोनों का प्रक्षेपण केवल सात सप्ताह के अंतर पर 2023 में हुआ। विकल्प (d) इन्हीं दोनों को उलटकर बनाया गया है।

अतिरिक्त तथ्य: चंद्रयान-3 की लैंडिंग की तिथि, 23 अगस्त, को भारत में **'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस'** घोषित किया गया, और लैंडिंग स्थल का नाम 'शिव शक्ति बिंदु' रखा गया। चंद्रयान-2 (2019) का लैंडर अंतिम चरण में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, पर उसका ऑर्बिटर सफलतापूर्वक कार्य करता रहा।

78. Answer: a

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। CRISPR-Cas9 को "आणविक कैंची" कहा जाता है। इसमें एक मार्गदर्शक RNA, Cas9 एंज़ाइम को DNA के ठीक उसी स्थान तक ले जाता है जहाँ बदलाव करना है, और Cas9 वहाँ DNA को काट देता है। यह तकनीक वास्तव में जीवाणुओं की उस प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रणाली पर आधारित है, जिससे वे वायरस के DNA को पहचानकर काटते हैं। इसके लिए इमैनुएल शार्पेंतिये और जेनिफ़र डूडना को 2020 का **रसायन विज्ञान** का नोबेल पुरस्कार मिला। छात्र अक्सर इसे चिकित्सा का नोबेल मान लेते हैं।

कथन 2 सही है। बीटी कपास में *बैसिलस थुरिंजिएंसिस* जीवाणु का **Cry जीन** डाला गया है, जो **Cry प्रोटीन** बनाता है। यह प्रोटीन पौधे में निष्क्रिय रूप में रहता है। जब बॉलवर्म जैसा कीट इसे खाता है, तो कीट की आँत के **क्षारीय** वातावरण में यह सक्रिय होकर आँत की कोशिकाओं को नष्ट कर देता है। मनुष्य का आमाशय अम्लीय होता है, इसलिए यह प्रोटीन मनुष्य पर इस तरह प्रभाव नहीं डालता। यहाँ भी प्रश्न 5 जैसा pH का कॉन्सेप्ट काम करता है। बीटी कपास 2002 में स्वीकृत हुई और यह भारत में वाणिज्यिक रूप से उगाई जाने वाली एकमात्र GM फ़सल है, जो खाद्य फ़सल नहीं है।

कथन 3 गलत है। बीटी बैंगन को 2009 में जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) ने स्वीकृति दी थी, पर 2010 में केंद्र सरकार ने उस पर अनिश्चितकालीन रोक लगा दी। GM सरसों (DMH-11) को 2022 में पर्यावरणीय रिलीज़ की अनुमति मिली, पर मामला सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण उसकी पूर्ण वाणिज्यिक खेती अभी स्थापित नहीं हुई है।

GM और जीनोम-संपादित फ़सलों का अंतर: GM फ़सल में किसी **दूसरे जीव** का जीन डाला जाता है, जैसे बीटी कपास में जीवाणु का जीन। जीनोम-संपादित फ़सल में **पौधे के अपने ही जीन** में सटीक बदलाव

किया जाता है, बाहरी जीन नहीं डाला जाता। भारत में कुछ श्रेणियों (SDN-1 और SDN-2) की जीनोम-संपादित फ़सलों को GM नियमों से छूट दी गई है। मई 2025 में भारत ने जीनोम संपादन से विकसित धान की दो किस्में जारी कीं। परीक्षा से पहले इस विषय की नवीनतम स्थिति ज़रूर देख लें।

79. Answer: d

2 1 3 4

LiDAR (Light Detection and Ranging): यह लेज़र स्पंद भेजकर उनके लौटने का समय मापता है और उससे दूरी की गणना करता है। लाखों स्पंदों से किसी क्षेत्र का सटीक त्रि-आयामी मानचित्र बनता है। इसका उपयोग स्वचालित वाहनों, वनों के सर्वेक्षण, पुरातत्व (घने जंगलों के नीचे छिपे प्राचीन नगरों की खोज) और आपदा प्रबंधन में होता है। यह रडार जैसा ही सिद्धांत है, पर रेडियो तरंगों के स्थान पर प्रकाश का उपयोग करता है।

Li-Fi (Light Fidelity): यह LED प्रकाश की तीव्रता को इतनी तेज़ी से घटाता-बढ़ाता है कि मानव आँख उसे पकड़ नहीं पाती, पर एक संवेदक उसे डेटा के रूप में पढ़ लेता है। इसकी अवधारणा हेराल्ड हास ने 2011 में दी। यह अस्पतालों और विमानों जैसी जगहों पर उपयोगी है, जहाँ रेडियो तरंगें उपकरणों में बाधा डाल सकती हैं। इसकी सीमा यह है कि प्रकाश दीवार के पार नहीं जा सकता।

ब्लॉकचेन: इसमें हर लेन-देन का रिकॉर्ड एक "ब्लॉक" में होता है, और हर ब्लॉक पिछले ब्लॉक से क्रिप्टोग्राफ़िक रूप से जुड़ा होता है। यह रिकॉर्ड किसी एक केंद्रीय सर्वर पर नहीं, बल्कि नेटवर्क के हज़ारों कंप्यूटरों पर एक साथ रहता है। इसलिए किसी पुराने रिकॉर्ड को बदलना लगभग असंभव है। क्रिप्टोकरेंसी इसका सबसे प्रसिद्ध उपयोग है, पर भूमि रिकॉर्ड, आपूर्ति श्रृंखला और प्रमाणपत्रों के सत्यापन में भी इसका प्रयोग होता है।

क्वांटम कुंजी वितरण (QKD): यह क्वांटम यांत्रिकी के इस सिद्धांत पर आधारित है कि किसी क्वांटम अवस्था को मापने से वह बदल जाती है। इसलिए यदि कोई तीसरा व्यक्ति कुंजी को चुपके से पढ़ने की कोशिश करे, तो उसकी उपस्थिति तुरंत पकड़ में आ जाती है। भारत ने 2023 में **राष्ट्रीय क्वांटम मिशन** को स्वीकृति दी, जिसमें क्वांटम संचार भी एक प्रमुख क्षेत्र है।

परीक्षक की दृष्टि: LiDAR और Li-Fi दोनों प्रकाश पर आधारित हैं और दोनों के नाम "Li" से शुरू होते हैं। विकल्प (a) इन्हीं दोनों को उलटकर बनाया गया है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 2 जानने पर (b), (c) और (d) बचते हैं। B = 1 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 3 जानने पर (a) और (d) बचते हैं। D = 4 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

80. Answer: b

केवल 2

कथन 1 गलत है। मंदक का कार्य न्यूट्रॉनों की गति **घटाना** है, बढ़ाना नहीं। विखंडन से निकले न्यूट्रॉन बहुत तेज़ होते हैं, और तेज़ न्यूट्रॉन को यूरेनियम-235 का नाभिक आसानी से पकड़ नहीं पाता। धीमे (तापीय) न्यूट्रॉन से विखंडन की संभावना बहुत बढ़ जाती है। इसलिए न्यूट्रॉनों को भारी जल, ग्रेफ़ाइट या साधारण जल जैसे मंदक से गुज़ारकर धीमा किया जाता है।

रिएक्टर के तीन प्रमुख घटकों का अंतर समझना ज़रूरी है:

घटक	कार्य	उदाहरण
मंदक	न्यूट्रॉनों को धीमा करना	भारी जल, ग्रेफ़ाइट
नियंत्रक छड़ें	अतिरिक्त न्यूट्रॉनों को अवशोषित कर अभिक्रिया की दर नियंत्रित करना	बोरॉन, कैडमियम
शीतलक	रिएक्टर की ऊष्मा को बाहर ले जाना	जल, भारी जल, द्रव सोडियम

कथन 2 सही है। डॉ. होमी जहाँगीर भाभा ने भारत के सीमित यूरेनियम और विशाल थोरियम भंडार को देखकर त्रिस्तरीय कार्यक्रम बनाया:

चरण	रिएक्टर	ईंधन	उत्पाद
पहला	दाबित भारी जल रिएक्टर (PHWR)	प्राकृतिक यूरेनियम	प्लूटोनियम-239
दूसरा	फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टर (FBR)	प्लूटोनियम-239	अधिक प्लूटोनियम और यूरेनियम-233
तीसरा	थोरियम आधारित रिएक्टर	थोरियम-232 और यूरेनियम-233	—

थोरियम स्वयं विखंडनीय नहीं है। यह न्यूट्रॉन पकड़कर यूरेनियम-233 में बदलता है, जो विखंडनीय है। भारत के थोरियम भंडार मुख्यतः केरल, तमिलनाडु और ओडिशा के तटीय मोनाज़ाइट रेत में हैं। दूसरे चरण के लिए कलपक्कम (तमिलनाडु) में 500 मेगावाट के **प्रोटोटाइप फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टर** में मार्च 2024 में ईंधन भरने (core loading) की प्रक्रिया शुरू हुई थी।

कॉन्सेप्ट: दूसरे चरण को फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टर इसलिए कहते हैं, क्योंकि इसमें मंदक नहीं होता और तेज़ न्यूट्रॉन ही उपयोग होते हैं। 'ब्रीडर' का अर्थ है कि यह जितना ईंधन ख़र्च करता है, उससे अधिक विखंडनीय ईंधन पैदा करता है। यही कथन 1 से इस प्रश्न का सूक्ष्म संबंध है: हर रिएक्टर में मंदक नहीं होता।

81. Answer: a

यह पृथ्वी और सूर्य के बीच का वह बिंदु है जहाँ दोनों के गुरुत्वाकर्षण और कक्षीय गति का संतुलन होता है, और यह पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर है।

(a) सही है। लैग्रेंज बिंदु दो बड़े पिंडों (जैसे सूर्य और पृथ्वी) के तंत्र में वे पाँच स्थान हैं जहाँ कोई छोटा पिंड दोनों के सापेक्ष लगभग स्थिर स्थिति में रह सकता है। L1 पृथ्वी और सूर्य को जोड़ने वाली रेखा पर, पृथ्वी से

लगभग 15 लाख किमी दूर है। यह पृथ्वी-सूर्य दूरी का केवल लगभग 1% है।

सामान्य रूप से सूर्य के अधिक निकट की कक्षा में घूमने वाला पिंड पृथ्वी से तेज़ चलता है। पर L1 पर पृथ्वी का गुरुत्व सूर्य के खिंचाव को थोड़ा कम कर देता है, इसलिए वहाँ स्थित उपग्रह ठीक पृथ्वी की गति से, यानी एक वर्ष में, सूर्य की परिक्रमा करता है। इस कारण वह हमेशा पृथ्वी और सूर्य के बीच बना रहता है।

(b) गलत है। L1 पृथ्वी और सूर्य के बीच है, इसलिए वहाँ पृथ्वी की छाया कभी नहीं पड़ती। यहाँ से सूर्य का **निर्बाध और लगातार** अवलोकन संभव है। यही इस बिंदु का सबसे बड़ा लाभ है, और इसीलिए आदित्य-L1 को यहाँ भेजा गया। नासा-यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का SOHO यान भी L1 पर है।

(c) गलत है। पृथ्वी-चंद्रमा तंत्र के भी अपने लैग्रेंज बिंदु होते हैं, पर सूर्य के अध्ययन के लिए उपयोगी L1 सूर्य-पृथ्वी तंत्र का है। चंद्रमा पृथ्वी से लगभग 3.84 लाख किमी दूर है, जबकि सूर्य-पृथ्वी L1 लगभग 15 लाख किमी दूर है।

(d) गलत है। जेम्स वेब अंतरिक्ष दूरबीन **L2** बिंदु पर है, जो पृथ्वी के पीछे, सूर्य से विपरीत दिशा में, लगभग 15 लाख किमी दूर है। वहाँ सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा तीनों एक ही दिशा में रहते हैं, जिससे दूरबीन अपनी ढाल से इनकी गर्मी और प्रकाश को एक साथ रोक पाती है। अवरक्त दूरबीन के लिए अत्यधिक ठंडा रहना आवश्यक है।

कॉन्सेप्ट: L1 सूर्य को **देखने** के लिए आदर्श है, जबकि L2 सूर्य से **बचकर** दूर ब्रह्मांड देखने के लिए। पाँच लैग्रेंज बिंदुओं में L4 और L5 स्थिर हैं, जबकि L1, L2 और L3 अस्थिर हैं। इसलिए L1 पर उपग्रह को ठीक उस बिंदु पर नहीं, बल्कि उसके चारों ओर **हेलो कक्षा** में रखा जाता है और समय-समय पर उसकी स्थिति सुधारनी पड़ती है।

82. Answer: c

केवल 1, 2 और 3

कथन 1 सही है। गगनयान का लक्ष्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को लगभग 400 किमी की निम्न भू-कक्षा में भेजना और सुरक्षित वापस लाना है। इसके लिए भारतीय वायुसेना के चार पायलटों को चुना गया है। इनमें से ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला जून 2025 में Axiom-4 मिशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पहले भारतीय बने। मानवयुक्त उड़ान से पहले मानवरहित परीक्षण उड़ानें की जानी हैं; इनकी नवीनतम स्थिति परीक्षा से पहले ज़रूर देख लें।

कथन 2 सही है। स्पेडेक्स को दिसंबर 2024 में PSLV-C60 से प्रक्षेपित किया गया था, और जनवरी 2025 में इसके दो उपग्रहों की सफल डॉकिंग हुई। अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत यह क्षमता प्राप्त करने वाला चौथा देश बना। यह तकनीक भविष्य के **भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन**, चंद्रमा से नमूने लाने वाले अभियानों और अंतरिक्ष में उपग्रहों की सर्विसिंग के लिए आवश्यक है।

कथन 3 सही है। NISAR (NASA-ISRO Synthetic Aperture Radar) को जुलाई 2025 में GSLV से प्रक्षेपित किया गया। इसका L-बैंड रडार नासा ने और S-बैंड रडार इसरो ने बनाया है। यह दोहरी आवृत्ति वाला पहला ऐसा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है।

यहाँ भौतिकी का कॉन्सेप्ट जुड़ता है। सिंथेटिक अपर्चर रडार स्वयं सूक्ष्म तरंगें भेजता है और उनका परावर्तन पढ़ता है। इसलिए यह प्रकाश पर निर्भर नहीं है और दिन-रात दोनों समय, बादलों के पार भी देख सकता है। L-बैंड की तरंगदैर्ध्य लंबी होती है, इसलिए यह घने वनों और मिट्टी में अधिक गहराई तक पहुँचती है। S-बैंड की तरंगदैर्ध्य छोटी होती है, जो सतह के सूक्ष्म विवरण और फ़सलों के अध्ययन के लिए बेहतर है। दोनों मिलकर भूकंप, भूस्खलन, हिमनदों और फ़सलों की निगरानी करते हैं।

कथन 4 गलत है। 5G तीन प्रकार के आवृत्ति बैंड पर कार्य करता है:

बैंड	**आवृत्ति**	**विशेषता**
निम्न बैंड	1 GHz से कम	व्यापक क्षेत्र कवरेज, कम गति
मध्य बैंड	1–6 GHz (भारत में मुख्यतः 3.3–3.6 GHz)	गति और कवरेज का संतुलन
मिलीमीटर-वेव (उच्च बैंड)	24 GHz से अधिक (भारत में 26 GHz)	अत्यधिक गति, पर बहुत कम दूरी और दीवारों को भेदने में कठिनाई

यहाँ भी वही भौतिकी का सिद्धांत है जो कथन 3 में था: आवृत्ति जितनी अधिक (तरंगदैर्ध्य जितनी छोटी), उतनी अधिक डेटा क्षमता, पर उतनी ही कम भेदन क्षमता और दूरी। भारत में 5G सेवाएँ अक्टूबर 2022 में शुरू हुईं।

83. Answer: b

केवल 2

कथन 1 गलत है। माँग की लोच इकाई से अधिक होने का अर्थ है कि कीमत में थोड़े परिवर्तन से माँग में उससे अधिक अनुपात में परिवर्तन होता है। ऐसी स्थिति में कीमत घटाने पर बिक्री इतनी बढ़ जाती है कि कुल राजस्व **बढ़ता** है।

माँग की लोच	**कीमत घटाने पर कुल राजस्व**	**उदाहरण**
इकाई से अधिक (लोचदार)	बढ़ता है	विलासिता की वस्तुएँ, ब्रांडेड कपड़े
इकाई के बराबर	अपरिवर्तित	—
इकाई से कम (बेलोचदार)	घटता है	नमक, जीवनरक्षक दवाएँ, पेट्रोल

कॉन्सेप्ट का व्यावहारिक उपयोग: सरकार अधिक कर राजस्व के लिए आमतौर पर उन वस्तुओं पर ऊँचा कर लगाती है जिनकी माँग बेलोचदार है, जैसे पेट्रोल, तंबाकू और शराब। कीमत बढ़ने पर भी इनकी माँग ज़्यादा नहीं घटती, इसलिए कर-संग्रह बना रहता है। यही कारण है कि पेट्रोलियम उत्पाद केंद्र और राज्यों दोनों के लिए राजस्व का बड़ा स्रोत हैं (प्रश्न 12 देखें)।

Kredoz IAS

कथन 2 सही है। गिफ़ेन वस्तु माँग के नियम का अपवाद है। इसकी अवधारणा रॉबर्ट गिफ़ेन के नाम पर है, जिन्होंने देखा कि 19वीं शताब्दी में ब्रिटेन के गरीब परिवार ब्रेड की कीमत बढ़ने पर भी अधिक ब्रेड ख़रीदते थे। कारण यह था कि ब्रेड महँगी होने से उनकी वास्तविक आय इतनी घट गई कि वे मांस जैसी महँगी वस्तुएँ छोड़कर और अधिक ब्रेड पर निर्भर हो गए।

तकनीकी रूप से, गिफ़ेन वस्तु में **ऋणात्मक आय प्रभाव, प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक** होता है। ऋणात्मक आय प्रभाव केवल घटिया वस्तुओं में होता है, इसलिए हर गिफ़ेन वस्तु घटिया वस्तु होती है। पर इसका उलटा सही नहीं है: हर घटिया वस्तु गिफ़ेन वस्तु नहीं होती।

परीक्षक की दृष्टि: गिफ़ेन वस्तु को अक्सर **वेब्लेन वस्तु** से मिला दिया जाता है। वेब्लेन वस्तुएँ विलासिता की वस्तुएँ हैं, जैसे हीरे या महँगी घड़ियाँ, जिनकी माँग कीमत बढ़ने पर प्रतिष्ठा के कारण बढ़ती है। दोनों माँग के नियम के अपवाद हैं, पर कारण बिल्कुल विपरीत हैं: एक गरीबी के कारण, दूसरा दिखावे के कारण।

84. Answer: d

3 1 4 2

पूर्ण प्रतियोगिता: इसमें असंख्य विक्रेता एक जैसी (समरूप) वस्तु बेचते हैं, और कोई भी अकेला विक्रेता कीमत को प्रभावित नहीं कर सकता। कीमत बाज़ार की माँग और पूर्ति से तय होती है, और फ़र्म उसे स्वीकार करती है। वास्तविक जीवन में पूर्ण प्रतियोगिता लगभग नहीं मिलती; अनाज मंडी या शेयर बाज़ार इसके निकटतम उदाहरण हैं।

एकाधिकार: इसमें केवल एक विक्रेता होता है और उसकी वस्तु का कोई निकट स्थानापन्न नहीं होता। वह कीमत निर्धारक (price maker) होता है। भारतीय रेल यात्री सेवाओं में इसका उदाहरण है।

अल्पाधिकार: इसमें कुछ बड़ी फ़र्में बाज़ार पर हावी होती हैं, और हर फ़र्म का निर्णय दूसरी फ़र्मों को प्रभावित करता है। भारत का दूरसंचार और सीमेंट उद्योग इसके उदाहरण हैं। इसमें **विकुंचित (kinked) माँग वक्र** की अवधारणा पॉल स्वीज़ी ने दी। इसका तर्क यह है कि यदि एक फ़र्म कीमत बढ़ाए, तो दूसरी फ़र्में नहीं बढ़ातीं और वह ग्राहक खो देती है; यदि वह कीमत घटाए, तो दूसरी भी घटा देती हैं और उसे कोई लाभ नहीं होता। इसलिए अल्पाधिकार में कीमतें लंबे समय तक स्थिर रहती हैं।

एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता: इसकी अवधारणा एडवर्ड चैंबरलिन ने दी। इसमें अनेक विक्रेता होते हैं, पर हर एक की वस्तु ब्रांड, पैकिंग या गुणवत्ता के आधार पर थोड़ी अलग होती है, जैसे टूथपेस्ट, साबुन और शैम्पू। इसीलिए इसमें विज्ञापन पर भारी ख़र्च (विक्रय लागत) होता है, जो पूर्ण प्रतियोगिता में नहीं होता।

परीक्षक की दृष्टि: अल्पाधिकार और एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता को आपस में उलटना सबसे आम गलती है। विकल्प (c) इसी पर बना है। पहचानने का सूत्र है: विक्रेता "कुछ" हों तो अल्पाधिकार, "अनेक" पर ब्रांड अलग हों तो एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता।

विकल्प-विश्लेषण: A = 3 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 1 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 4 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। D = 2 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

85. Answer: a

A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है

A सही है और R उसकी सही व्याख्या है। मान लीजिए अर्थव्यवस्था गेहूँ और कपड़ा बनाती है। शुरुआत में जब गेहूँ का उत्पादन बढ़ाया जाता है, तो वे संसाधन कपड़ा उत्पादन से हटाए जाते हैं जो गेहूँ के लिए सबसे अधिक उपयुक्त और कपड़े के लिए सबसे कम उपयुक्त हैं। इसलिए थोड़ा कपड़ा छोड़कर बहुत गेहूँ मिल जाता है। पर जैसे-जैसे गेहूँ का उत्पादन और बढ़ाया जाता है, कपड़ा बनाने में अधिक कुशल संसाधन भी गेहूँ में लगाने पड़ते हैं। अब एक अतिरिक्त इकाई गेहूँ के लिए पहले से अधिक कपड़ा छोड़ना पड़ता है।

यानी **सीमांत अवसर लागत बढ़ती जाती है**, और यही बढ़ती लागत वक्र को बाहर की ओर उभरा हुआ (मूल बिंदु की ओर नतोदर) बनाती है। इसका मूल कारण यह है कि सभी संसाधन हर वस्तु के उत्पादन में समान रूप से कुशल नहीं होते।

स्थिति	अर्थ
वक्र पर कोई बिंदु	संसाधनों का पूर्ण और कुशल उपयोग
वक्र के भीतर कोई बिंदु	बेरोज़गारी या संसाधनों का अकुशल उपयोग
वक्र के बाहर कोई बिंदु	वर्तमान संसाधनों से अप्राप्य
वक्र का बाहर की ओर खिसकना	आर्थिक संवृद्धि, नई तकनीक या संसाधनों में वृद्धि
वक्र का सीधी रेखा होना	स्थिर अवसर लागत (सभी संसाधन दोनों वस्तुओं में समान कुशल)

परीक्षक की दृष्टि: अभिकथन-कारण प्रश्नों में छात्र यह मान लेते हैं कि सही उत्तर (a) कम ही होता है, और किसी न किसी कमी की तलाश में (b) चुन लेते हैं। यहाँ R वास्तव में A का पूर्ण वैज्ञानिक कारण है। अनुमान के बजाय कॉन्सेप्ट पर भरोसा करें।

86. Answer: c

केवल 1 और 3

कथन 1 सही है। CRR की राशि बैंक RBI के पास नकद रूप में रखते हैं। इस पर RBI ब्याज नहीं देता, इसलिए बैंकों के लिए यह एक "निष्क्रिय" राशि है। CRR बढ़ाने पर बैंकों के पास ऋण देने के लिए कम धन बचता है और बाज़ार में मुद्रा की आपूर्ति घटती है।

कथन 2 गलत है। यह इस प्रश्न का मुख्य जाल है। SLR के अंतर्गत परिसंपत्तियाँ बैंक **अपने पास** रखते हैं, RBI के पास नहीं। ये परिसंपत्तियाँ तरल रूप में होती हैं: नकदी, सोना, और सरकारी प्रतिभूतियाँ। SLR का प्रावधान बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 24 में है, जबकि CRR का प्रावधान RBI अधिनियम, 1934 की धारा 42 में।

आधार	CRR	SLR

कहाँ रखा जाता है	RBI के पास	बैंक के अपने पास
किस रूप में	केवल नकद	नकद, सोना, सरकारी प्रतिभूतियाँ
ब्याज	नहीं मिलता	प्रतिभूतियों पर मिलता है
वैधानिक आधार	RBI अधिनियम, 1934	बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949

कथन 3 सही है। रेपो दर वह दर है जिस पर RBI बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है। रेपो दर बढ़ने पर बैंकों के लिए RBI से धन लेना महँगा हो जाता है, जिसे वे ग्राहकों पर ऊँची ब्याज दरों के रूप में डालते हैं। इससे ऋण की माँग घटती है, बाज़ार में तरलता कम होती है और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण होता है। इसीलिए मुद्रास्फीति बढ़ने पर RBI आमतौर पर रेपो दर बढ़ाता है। यहीं बैंकिंग और मुद्रास्फीति के विषय आपस में जुड़ते हैं (प्रश्न 10 देखें)।

तरलता समायोजन सुविधा (LAF) का ढाँचा: अप्रैल 2022 में RBI ने **स्थायी जमा सुविधा (SDF)** शुरू की, जो अब इस ढाँचे की निचली सीमा है। इसकी ऊपरी सीमा **सीमांत स्थायी सुविधा (MSF)** दर है, और रेपो दर इन दोनों के बीच होती है। SDF की ख़ासियत यह है कि इसमें RBI को बैंकों से धन लेने के बदले प्रतिभूति देने की ज़रूरत नहीं पड़ती।

87. Answer: a

2-1-4-3

घटना	वर्ष	पृष्ठभूमि
RBI का राष्ट्रीयकरण	1 जनवरी 1949	RBI की स्थापना 1 अप्रैल 1935 को हिल्टन यंग आयोग की सिफ़ारिश पर एक निजी अंशधारकों वाले बैंक के रूप में हुई थी
भारतीय स्टेट बैंक	1 जुलाई 1955	अखिल भारतीय ग्रामीण ऋण सर्वेक्षण समिति (ए.डी. गोरवाला) की सिफ़ारिश पर इंपीरियल बैंक का राष्ट्रीयकरण करके
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	2 अक्टूबर 1975	नरसिंहम कार्यदल की सिफ़ारिश पर; वैधानिक आधार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976
नाबार्ड	12 जुलाई 1982	शिवरामन समिति (CRAFICARD) की सिफ़ारिश पर

इसलिए सही क्रम 2-1-4-3 है।

परीक्षक की दृष्टि: विकल्प (c) सबसे बड़ा जाल है, जिसमें नाबार्ड को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से पहले रखा गया है। छात्र मान लेते हैं कि ग्रामीण बैंकों की निगरानी करने वाली संस्था पहले बनी होगी। पर क्रम उलटा है: क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 1975 में बने, और बाद में 1982 में नाबार्ड बना, जिसे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों के पर्यवेक्षण का दायित्व मिला।

अतिरिक्त तथ्य: वाणिज्यिक बैंकों का पहला बड़ा राष्ट्रीयकरण 19 जुलाई 1969 को (14 बैंक) और दूसरा अप्रैल 1980 में (6 बैंक) हुआ। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का स्वामित्व केंद्र सरकार, संबंधित राज्य सरकार और प्रायोजक बैंक के बीच 50:15:35 के अनुपात में होता है। 2025 में "एक राज्य, एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक" की नीति के तहत इनका बड़े पैमाने पर समेकन किया गया।

88. Answer: d

केवल 1, 2 और 4

कथन 1 सही है। RBI के आय पहचान और परिसंपत्ति वर्गीकरण (IRAC) मानदंडों के अनुसार 90 दिनों से अधिक बकाया ऋण NPA है। NPA को आगे तीन श्रेणियों में बाँटा जाता है:

श्रेणी	अवधि
अवमानक (substandard) परिसंपत्ति	12 महीने तक NPA
संदिग्ध परिसंपत्ति	12 महीने से अधिक NPA
हानि परिसंपत्ति	वसूली असंभव मानी गई हो

कथन 2 सही है। IBC ने कंपनियों के दिवाला मामलों के समयबद्ध समाधान की व्यवस्था की। इसमें समाधान प्रक्रिया के लिए 180 दिन और आवश्यक होने पर 90 दिन का विस्तार दिया गया, जिसे बाद में मुक़दमेबाज़ी सहित अधिकतम 330 दिन तक सीमित किया गया। कंपनियों के मामले राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (NCLT) में जाते हैं, और नियामक संस्था भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (IBBI) है।

कथन 3 गलत है। भुगतान बैंकों की अवधारणा नचिकेत मोर समिति की सिफ़ारिश से आई। इनका उद्देश्य वित्तीय समावेशन है, यानी दूर-दराज़ के लोगों को जमा और भुगतान की सुविधा देना। ये जमा स्वीकार कर सकते हैं (प्रति ग्राहक एक सीमा तक), डेबिट कार्ड जारी कर सकते हैं और धन-प्रेषण कर सकते हैं। पर ये **ऋण नहीं दे सकते और क्रेडिट कार्ड जारी नहीं कर सकते।** इन पर यह रोक इसलिए है कि इनका पूरा व्यवसाय मॉडल जोखिम-मुक्त रखा गया है।

कथन 4 सही है। लघु वित्त बैंक पूर्ण बैंकिंग सेवाएँ देते हैं: जमा स्वीकार करना और ऋण देना, दोनों। इनका लक्ष्य छोटे व्यवसाय, सीमांत किसान और असंगठित क्षेत्र हैं, इसलिए इन पर प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण देने के ऊँचे लक्ष्य लागू होते हैं।

परीक्षक की दृष्टि: भुगतान बैंक और लघु वित्त बैंक दोनों एक ही समय (2014–15) में वित्तीय समावेशन के लिए आए, इसलिए छात्र इनकी शक्तियों को मिला देते हैं। अंतर का सूत्र याद रखें: भुगतान बैंक केवल "पैसा रखता और भेजता" है, लघु वित्त बैंक "पैसा उधार भी देता" है।

89. Answer: b

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। GDP "घरेलू" अवधारणा है, यानी इसका आधार भौगोलिक सीमा है, नागरिकता नहीं। भारत में स्थित किसी विदेशी कंपनी के कारख़ाने का उत्पादन भारत के GDP में गिना जाएगा। "अंतिम" वस्तुओं को ही गिना जाता है, ताकि दोहरी गणना न हो। उदाहरण के लिए,

ब्रेड बनाने में उपयोग हुआ आटा मध्यवर्ती वस्तु है, इसलिए केवल ब्रेड का मूल्य गिना जाता है।

कथन 2 सही है। GNP "राष्ट्रीय" अवधारणा है, जिसका आधार नागरिकता है।

GNP = GDP + विदेशों से शुद्ध कारक आय

विदेशों से शुद्ध कारक आय = विदेश में भारतीयों द्वारा अर्जित आय – भारत में विदेशियों द्वारा अर्जित आय

भारत में यह राशि सामान्यतः ऋणात्मक रहती है, क्योंकि विदेशी कंपनियाँ भारत से जितना लाभ, ब्याज और रॉयल्टी बाहर ले जाती हैं, वह भारतीयों द्वारा विदेशों से अर्जित कारक आय से अधिक होता है। इसलिए भारत का GNP (सकल राष्ट्रीय आय) उसके GDP से थोड़ा कम रहता है।

एक सूक्ष्म बिंदु: विदेश में काम करने वाले भारतीयों द्वारा भेजा गया धन (remittances) अधिकांशतः "चालू अंतरण" माना जाता है, कारक आय नहीं। इसलिए भारत विश्व में सबसे अधिक धन-प्रेषण पाने वाला देश होने के बावजूद उसकी शुद्ध कारक आय ऋणात्मक रहती है।

कथन 3 गलत है। इसका पहला भाग सही है: GDP = GVA + उत्पाद कर – उत्पाद सब्सिडी। पर दूसरा भाग गलत है। GVA हमेशा GDP से अधिक तभी होगा, जब सब्सिडी करों से अधिक हों। भारत में उत्पाद कर सामान्यतः सब्सिडी से अधिक होते हैं, इसलिए सामान्यतः GDP, GVA से अधिक रहता है। "हमेशा" शब्द इस कथन को गलत बनाता है।

GVA का महत्व: GVA उत्पादकों के दृष्टिकोण से अर्थव्यवस्था को मापता है और क्षेत्रवार (कृषि, उद्योग, सेवा) वृद्धि दिखाता है। GDP उपभोक्ता और माँग के दृष्टिकोण से मापता है। भारत ने 2015 में (आधार वर्ष 2011-12 के साथ) GVA पद्धति अपनाई। राष्ट्रीय खातों के आधार वर्ष में संशोधन की प्रक्रिया चल रही है, इसलिए परीक्षा से पहले नवीनतम आधार वर्ष ज़रूर देख लें।

पद	सूत्र
शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP)	GDP – मूल्यह्रास
सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP)	GDP + विदेशों से शुद्ध कारक आय
शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP)	GNP – मूल्यह्रास
राष्ट्रीय आय	कारक लागत पर NNP

90. Answer: c

A सही है, परंतु R गलत है

A सही है। मान लीजिए किसी वर्ष चालू कीमतों पर GDP 10% बढ़ा, पर उसी वर्ष कीमतें भी 6% बढ़ीं। तब वास्तविक उत्पादन केवल लगभग 4% बढ़ा है; शेष 6% की "वृद्धि" केवल महँगाई के कारण है। स्थिर कीमतों पर GDP कीमतों के प्रभाव को हटा देता है और केवल वस्तुओं और सेवाओं की मात्रा में वास्तविक वृद्धि दिखाता है।

R गलत है। स्थिर कीमतों (वास्तविक GDP) की गणना में **आधार वर्ष की कीमतों** का उपयोग किया जाता है, चालू वर्ष की नहीं। चालू वर्ष की कीमतों का उपयोग **नाममात्र (nominal) GDP** में होता है। R ने दोनों की परिभाषाओं को आपस में बदल दिया है।

आधार	नाममात्र GDP	वास्तविक GDP
कीमतें	चालू वर्ष की	आधार वर्ष की
महँगाई का प्रभाव	शामिल	हटा दिया गया
उपयोग	अर्थव्यवस्था का आकार, बजट और घाटे के अनुपात	वास्तविक आर्थिक वृद्धि

GDP अपस्फीतिकारक (deflator): यह दोनों को जोड़ने वाला सेतु है।

GDP अपस्फीतिकारक = (नाममात्र GDP ÷ वास्तविक GDP) × 100

यह मुद्रास्फीति का सबसे व्यापक मापक है, क्योंकि इसमें अर्थव्यवस्था की सभी वस्तुएँ और सेवाएँ शामिल होती हैं, जबकि WPI और CPI केवल एक निश्चित टोकरी की कीमतें मापते हैं। यहीं राष्ट्रीय आय और मुद्रास्फीति के विषय आपस में जुड़ते हैं।

परीक्षक की दृष्टि: एक व्यावहारिक बिंदु: बजट में राजकोषीय घाटे जैसे अनुपात **नाममात्र GDP** के प्रतिशत के रूप में बताए जाते हैं, जबकि "भारत की विकास दर" की ख़बरें **वास्तविक GDP** पर आधारित होती हैं। इस अंतर की समझ मुख्य परीक्षा में भी उपयोगी है।

91. Answer: d

4 3 1 2

स्टैगफ़्लेशन: यह "स्टैग्नेशन" (ठहराव) और "इन्फ़्लेशन" (मुद्रास्फीति) से बना शब्द है। सामान्य आर्थिक सिद्धांत (फ़िलिप्स वक्र) के अनुसार मुद्रास्फीति और बेरोज़गारी में उलटा संबंध होता है। स्टैगफ़्लेशन में दोनों एक साथ ऊँचे होते हैं, जो नीति-निर्माताओं के लिए सबसे कठिन स्थिति है। इसका सबसे प्रसिद्ध उदाहरण 1970 के दशक का तेल संकट है।

अपस्फीति: इसमें सामान्य कीमत स्तर लगातार गिरता है, यानी मुद्रास्फीति की दर ऋणात्मक होती है। यह सुनने में अच्छा लगता है, पर अर्थव्यवस्था के लिए ख़तरनाक है। लोग यह सोचकर ख़रीदारी टाल देते हैं कि आगे कीमतें और गिरेंगी, जिससे माँग घटती है, उत्पादन घटता है और बेरोज़गारी बढ़ती है। 1990 के दशक से जापान लंबे समय तक इस समस्या से जूझा।

अवस्फीति: यह सबसे सूक्ष्म अवधारणा है। इसमें कीमतें **गिरती नहीं**, बल्कि उनके बढ़ने की **गति धीमी** होती है। उदाहरण के लिए, यदि मुद्रास्फीति 7% से घटकर 4% हो जाए, तो कीमतें अब भी बढ़ रही हैं, पर पहले से धीमी गति से। अपस्फीति में कीमत स्तर नीचे जाता है, जबकि अवस्फीति में केवल वृद्धि-दर नीचे जाती है।

कोर मुद्रास्फीति: खाद्य और ईंधन की कीमतें मौसम, फ़सल और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं से बहुत तेज़ी से ऊपर-नीचे होती हैं। इन्हें हटाकर मापी गई मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था में कीमतों के **दीर्घकालिक रुझान** को बेहतर दिखाती है। केंद्रीय बैंक नीतिगत निर्णयों में इस पर विशेष ध्यान देते हैं। खाद्य और ईंधन सहित कुल मुद्रास्फीति को **मुख्य (headline) मुद्रास्फीति** कहते हैं।

परीक्षक की दृष्टि: अपस्फीति और अवस्फीति के हिंदी नाम भी मिलते-जुलते हैं और अंग्रेज़ी नाम भी। विकल्प (c) इन्हीं दोनों को उलटकर बनाया गया है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 4 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 3 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 1 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। D = 2 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

92. Answer: a

केवल 1

कथन 1 सही है। 2014 में उर्जित पटेल समिति ने सिफ़ारिश की कि RBI का मुख्य लक्ष्य मूल्य स्थिरता होना चाहिए और इसके लिए CPI को आधार बनाया जाए। 2016 में RBI अधिनियम में संशोधन करके धारा 45ZA जोड़ी गई, जिसके अंतर्गत केंद्र सरकार RBI के परामर्श से हर पाँच वर्ष के लिए मुद्रास्फीति लक्ष्य तय करती है। पहला लक्ष्य 4% (±2%) रखा गया, यानी 2% से 6% के बीच।

इसी संशोधन से **मौद्रिक नीति समिति (MPC)** बनी, जिसमें 6 सदस्य होते हैं: RBI के गवर्नर (अध्यक्ष) सहित RBI के 3 सदस्य, और केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त 3 बाहरी सदस्य। मत बराबर होने पर गवर्नर का निर्णायक मत होता है। यदि लगातार तीन तिमाहियों तक मुद्रास्फीति सहनशीलता सीमा से बाहर रहे, तो RBI को सरकार को लिखित रूप से कारण और सुधार के उपाय बताने होते हैं।

CPI को आधार क्यों बनाया गया? क्योंकि आम आदमी पर महँगाई का असर खुदरा कीमतों से पड़ता है, थोक कीमतों से नहीं। CPI में खाद्य पदार्थों और सेवाओं का बड़ा भार है, जो एक सामान्य परिवार के ख़र्च को बेहतर दर्शाता है।

कथन 2 गलत है। WPI में **केवल वस्तुएँ** शामिल होती हैं, सेवाएँ नहीं। यह इसकी सबसे बड़ी कमी है, क्योंकि भारत के GDP में सेवा क्षेत्र का हिस्सा आधे से अधिक है।

आधार	WPI	CPI
किस स्तर की कीमतें	थोक	खुदरा
सेवाएँ	शामिल नहीं	शामिल
जारी करने वाली संस्था	आर्थिक सलाहकार कार्यालय (उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग)	राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO)
RBI के लक्ष्य का आधार	नहीं	हाँ

सावधानी: मुद्रास्फीति लक्ष्य की हर पाँच वर्ष में समीक्षा होती है, और CPI तथा WPI के आधार वर्षों में भी संशोधन की प्रक्रिया चल रही है। परीक्षा से पहले इनकी नवीनतम स्थिति देख लें।

93. Answer: c

₹5 लाख करोड़

प्राथमिक घाटा = राजकोषीय घाटा – ब्याज भुगतान = 16 – 11 = ₹5 लाख करोड़

प्राथमिक घाटा क्या बताता है? राजकोषीय घाटा बताता है कि सरकार को कुल कितना उधार लेना पड़ा। पर इसमें पिछले ऋणों पर दिया गया ब्याज भी शामिल है, जो वर्तमान सरकार के निर्णयों का नहीं, बल्कि अतीत के उधार का परिणाम है। ब्याज हटा देने पर जो बचता है, वह प्राथमिक घाटा है। यह बताता है कि **वर्तमान नीतियों** के कारण सरकार को कितना उधार लेना पड़ा।

इस प्रश्न में प्राथमिक घाटा ₹5 लाख करोड़ है। इसका अर्थ है कि सरकार के कुल उधार का लगभग 70% भाग केवल पुराने ऋणों का ब्याज चुकाने में जा रहा है। यही विश्लेषणात्मक समझ मुख्य परीक्षा में अपेक्षित है।

प्रमुख घाटों के सूत्र:

घाटा	सूत्र
राजस्व घाटा	राजस्व व्यय – राजस्व प्राप्तियाँ
प्रभावी राजस्व घाटा	राजस्व घाटा – पूँजीगत परिसंपत्तियों के सृजन हेतु अनुदान
राजकोषीय घाटा	कुल व्यय – (राजस्व प्राप्तियाँ + गैर-ऋण पूँजीगत प्राप्तियाँ)
प्राथमिक घाटा	राजकोषीय घाटा – ब्याज भुगतान

विकल्पों के जाल: विकल्प (a) घटाने के बजाय जोड़ने की गलती पर बना है। विकल्प (b) ब्याज भुगतान को ही प्राथमिक घाटा मानने के भ्रम पर। विकल्प (d) उस छात्र के लिए है जो मानता है कि प्राथमिक घाटा तभी होता है जब कोई ब्याज भुगतान न हो।

प्राथमिक घाटा शून्य कब होता है? जब राजकोषीय घाटा ठीक ब्याज भुगतान के बराबर हो। इसका अर्थ है कि सरकार केवल पुराने ऋणों का ब्याज चुकाने के लिए उधार ले रही है, और उसका शेष सारा व्यय उसकी अपनी आय से पूरा हो रहा है।

संबंधित क़ानून: राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (FRBM) अधिनियम, 2003 घाटे को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया। हाल के वर्षों में सरकार ने राजकोषीय घाटे के वार्षिक लक्ष्य के साथ-साथ **ऋण-GDP अनुपात** को भी राजकोषीय नीति का मुख्य आधार बनाने की दिशा अपनाई है।

94. Answer: b

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। गंतव्य-आधारित कर का अर्थ है कि कर उस राज्य को मिलता है जहाँ वस्तु या सेवा का **उपभोग** होता है, न कि जहाँ उसका उत्पादन होता है। पुरानी व्यवस्था में केंद्रीय बिक्री कर उत्पादक राज्य को मिलता था, जिससे महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु जैसे औद्योगिक राज्यों को अधिक लाभ होता था। GST में उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे बड़े उपभोक्ता राज्यों को अधिक लाभ मिलता है, क्योंकि वहाँ उपभोग अधिक है।

GST 1 जुलाई 2017 को **101वें संविधान संशोधन** के आधार पर लागू हुआ। इसके तीन घटक हैं: CGST (केंद्र), SGST (राज्य) और IGST (अंतर-राज्यीय आपूर्ति पर केंद्र द्वारा वसूला जाता है और फिर गंतव्य राज्य के साथ बाँटा जाता है)। GST परिषद अनुच्छेद 279A के अंतर्गत एक संवैधानिक निकाय है (राजव्यवस्था का प्रश्न 16 देखें)।

कथन 2 सही है। संविधान के अनुसार ये पाँच पेट्रोलियम उत्पाद सैद्धांतिक रूप से GST के दायरे में हैं, पर इन पर GST कब से लगेगा, यह तिथि GST परिषद को तय करनी है, जो अब तक नहीं हुई है। इसलिए इन पर अभी भी केंद्र का उत्पाद शुल्क और राज्यों का मूल्य वर्धित कर (VAT) लगता है। इसका मुख्य कारण प्रश्न 1 से जुड़ा है: पेट्रोलियम की माँग बेलोचदार है, इसलिए ये केंद्र और राज्यों दोनों के लिए राजस्व के सबसे बड़े स्रोत हैं, और राज्य इस पर अपना नियंत्रण छोड़ना नहीं चाहते।

इसके विपरीत, **मानव उपभोग के लिए शराब** को संविधान ने ही स्थायी रूप से GST से बाहर रखा है। इन दोनों श्रेणियों का अंतर भी परीक्षा में पूछा जाता है।

कथन 3 गलत है। आयकर एक **प्रत्यक्ष** कर है। कर के प्रकार का निर्धारण इस बात से होता है कि कर का **भार** किस पर पड़ता है।

आधार	**प्रत्यक्ष कर**	**अप्रत्यक्ष कर**
भार	उसी व्यक्ति पर जिस पर कर लगाया गया	दूसरों पर डाला जा सकता है
उदाहरण	आयकर, निगम कर	GST, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क
प्रकृति	सामान्यतः प्रगतिशील	सामान्यतः प्रतिगामी (गरीब और अमीर पर समान दर)

कथन 3 ने अप्रत्यक्ष कर की परिभाषा को आयकर पर लगा दिया है।

सावधानी: सितंबर 2025 में GST दरों का बड़ा युक्तिकरण हुआ, जिसमें अधिकांश वस्तुओं को दो मुख्य दरों में लाया गया। साथ ही, पुराने आयकर अधिनियम, 1961 के स्थान पर नया आयकर अधिनियम, 2025 पारित हुआ। इन दोनों की नवीनतम स्थिति और प्रावधान परीक्षा से पहले ज़रूर देख लें।

95. Answer: a

2 1 4 3

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (2019): इसमें पात्र किसान परिवारों को ₹2,000 की तीन किस्तों में कुल ₹6,000 वार्षिक आय सहायता सीधे बैंक खाते में दी जाती है। यह पूरी तरह केंद्र द्वारा वित्तपोषित केंद्रीय क्षेत्रक योजना है। इसकी पहली किस्त गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) से जारी की गई थी।

प्रधानमंत्री जन धन योजना (2014): इसका उद्देश्य हर परिवार को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना है। इसमें शून्य बैलेंस खाता, RuPay डेबिट कार्ड, उस पर दुर्घटना बीमा और ओवरड्राफ़्ट सुविधा मिलती है। यह योजना प्रश्न 16 की 'JAM त्रिमूर्ति' का आधार है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (2015): इसमें गैर-कृषि सूक्ष्म उद्यमों को ज़मानत-मुक्त ऋण दिया जाता है:

श्रेणी	**ऋण राशि**
शिशु	₹50,000 तक
किशोर	₹50,000 से ₹5 लाख
तरुण	₹5 लाख से ₹10 लाख
तरुण प्लस	₹10 लाख से ₹20 लाख (तरुण श्रेणी का ऋण सफलतापूर्वक चुकाने वालों के लिए)

'तरुण प्लस' श्रेणी 2024-25 के बजट में घोषित की गई थी। "मुद्रा" का पूरा नाम है Micro Units Development and Refinance Agency।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना (2023): यह 17 सितंबर 2023 को शुरू हुई और बढ़ई, लोहार, सुनार, कुम्हार, मोची और नाई जैसे 18 पारंपरिक व्यवसायों के कारीगरों के लिए है। इसमें कौशल प्रशिक्षण, टूलकिट के लिए प्रोत्साहन राशि, रियायती ब्याज पर ऋण और डिजिटल लेन-देन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

UPPCS के लिए विशेष: उत्तर प्रदेश की अपनी **'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना'** (2018) केंद्र की विश्वकर्मा योजना से पहले से चल रही है। साथ ही, उत्तर प्रदेश की **'एक ज़िला एक उत्पाद' (ODOP)** योजना पारंपरिक कारीगरों और सूक्ष्म उद्यमों से जुड़ी है, इसलिए इन सबका तुलनात्मक अध्ययन उपयोगी है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 2 जानने पर (a) और (c) बचते हैं। B = 1 जानने पर (a) और (d) बचते हैं। C = 4 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं। D = 3 जानने पर (a), (b) और (c) बचते हैं।

96. Answer: d

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। PM-JAY सितंबर 2018 में रांची (झारखंड) से शुरू हुई। यह द्वितीयक और तृतीयक देखभाल, यानी अस्पताल में भर्ती होकर होने वाले उपचार के लिए है; सामान्य ओपीडी उपचार इसमें शामिल नहीं है। लाभार्थियों की पहचान मुख्यतः **सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC) 2011** के आँकड़ों से की गई। यह पूरी तरह कैशलेस और पेपरलेस है, और देश भर के सूचीबद्ध अस्पतालों में इसका लाभ लिया जा सकता है। इसका संचालन **राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA)** करता है।

आयुष्मान भारत के दो स्तंभ हैं: PM-JAY (बीमा कवर), और **आयुष्मान आरोग्य मंदिर** (पहले स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र), जो प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ देते हैं।

कथन 2 सही है। अक्टूबर 2024 में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय की शर्त के बिना योजना में शामिल किया गया, और उन्हें **'आयुष्मान वय वंदना कार्ड'** दिया जाता है। जो वरिष्ठ नागरिक पहले से किसी पात्र परिवार का हिस्सा हैं, उन्हें अपने लिए अलग से अतिरिक्त ₹5 लाख तक का टॉप-अप कवर मिलता है।

कथन 3 गलत है। PM-JAY एक **केंद्र प्रायोजित योजना** है, जिसमें केंद्र और राज्य मिलकर ख़र्च उठाते हैं:

क्षेत्र	**केंद्र : राज्य**
सामान्य राज्य	60 : 40
पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्य	90 : 10
विधानमंडल वाले केंद्र शासित प्रदेश	60 : 40
विधानमंडल रहित केंद्र शासित प्रदेश	100 : 0

परीक्षक की दृष्टि: "केंद्रीय क्षेत्रक योजना" और "केंद्र प्रायोजित योजना" का अंतर UPPCS में बार-बार पूछा जाता है। केंद्रीय क्षेत्रक योजना पूरी तरह केंद्र द्वारा वित्तपोषित और लागू होती है, जैसे PM-KISAN (प्रश्न 13)। केंद्र प्रायोजित योजना में ख़र्च साझा होता है और क्रियान्वयन राज्य करते हैं, जैसे PM-JAY। इन दोनों योजनाओं को एक साथ याद रखें, तो यह अंतर कभी नहीं भूलेगा।

97. Answer: c

2-4-3-1

योजना	**प्रारंभ**	**मुख्य उद्देश्य**
प्रधानमंत्री जन धन योजना	28 अगस्त 2014	हर परिवार का बैंक खाता
स्टैंड-अप इंडिया	5 अप्रैल 2016	अनुसूचित जाति/जनजाति और महिला उद्यमियों को नए (greenfield) उद्यम के लिए ₹10 लाख से ₹1 करोड़ तक का ऋण
प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना	1 मई 2016	गरीब परिवारों की महिलाओं के नाम पर निःशुल्क LPG कनेक्शन
जल जीवन मिशन	15 अगस्त 2019	हर ग्रामीण घर में नल से जल (Functional Household Tap Connection)

इसलिए सही क्रम 2-4-3-1 है।

परीक्षक की दृष्टि: पहला और अंतिम स्थान तय करना आसान है। असली परीक्षा स्टैंड-अप इंडिया और उज्ज्वला के बीच है, जो केवल लगभग चार सप्ताह के अंतर पर 2016 में शुरू हुईं। विकल्प (b) इन्हीं दोनों को उलटकर बनाया गया है। यह वैसा ही जाल है जैसा विज्ञान के प्रश्न 13 में चंद्रयान-3 और आदित्य-L1 के बीच था।

UPPCS के लिए विशेष: उज्ज्वला योजना का शुभारंभ **बलिया (उत्तर प्रदेश)** से हुआ था, और इसका दूसरा चरण, **उज्ज्वला 2.0**, अगस्त 2021 में **महोबा (उत्तर प्रदेश)** से शुरू हुआ। दोनों स्थान उत्तर प्रदेश के होने के कारण UPPCS में इस योजना पर प्रश्न आने की संभावना अधिक रहती है।

जल जीवन मिशन पर अतिरिक्त तथ्य: इस मिशन की मूल लक्ष्य-तिथि 2024 थी, जिसे 2025-26 के बजट में बढ़ाकर 2028 किया गया। शहरी क्षेत्रों के लिए इसका समकक्ष **अमृत 2.0** (2021) है।

98. Answer: b

A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है

A सही है। JAM का अर्थ है **J**an Dhan (जन धन खाते), **A**adhaar (आधार) और **M**obile (मोबाइल)। यह शब्द 2014-15 के आर्थिक सर्वेक्षण में सामने आया। तीनों मिलकर एक पूरी व्यवस्था बनाते हैं:

घटक	**भूमिका**
जन धन खाता	लाभ राशि भेजने के लिए बैंक खाता (कहाँ भेजें)
आधार	लाभार्थी की विशिष्ट पहचान, जिससे नकली और दोहरे लाभार्थी हटें (किसे भेजें)
मोबाइल	लेन-देन की सूचना और डिजिटल भुगतान (कैसे पता चले)

इस व्यवस्था से सरकारी लाभ सीधे लाभार्थी के खाते में जाता है और बीच में रिसाव की गुंजाइश घटती है। DBT की शुरुआत 1 जनवरी 2013 को हुई थी, पर JAM के विस्तार के बाद इसका दायरा बहुत बढ़ा। LPG सब्सिडी (PAHAL), PM-KISAN और छात्रवृत्तियाँ इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

R भी सही है। UIDAI 2009 में एक कार्यकारी आदेश से बना था, पर **आधार अधिनियम, 2016** के बाद यह एक सांविधिक निकाय बन गया।

R, A की व्याख्या क्यों नहीं है? JAM की सफलता का कारण जन धन, आधार और मोबाइल का **आपस में जुड़ना** है। UIDAI किस प्रकार का निकाय है, सांविधिक या कार्यकारी, इससे DBT में रिसाव कम होने का कोई सीधा संबंध नहीं है। आधार 2009 से 2016 तक एक कार्यकारी निकाय के अधीन ही चलता रहा और उस दौरान भी DBT में इसका उपयोग हो रहा था। इसलिए UIDAI का सांविधिक दर्जा JAM की सफलता का कारण नहीं है।

परीक्षक की दृष्टि: यह प्रश्न तीन क्षेत्रों को जोड़ता है: सरकारी योजनाएँ (DBT), बैंकिंग (वित्तीय समावेशन) और राजव्यवस्था (संवैधानिक, सांविधिक और कार्यकारी निकायों का अंतर, जो राजव्यवस्था के प्रश्न 16 में आया था)। R इतना "प्रासंगिक" लगता है कि जल्दबाज़ी में छात्र (a) चुन लेते हैं।

संबंधित न्यायिक निर्णय: के.एस. पुट्टास्वामी (आधार) वाद, 2018 में सर्वोच्च न्यायालय ने आधार अधिनियम को संवैधानिक माना, पर कुछ सीमाएँ भी लगाईं। उदाहरण के लिए, निजी कंपनियाँ आधार को अनिवार्य नहीं कर सकतीं, और बैंक खाते और मोबाइल कनेक्शन के लिए आधार अनिवार्य नहीं होगा। पर सरकारी सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं के लिए इसे अनिवार्य करना वैध माना गया।

99. Answer: c

केवल दो

कथन 1 सही है। ऊर्जा का पिरामिड कभी उल्टा नहीं हो सकता, और इसका कारण ऊष्मागतिकी का दूसरा नियम है। हर पोषी स्तर पर ऊर्जा का बड़ा भाग श्वसन, शरीर की ऊष्मा और अपच्य भोजन के रूप में नष्ट हो जाता है। इसलिए ऊपर के स्तर तक हमेशा नीचे के स्तर से कम ऊर्जा पहुँचती है। ऊर्जा का प्रवाह एकदिशीय होता है: सूर्य से उत्पादक, फिर उपभोक्ता, और वापस नहीं लौटता।

कथन 2 सही है। यह इस प्रश्न का सबसे सूक्ष्म कॉन्सेप्ट है। समुद्र में उत्पादक मुख्यतः पादप प्लवक (phytoplankton) हैं, जो बहुत छोटे होते हैं और बहुत तेज़ी से प्रजनन करते हैं। किसी एक समय पर उनका कुल जैवभार कम होता है, पर वे इतनी तेज़ी से बनते और खाए जाते हैं कि

अपने से अधिक जैवभार वाले जंतु प्लवक और मछलियों को पोषण दे पाते हैं। इसलिए किसी एक क्षण में मापा गया जैवभार पिरामिड उल्टा दिखता है, जबकि ऊर्जा का पिरामिड तब भी सीधा ही रहता है।

पिरामिड	सामान्य आकार	उल्टा होने का उदाहरण
ऊर्जा	सदैव सीधा	कभी नहीं
जैवभार	सामान्यतः सीधा	समुद्री तंत्र
संख्या	सामान्यतः सीधा	एक वृक्ष पर निर्भर असंख्य कीट और उन पर परजीवी

कथन 3 गलत है। लिंडमैन (1942) के 10% नियम के अनुसार हर पोषी स्तर की केवल लगभग **10% ऊर्जा** अगले स्तर तक पहुँचती है, 90% नहीं। शेष 90% ऊर्जा रास्ते में नष्ट हो जाती है। इसी कारण खाद्य श्रृंखलाएँ सामान्यतः चार-पाँच स्तरों से लंबी नहीं होतीं, क्योंकि पाँचवें स्तर तक पहुँचते-पहुँचते ऊर्जा बहुत कम रह जाती है।

व्यावहारिक निष्कर्ष: यही नियम बताता है कि शाकाहारी भोजन ऊर्जा की दृष्टि से अधिक कुशल क्यों है। अनाज सीधे खाने पर मनुष्य को उसकी लगभग पूरी उपलब्ध ऊर्जा मिलती है, जबकि वही अनाज पशु को खिलाकर उसका मांस खाने पर केवल लगभग 10% ऊर्जा मिलती है।

100. Answer: a

A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है

A सही है और R उसकी सही व्याख्या है। जल में घुली DDT की मात्रा बहुत कम हो सकती है। पर प्लवक उसे अवशोषित करते हैं, छोटी मछलियाँ बहुत सारे प्लवक खाती हैं, बड़ी मछलियाँ बहुत सारी छोटी मछलियाँ खाती हैं, और मछलीभक्षी पक्षी बहुत सारी बड़ी मछलियाँ खाते हैं। हर स्तर पर DDT जमा होती जाती है और उसकी सांद्रता कई गुना बढ़ती जाती है।

यह तभी संभव है जब दो शर्तें पूरी हों, और R ठीक यही दोनों शर्तें बताता है। पहली, पदार्थ **वसा में घुलनशील** हो, ताकि वह शरीर की वसा में जमा हो जाए और मूत्र जैसे जलीय मार्गों से बाहर न निकले। दूसरी, वह **स्थायी** हो, यानी जीव के एंज़ाइम उसे तोड़ न सकें। यदि पदार्थ जल में घुलनशील होता या आसानी से टूट जाता, तो वह हर स्तर पर बाहर निकल जाता और जैव-आवर्धन नहीं होता।

दो मिलते-जुलते शब्दों का अंतर:

शब्द	अर्थ
जैव-संचयन (bioaccumulation)	एक ही जीव के शरीर में समय के साथ किसी पदार्थ का जमा होते जाना
जैव-आवर्धन (biomagnification)	खाद्य श्रृंखला के एक पोषी स्तर से अगले स्तर पर किसी पदार्थ की सांद्रता का बढ़ते जाना

ऐतिहासिक महत्व: DDT के कारण शिकारी पक्षियों के अंडों के कवच पतले होने लगे और वे सेने के दौरान टूटने लगे, जिससे बाज़ और गिद्ध जैसे पक्षियों की संख्या तेज़ी से घटी। 1962 में **रेचल कार्सन** की पुस्तक **'साइलेंट स्प्रिंग'** ने इस ख़तरे को दुनिया के सामने रखा, और इसे आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की शुरुआत माना जाता है। स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों (POPs) को नियंत्रित करने के लिए 2001 में **स्टॉकहोम अभिसमय** बना। भारत में DDT का उपयोग कृषि में प्रतिबंधित है, पर मलेरिया जैसे रोगों के वाहक मच्छरों के नियंत्रण के लिए सीमित छूट रही है।

101. Answer: d

4 2 1 3

इकोटोन: यह दो पारिस्थितिकी तंत्रों के बीच का संक्रमण क्षेत्र है, जहाँ दोनों की विशेषताएँ मिलती हैं। उदाहरण: मैंग्रोव वन (स्थल और समुद्र के बीच), नदी का तट (जल और स्थल के बीच), और वन तथा घास के मैदान के बीच का क्षेत्र। इकोटोन सामान्यतः संकरी पट्टी होती है और यहाँ पर्यावरणीय दशाएँ तेज़ी से बदलती हैं।

कोर प्रभाव: यह इकोटोन की एक विशेषता है। संक्रमण क्षेत्र में दोनों पड़ोसी तंत्रों की प्रजातियाँ मिलती हैं, और कुछ प्रजातियाँ केवल इसी क्षेत्र में पाई जाती हैं। इसलिए यहाँ प्रजातियों की संख्या और घनत्व अक्सर दोनों तंत्रों से अधिक होता है। जो प्रजातियाँ मुख्यतः इसी क्षेत्र में रहती हैं, उन्हें 'कोर प्रजातियाँ' (edge species) कहते हैं।

निच: यह किसी प्रजाति का पारिस्थितिकी तंत्र में "पेशा" है, यानी वह क्या खाती है, किसका भोजन बनती है, कब सक्रिय रहती है और किन दशाओं में रहती है। 'आवास' (habitat) उस प्रजाति का "पता" है, जबकि 'निच' उसका "कार्य"। **गॉज़ के प्रतिस्पर्धी अपवर्जन सिद्धांत** के अनुसार दो प्रजातियाँ एक ही निच पर लंबे समय तक साथ नहीं रह सकतीं; एक दूसरी को हटा देती है।

पारिस्थितिक अनुक्रमण: यह समय के साथ किसी क्षेत्र के जैविक समुदाय में होने वाला क्रमिक परिवर्तन है, जो अंततः एक स्थिर **चरम समुदाय (climax community)** तक पहुँचता है।

प्रकार	प्रारंभ	अग्रणी (pioneer) प्रजाति	गति
प्राथमिक अनुक्रमण	नग्न चट्टान, जहाँ पहले कोई जीवन नहीं था	लाइकेन	बहुत धीमी
द्वितीयक अनुक्रमण	जहाँ समुदाय नष्ट हुआ हो पर मिट्टी बची हो (जैसे वनाग्नि के बाद)	घास	अपेक्षाकृत तेज़

परीक्षक की दृष्टि: इकोटोन और कोर प्रभाव एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। इकोटोन एक **स्थान** है और कोर प्रभाव उस स्थान पर होने वाली एक **परिघटना**। विकल्प (a) इन्हीं दोनों के अर्थ को आपस में उलझाता है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 4 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 2 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 1 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। D = 3 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

102. Answer: b

केवल 2

कथन 1 गलत है। भारत में विश्व के चार जैव विविधता हॉटस्पॉट पूर्णतः या आंशिक रूप से स्थित हैं, पर इनमें से **कोई भी पूरी तरह भारत के भीतर नहीं है।**

हॉटस्पॉट	भारत में क्षेत्र	अन्य देश
हिमालय	पूरा भारतीय हिमालयी क्षेत्र	नेपाल, भूटान, पाकिस्तान, चीन आदि
इंडो-बर्मा	पूर्वोत्तर भारत (ब्रह्मपुत्र के दक्षिण का भाग)	म्यांमार, थाईलैंड, वियतनाम आदि
पश्चिमी घाट और श्रीलंका	पश्चिमी घाट	श्रीलंका
सुंडालैंड	निकोबार द्वीप समूह	इंडोनेशिया, मलेशिया आदि

कथन 2 सही है। हॉटस्पॉट की अवधारणा ब्रिटिश पारिस्थितिकीविद् **नॉर्मन मायर्स** ने 1988 में दी। बाद में **कंज़र्वेशन इंटरनेशनल** ने इसके दो मानदंड तय किए, और दोनों का एक साथ पूरा होना आवश्यक है:

पहला, **उच्च स्थानिकता**: कम-से-कम 1,500 स्थानिक संवहनी पौधों की प्रजातियाँ, यानी ऐसी प्रजातियाँ जो दुनिया में और कहीं नहीं मिलतीं।

दूसरा, **उच्च ख़तरा**: मूल प्राकृतिक आवास का कम-से-कम 70% भाग नष्ट हो चुका हो।

कॉन्सेप्ट: हॉटस्पॉट का अर्थ केवल "अधिक जैव विविधता वाला क्षेत्र" नहीं है। यह ऐसा क्षेत्र है जो **अत्यधिक समृद्ध भी है और अत्यधिक संकट में भी।** इसलिए सीमित संसाधनों के साथ संरक्षण के लिए इन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाती है। वर्तमान में विश्व में 36 हॉटस्पॉट माने जाते हैं।

संबंधित अवधारणा: भारत विश्व के 17 **'विशाल विविधता वाले देशों' (megadiverse countries)** में से एक है। भारत के पास विश्व के कुल भू-क्षेत्र का केवल लगभग 2.4% भाग है, पर यहाँ विश्व की ज्ञात प्रजातियों का लगभग 7–8% भाग पाया जाता है।

103. Answer: c

1, 2 और 3

कथन 1 सही है। IUCN (अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ) की लाल सूची की श्रेणियाँ जोखिम के घटते क्रम में इस प्रकार हैं:

श्रेणी	अर्थ
विलुप्त (EX)	अंतिम सदस्य की मृत्यु हो चुकी
वन में विलुप्त (EW)	केवल चिड़ियाघर या बंदी अवस्था में जीवित
गंभीर रूप से संकटग्रस्त (CR)	वन में विलुप्त होने का अत्यंत उच्च जोखिम
संकटग्रस्त (EN)	वन में विलुप्त होने का बहुत उच्च जोखिम
सुभेद्य (VU)	वन में विलुप्त होने का उच्च जोखिम
संकट के निकट (NT)	निकट भविष्य में संकटग्रस्त हो सकती है
कम चिंताजनक (LC)	व्यापक रूप से फैली और प्रचुर

इनमें CR, EN और VU को सामूहिक रूप से 'संकटग्रस्त' (threatened) श्रेणियाँ कहा जाता है।

कथन 2 सही है। सोन चिरैया भारत के सबसे अधिक संकटग्रस्त पक्षियों में से एक है। इसकी अधिकांश बची हुई आबादी राजस्थान के **मरु राष्ट्रीय उद्यान** (जैसलमेर) के आसपास है, और यह राजस्थान का राज्य पक्षी भी है। इसके लिए सबसे बड़ा ख़तरा **ऊपर से गुज़रने वाली बिजली की लाइनें** हैं। यह पक्षी भारी होता है और इसकी आँखें सामने की ओर नहीं होतीं, इसलिए उड़ते समय यह तारों को देखकर जल्दी मुड़ नहीं पाता और उनसे टकराकर मर जाता है। इस पर सर्वोच्च न्यायालय ने 2021 में बिजली की लाइनें भूमिगत करने के निर्देश दिए थे, जिन्हें 2024 में संशोधित किया गया।

यहाँ पर्यावरण और ऊर्जा नीति का टकराव दिखता है: राजस्थान का वही क्षेत्र सौर और पवन ऊर्जा के लिए भी सबसे उपयुक्त है।

कथन 3 सही है। वन्य जीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2022 ने अनुसूचियों की संख्या छह से घटाकर चार कर दी, पर अनुसूची I अब भी सर्वोच्च सुरक्षा वाली अनुसूची है। इसमें बाघ, हाथी, सोन चिरैया और गंगा डॉल्फ़िन जैसी प्रजातियाँ हैं। इनके शिकार पर सबसे कठोर दंड का प्रावधान है।

अनुसूची (2022 के बाद)	विषय
I	सर्वोच्च सुरक्षा वाले जंतु
II	कम स्तर की सुरक्षा वाले जंतु
III	संरक्षित पौधे
IV	CITES के परिशिष्टों में शामिल नमूने

परीक्षक की दृष्टि: IUCN की श्रेणी और भारतीय क़ानून की अनुसूची दो अलग व्यवस्थाएँ हैं। IUCN एक अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन है, जो क़ानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। वन्य जीव अधिनियम की अनुसूचियाँ भारत में क़ानूनी रूप से लागू होती हैं। कोई प्रजाति IUCN में 'कम चिंताजनक' होकर भी भारत में अनुसूची I में हो सकती है, जैसे मोर (राष्ट्रीय पक्षी)।

104. Answer: a

बीज बैंक

आधार	स्वस्थाने (in-situ) संरक्षण	बहिःस्थाने (ex-situ) संरक्षण
अर्थ	प्रजाति का उसके प्राकृतिक आवास में संरक्षण	प्रजाति को उसके प्राकृतिक आवास से बाहर रखकर संरक्षण
उदाहरण	राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र, पवित्र उपवन	चिड़ियाघर, वनस्पति उद्यान, बीज बैंक, जीन बैंक, क्रायोप्रिज़र्वेशन

लाभ	पूरे पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक विकास प्रक्रिया का संरक्षण	अत्यंत संकटग्रस्त प्रजातियों को बचाने का अंतिम उपाय

बीज बैंक में बीजों को नियंत्रित ताप और नमी में लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाता है, ताकि भविष्य में किसी प्रजाति के नष्ट होने पर उसे फिर उगाया जा सके। यह प्राकृतिक आवास से बाहर होता है, इसलिए बहिःस्थाने संरक्षण है। भारत में **राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (NBPGR), नई दिल्ली** यह कार्य करता है। विश्व स्तर पर नॉर्वे का **स्वालबार्ड वैश्विक बीज भंडार** प्रसिद्ध है, जिसे 'प्रलय का भंडार' (Doomsday Vault) भी कहा जाता है।

पवित्र उपवन (विकल्प d) का महत्व: ये वे वन-खंड हैं जिन्हें स्थानीय समुदाय धार्मिक आस्था के कारण सदियों से सुरक्षित रखते आए हैं, और जहाँ पेड़ काटना वर्जित है। उदाहरण: महाराष्ट्र के 'देवराई', केरल के 'कावु' और मेघालय के 'लॉ किंताङ'। ये सामुदायिक संरक्षण का सबसे पुराना रूप हैं और पूरी तरह स्वस्थाने संरक्षण के अंतर्गत आते हैं। छात्र अक्सर इन्हें पहचान नहीं पाते, क्योंकि ये सरकारी संरक्षित क्षेत्र नहीं हैं।

जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र की संरचना: इसमें तीन क्षेत्र होते हैं। **कोर क्षेत्र** में कोई मानवीय गतिविधि नहीं होती। **बफ़र क्षेत्र** में शोध और शिक्षा जैसी सीमित गतिविधियाँ होती हैं। **संक्रमण क्षेत्र** में स्थानीय लोग खेती और बसावट सहित सतत गतिविधियाँ करते हैं। यह यूनेस्को के **'मानव और जैवमंडल' (MAB) कार्यक्रम** से जुड़ा है। भारत का पहला जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र **नीलगिरि** (1986) है।

105. Answer: d

केवल 2 और 3

कथन 1 गलत है, और यह पूरी तरह उलटा है। वैश्विक तापन क्षमता यह बताती है कि एक निश्चित अवधि में किसी गैस की एक इकाई, कार्बन डाइऑक्साइड की उतनी ही इकाई की तुलना में कितनी अधिक ऊष्मा रोकती है। कार्बन डाइऑक्साइड की वैश्विक तापन क्षमता को 1 माना जाता है।

गैस	100 वर्षों में वैश्विक तापन क्षमता (लगभग)	प्रमुख स्रोत
कार्बन डाइऑक्साइड	1	जीवाश्म ईंधन, वनों की कटाई
मीथेन	लगभग 28	धान के खेत, पशुओं का पाचन, कचरा भराव क्षेत्र
नाइट्रस ऑक्साइड	लगभग 265	रासायनिक उर्वरक
सल्फ़र हेक्साफ़्लोराइड	23,000 से अधिक	विद्युत उपकरण

मीथेन प्रति अणु कार्बन डाइऑक्साइड से कहीं अधिक शक्तिशाली है। इसका जीवनकाल केवल लगभग 12 वर्ष है, इसलिए 20 वर्षों की अवधि में इसकी तापन क्षमता और भी अधिक (लगभग 80 गुना) होती है। इसका अर्थ है कि मीथेन उत्सर्जन घटाने से **अल्पकाल में** तापमान वृद्धि पर सबसे तेज़ असर पड़ सकता है। इसी कारण COP26 (2021) में **वैश्विक मीथेन प्रतिज्ञा** आई, जिसमें 2030 तक मीथेन उत्सर्जन 30% घटाने का लक्ष्य था। भारत इसमें शामिल नहीं हुआ, क्योंकि भारत में मीथेन का बड़ा स्रोत धान की खेती और पशुपालन है, जो करोड़ों किसानों की आजीविका से जुड़े हैं।

कथन 2 सही है। वैज्ञानिक **चार्ल्स डेविड कीलिंग** ने 1958 में मौना लोआ पर कार्बन डाइऑक्साइड का निरंतर मापन शुरू किया। इन आँकड़ों से बना ग्राफ़ **'कीलिंग वक्र'** कहलाता है। इसमें दो बातें दिखती हैं: सांद्रता का लगातार ऊपर जाना, और हर वर्ष एक टेढ़ी-मेढ़ी लहर। यह लहर उत्तरी गोलार्ध के मौसमों से बनती है: वसंत और गर्मी में पेड़-पौधे अधिक कार्बन डाइऑक्साइड सोखते हैं, जिससे सांद्रता थोड़ी घटती है, और सर्दियों में फिर बढ़ जाती है। यहाँ जलवायु विज्ञान, पारिस्थितिकी और रसायन विज्ञान एक साथ मिलते हैं।

कथन 3 सही है। पेरिस समझौता (2015, COP21) का अनुच्छेद 2 यही लक्ष्य रखता है। इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें हर देश अपना लक्ष्य स्वयं तय करता है, जिसे **राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC)** कहते हैं, और इसे हर पाँच वर्ष में अद्यतन करना होता है। क्योटो प्रोटोकॉल में केवल विकसित देशों पर बाध्यकारी लक्ष्य थे, जबकि पेरिस समझौते में सभी देश भाग लेते हैं।

106. Answer: b

3-1-4-2

घटना	वर्ष	स्थान/सम्मेलन
क्योटो प्रोटोकॉल का लागू होना	फ़रवरी 2005	—
बाली कार्य योजना	2007	COP13, बाली (इंडोनेशिया)
पंचामृत की घोषणा	2021	COP26, ग्लासगो (ब्रिटेन)
हानि और क्षति कोष पर सहमति	2022	COP27, शर्म अल-शेख (मिस्र)

इसलिए सही क्रम 3-1-4-2 है।

परीक्षक की दृष्टि: इस प्रश्न का सबसे बड़ा जाल क्योटो प्रोटोकॉल की तिथि है। क्योटो प्रोटोकॉल **1997 में अपनाया गया**, पर यह **2005 में लागू हुआ**, क्योंकि इसके लागू होने के लिए आवश्यक था कि इसे अनुमोदित करने वाले देश विश्व के कुल उत्सर्जन के कम-से-कम 55% के लिए ज़िम्मेदार हों। अमेरिका ने इसका अनुमोदन नहीं किया, और यह शर्त 2004 में रूस के अनुमोदन के बाद पूरी हुई। प्रश्न में "लागू होना" लिखा है, "अपनाया जाना" नहीं। जो छात्र केवल 1997 याद रखता है, वह भी सही क्रम बना लेगा, पर विकल्प (a) उस छात्र के लिए है जो बाली कार्य योजना को क्योटो से पहले का मान बैठता है।

प्रमुख घटनाओं का संक्षिप्त महत्व:

बाली कार्य योजना: इसने क्योटो प्रोटोकॉल के बाद की व्यवस्था पर बातचीत की रूपरेखा बनाई और पहली बार विकासशील देशों से भी "राष्ट्रीय स्तर पर उपयुक्त शमन कार्यों" की अपेक्षा की।

पंचामृत (COP26): भारत ने पाँच लक्ष्य घोषित किए, जिनमें सबसे प्रमुख **2070 तक शुद्ध शून्य (net zero) उत्सर्जन** का लक्ष्य है। इसी सम्मेलन में भारत के हस्तक्षेप से कोयले को "चरणबद्ध रूप से समाप्त" (phase out) करने के स्थान पर "चरणबद्ध रूप से कम" (phase down) करने की भाषा अपनाई गई।

हानि और क्षति कोष (COP27): यह उन विकासशील देशों की सहायता के लिए है जो जलवायु परिवर्तन से होने वाली अपरिहार्य क्षति, जैसे समुद्र स्तर बढ़ने और चरम मौसमी घटनाओं, को झेल रहे हैं। इसे COP28 (दुबई, 2023) में क्रियाशील बनाया गया।

बाद के सम्मेलन: COP29 (बाकू, 2024) जलवायु वित्त के नए सामूहिक लक्ष्य पर केंद्रित था, और COP30 (बेलेम, ब्राज़ील, 2025) अमेज़न क्षेत्र में आयोजित हुआ। इनके निष्कर्ष परीक्षा से पहले ज़रूर देख लें।

107. Answer: c

3 1 2 4

मिनामाटा रोग (पारा): यह 1950 के दशक में जापान के मिनामाटा नगर में पहली बार पहचाना गया। एक रासायनिक कारख़ाना अपने अपशिष्ट जल में **मिथाइल पारा** समुद्र में छोड़ रहा था। यह पारा मछलियों में जैव-आवर्धन (प्रश्न 2 का कॉन्सेप्ट) के माध्यम से जमा हुआ, और उन्हें खाने वाले लोगों में गंभीर तंत्रिका क्षति, अंगों में सुन्नता और जन्मजात विकृतियाँ हुईं। पारे के उपयोग और उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए 2013 में **मिनामाटा अभिसमय** बना, जिसका भारत ने 2018 में अनुमोदन किया।

इटाई-इटाई रोग (कैडमियम): यह भी जापान (तोयामा क्षेत्र) में खनन से निकले कैडमियम युक्त जल से धान की सिंचाई के कारण हुआ। जापानी भाषा में "इटाई-इटाई" का अर्थ है "दर्द, दर्द", क्योंकि इसमें हड्डियाँ कमज़ोर होकर भंगुर हो जाती हैं और असहनीय पीड़ा होती है। कैडमियम शरीर में कैल्शियम के चयापचय को बिगाड़ देता है।

ब्लू बेबी सिंड्रोम (नाइट्रेट): इसका वैज्ञानिक नाम **मिथेमोग्लोबिनेमिया** है। पेयजल में नाइट्रेट की अधिकता होने पर शिशुओं के शरीर में यह नाइट्राइट में बदल जाता है, जो हीमोग्लोबिन को ऐसे रूप में बदल देता है जो ऑक्सीजन नहीं ढो सकता। ऑक्सीजन की कमी से शिशु की त्वचा नीली पड़ने लगती है। नाइट्रेट का मुख्य स्रोत खेतों में अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग है, जो रिसकर भूजल में पहुँच जाते हैं। भारतीय मानक ब्यूरो के अनुसार पेयजल में नाइट्रेट की अधिकतम स्वीकार्य सीमा 45 मिलीग्राम प्रति लीटर है।

ब्लैकफुट रोग (आर्सेनिक): यह रोग ताइवान में पहचाना गया, जिसमें आर्सेनिक युक्त भूजल पीने से पैरों की रक्त वाहिकाएँ क्षतिग्रस्त होकर ऊतक काले पड़ जाते हैं। लंबे समय तक आर्सेनिक के संपर्क से त्वचा पर धब्बे, त्वचा का कैंसर और आंतरिक अंगों का कैंसर भी हो सकता है।

UPPCS के लिए विशेष: गंगा के मैदान के कई भागों में भूजल में प्राकृतिक रूप से आर्सेनिक की अधिकता पाई जाती है, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल, बिहार और **पूर्वी उत्तर प्रदेश** के ज़िलों में, जैसे बलिया। इसी तरह उत्तर प्रदेश के कुछ ज़िलों में भूजल में **फ़्लोराइड** की अधिकता से **फ़्लोरोसिस** (दाँतों और हड्डियों की विकृति) की समस्या है। जल जीवन मिशन (अर्थव्यवस्था का प्रश्न 15) में ऐसे गुणवत्ता-प्रभावित क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 3 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 1 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 2 जानने पर (b) और (c) बचते हैं। D = 4 जानने पर (a), (b) और (c) बचते हैं।

108. Answer: a

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। PM2.5 वे कण हैं जिनका व्यास 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम है, जो मानव बाल की मोटाई का लगभग 30वाँ भाग है। नाक और गले के प्राकृतिक अवरोध बड़े कणों (PM10) को काफ़ी हद तक रोक लेते हैं, पर PM2.5 उनसे बचकर फेफड़ों की सबसे भीतरी वायुकोषिकाओं (alveoli) तक पहुँच जाते हैं। वहाँ से ये रक्त-प्रवाह में प्रवेश कर हृदय रोग, पक्षाघात और फेफड़ों के कैंसर का ख़तरा बढ़ाते हैं। इसलिए कण जितना **छोटा**, स्वास्थ्य के लिए उतना **अधिक ख़तरनाक**।

कथन 2 सही है। भारत का राष्ट्रीय AQI अक्टूबर 2014 में शुरू हुआ। इसके आठ प्रदूषक हैं: PM10, PM2.5, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, सल्फ़र डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, ओज़ोन, अमोनिया और सीसा। AQI की गणना के लिए कम-से-कम तीन प्रदूषकों के आँकड़े आवश्यक हैं, जिनमें से एक PM10 या PM2.5 होना चाहिए। इसकी छह श्रेणियाँ हैं: अच्छा, संतोषजनक, मध्यम प्रदूषित, ख़राब, बहुत ख़राब और गंभीर।

कथन 3 गलत है। भूतल स्तर की ओज़ोन एक **द्वितीयक प्रदूषक** है। यह किसी स्रोत से सीधे उत्सर्जित नहीं होती, बल्कि वायुमंडल में बनती है। वाहनों और उद्योगों से निकली नाइट्रोजन के ऑक्साइड और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक (VOCs) सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में अभिक्रिया करके ओज़ोन बनाते हैं। इसीलिए इसकी सांद्रता धूप वाली गर्म दोपहरों में सबसे अधिक होती है, और यही **प्रकाश-रासायनिक धूम-कोहरे (photochemical smog)** का मुख्य घटक है।

प्रकार	**अर्थ**	**उदाहरण**
प्राथमिक प्रदूषक	स्रोत से सीधे उत्सर्जित	कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फ़र डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन के ऑक्साइड
द्वितीयक प्रदूषक	वायुमंडल में अभिक्रिया से बने	भूतल ओज़ोन, पेरॉक्सीएसिटाइल नाइट्रेट (PAN), अम्ल वर्षा के अम्ल

परीक्षक की दृष्टि: ओज़ोन का दोहरा चरित्र। समतापमंडल की ओज़ोन पराबैंगनी विकिरण को रोककर जीवन की रक्षा करती है (विज्ञान का प्रश्न 12), जबकि भूतल की ओज़ोन एक हानिकारक प्रदूषक है, जो साँस की बीमारियाँ बढ़ाती है और फ़सलों को नुकसान पहुँचाती है। एक ही अणु, स्थान बदलने पर, रक्षक से प्रदूषक बन जाता है। इस विरोधाभास की समझ UPPCS मुख्य परीक्षा में भी उपयोगी है।

संबंधित नीतियाँ: वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए 2019 में **राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP)** शुरू हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश के कई शहर शामिल हैं। दिल्ली-NCR में प्रदूषण के स्तर के अनुसार चरणबद्ध उपायों के लिए **श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (GRAP)** लागू है।

109. Answer: d

4 1 3 2

काज़ीरंगा (असम) – एक सींग वाला गैंडा: यहाँ विश्व में एक सींग वाले गैंडों की सबसे बड़ी आबादी है। इसे 1985 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। यह ब्रह्मपुत्र के बाढ़ मैदान में स्थित है, और हर वर्ष की बाढ़ इस पारिस्थितिकी तंत्र का प्राकृतिक हिस्सा है, जो घास के मैदानों को नवीकृत करती है। पर बाढ़ के समय जानवर पास के राष्ट्रीय राजमार्ग को पार करके ऊँचे स्थानों की ओर जाते हैं, इसलिए वन्यजीव गलियारों का संरक्षण यहाँ की बड़ी चुनौती है।

गिर (गुजरात) – एशियाई शेर: यह विश्व में एशियाई शेरों का एकमात्र प्राकृतिक आवास है। पूरी आबादी का एक ही क्षेत्र में होना इस प्रजाति के लिए बड़ा ख़तरा है, क्योंकि कोई एक महामारी पूरी प्रजाति को नष्ट कर सकती है। इसी कारण सर्वोच्च न्यायालय ने 2013 में कुछ शेरों को मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था, पर यह अब तक नहीं हुआ है। कूनो में इसके बजाय 2022 से अफ़्रीकी चीतों को बसाया गया।

केबुल लामजाओ (मणिपुर) – संगाई हिरण: यह विश्व का एकमात्र **तैरता राष्ट्रीय उद्यान** है, जो लोकटक झील में स्थित है। यह झील पर तैरती वनस्पति और मिट्टी की मोटी परतों से बना है, जिन्हें **'फुमदी'** कहते हैं। संगाई हिरण मणिपुर का राज्य पशु है और इसे 'नाचने वाला हिरण' भी कहा जाता है, क्योंकि फुमदी पर चलते समय इसकी चाल नाचती-सी दिखती है।

हेमिस (लद्दाख) – हिम तेंदुआ: यह भारत के सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यानों में गिना जाता है और हिम तेंदुए के सबसे अच्छे आवासों में से एक है। हिम तेंदुए को 'पहाड़ों का भूत' कहा जाता है, क्योंकि यह बहुत कम दिखाई देता है।

UPPCS के लिए विशेष: एक सींग वाला गैंडा उत्तर प्रदेश के **दुधवा राष्ट्रीय उद्यान** में भी पाया जाता है। 1984 में असम और नेपाल से गैंडे लाकर दुधवा में इनका पुनर्वास किया गया था, क्योंकि यह क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से गैंडों का प्राकृतिक आवास रहा था।

विकल्प-विश्लेषण: A = 4 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 1 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 3 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। D = 2 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

110. Answer: b

केवल तीन

युग्म 1 सही है। दुधवा लखीमपुर खीरी ज़िले में नेपाल सीमा के पास तराई क्षेत्र में स्थित है। यह 1977 में राष्ट्रीय उद्यान और 1987 में टाइगर रिज़र्व बना। दुधवा टाइगर रिज़र्व में किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य और कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य भी शामिल हैं। यहाँ बाघ, गैंडा और दलदली हिरण (बारहसिंगा) प्रमुख हैं।

युग्म 2 सही है। रानीपुर को 2022 में उत्तर प्रदेश का **चौथा टाइगर रिज़र्व** घोषित किया गया। यह बुंदेलखंड क्षेत्र में चित्रकूट ज़िले में है। यह उत्तर प्रदेश के अन्य टाइगर रिज़र्वों से भौगोलिक रूप से अलग है, क्योंकि वे तराई क्षेत्र में हैं, जबकि रानीपुर विंध्य के शुष्क पर्णपाती वनों में है।

युग्म 3 गलत है। कतर्नियाघाट **बहराइच** ज़िले में स्थित है, पीलीभीत में नहीं। यह गेरुआ नदी के तट पर है और घड़ियाल, गंगा डॉल्फ़िन और बाघों के लिए प्रसिद्ध है। पीलीभीत में **पीलीभीत टाइगर रिज़र्व** (2014) है, जिसे बाघों की संख्या दोगुनी करने के लिए 2020 में अंतरराष्ट्रीय **TX2 पुरस्कार** मिला था। दोनों ज़िले नेपाल सीमा पर तराई में हैं (भूगोल का प्रश्न 21), इसलिए छात्र इन्हें आपस में मिला देते हैं।

युग्म 4 गलत है। सूर सरोवर (कीठम झील) **आगरा** ज़िले में है, इटावा में नहीं। इसे 2020 में **रामसर स्थल** घोषित किया गया। इटावा के पास चंबल नदी पर **राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य** का भाग है, जो उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में फैला है और घड़ियालों का सबसे बड़ा आवास है।

युग्म 5 सही है। नवाबगंज पक्षी विहार (अब शहीद चंद्रशेखर आज़ाद पक्षी विहार) उन्नाव ज़िले में लखनऊ-कानपुर राजमार्ग के पास है। इसे 2019 में रामसर स्थल घोषित किया गया। सर्दियों में यहाँ बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी आते हैं।

उत्तर प्रदेश के टाइगर रिज़र्व:

टाइगर रिज़र्व	ज़िला	घोषणा
दुधवा	लखीमपुर खीरी	1987
अमानगढ़	बिजनौर	2012
पीलीभीत	पीलीभीत	2014
रानीपुर	चित्रकूट	2022

अमानगढ़ टाइगर रिज़र्व उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व का बफ़र क्षेत्र है।

सावधानी: संरक्षित क्षेत्रों और रामसर स्थलों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। उत्तर प्रदेश के रामसर स्थलों और टाइगर रिज़र्वों की नवीनतम सूची परीक्षा से पहले ज़रूर देख लें।

111. Answer: c

केवल 1, 2 और 3

कथन 1 सही है। रामसर अभिसमय 1971 में ईरान के रामसर नगर में अपनाया गया और 1975 में लागू हुआ। भारत 1982 में इसका पक्षकार बना, और **चिल्का झील** (ओडिशा) तथा **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान** (राजस्थान) भारत के पहले रामसर स्थल थे। जिन रामसर स्थलों की पारिस्थितिक दशा ख़तरे में है, उन्हें **'मॉन्ट्रो रिकॉर्ड'** में रखा जाता है। हाल के वर्षों में भारत के रामसर स्थलों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है, इसलिए इनकी नवीनतम संख्या परीक्षा से पहले देख लें।

कथन 2 सही है। CITES (Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora) 1973 में वॉशिंगटन में अपनाया गया और 1975 में लागू हुआ। भारत 1976 में

इसका पक्षकार बना। यह पक्षकार देशों पर क़ानूनी रूप से बाध्यकारी है, पर इसका क्रियान्वयन हर देश अपने राष्ट्रीय क़ानूनों के माध्यम से करता है। भारत में इसके लिए वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम में अनुसूची IV जोड़ी गई है (प्रश्न 5)।

CITES परिशिष्ट	**अर्थ**
परिशिष्ट I	विलुप्ति के ख़तरे वाली प्रजातियाँ; वाणिज्यिक व्यापार लगभग पूर्णतः प्रतिबंधित
परिशिष्ट II	अभी विलुप्ति के ख़तरे में नहीं, पर व्यापार नियंत्रित न होने पर हो सकती हैं
परिशिष्ट III	किसी एक देश द्वारा संरक्षित प्रजातियाँ, जिनके व्यापार नियंत्रण में वह दूसरों की सहायता चाहता है

कथन 3 सही है। जैव विविधता पर अभिसमय 1992 के रियो पृथ्वी सम्मेलन में अपनाया गया। इसके दो प्रोटोकॉल हैं:

कार्टाजेना प्रोटोकॉल (2000): यह आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी से बने **जीवित संशोधित जीवों (LMOs)** के सुरक्षित स्थानांतरण और उपयोग से संबंधित है। इसका संबंध GM फ़सलों (विज्ञान का प्रश्न 14) से है।

नागोया प्रोटोकॉल (2010): यह सुनिश्चित करता है कि जब कोई कंपनी किसी देश के आनुवंशिक संसाधनों या पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करके लाभ कमाए, तो उस लाभ का उचित भाग उस देश और वहाँ के स्थानीय समुदायों को भी मिले। भारत ने इसके क्रियान्वयन के लिए **जैव विविधता अधिनियम, 2002** का उपयोग किया है, जिसमें 2023 में संशोधन हुआ।

संबंधित नवीन घटना: 2022 में CBD के अंतर्गत **कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढाँचा** अपनाया गया, जिसका सबसे प्रमुख लक्ष्य **'30x30'** है, यानी 2030 तक विश्व के कम-से-कम 30% स्थलीय और 30% समुद्री क्षेत्रों का संरक्षण।

कथन 4 गलत है। बॉन अभिसमय (Convention on Migratory Species, 1979) **सभी प्रकार की** प्रवासी प्रजातियों से संबंधित है: स्थलीय, जलीय और पक्षी। भारत 1983 में इसका पक्षकार बना, और इसका **13वाँ पक्षकार सम्मेलन (COP13)** 2020 में **गांधीनगर (गुजरात)** में आयोजित हुआ। इसका शुभंकर 'गिबी' सोन चिरैया पर आधारित था (प्रश्न 5 से जुड़ाव)। भारत **मध्य एशियाई फ़्लाईवे** पर स्थित है, जिससे होकर हर सर्दी में लाखों प्रवासी पक्षी भारत आते हैं, जैसे प्रश्न 12 के नवाबगंज और सूर सरोवर में।

112. Answer: c

केवल दो

पृष्ठभूमि: लोकसभा द्वारा पारित किए जाने के अगले दिन, 12 अगस्त 2026 को राज्यसभा ने भी केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया। केरल विधानसभा ने इस नाम परिवर्तन के लिए जून 2024 में प्रस्ताव पारित किया था।

कथन 1 गलत है। यह इस प्रश्न का केंद्रीय कॉन्सेप्ट है। राज्य का नाम बदलने की शक्ति संसद को **अनुच्छेद 3** से मिलती है, और ऐसा विधेयक **साधारण बहुमत** से पारित होता है। **अनुच्छेद 4(2)** स्पष्ट करता है कि अनुच्छेद 2 और 3 के अंतर्गत बने क़ानून, संविधान की अनुसूचियों में परिवर्तन करने के बावजूद, अनुच्छेद 368 के अर्थ में संविधान संशोधन नहीं माने जाएँगे।

कथन 2 सही है। अनुच्छेद 3 के परंतुक के अनुसार ऐसा विधेयक राष्ट्रपति की अनुशंसा के बिना प्रस्तुत नहीं हो सकता, और राष्ट्रपति उसे राज्य विधानमंडल के पास एक निश्चित समय-सीमा में विचार देने के लिए भेजता है। राज्य विधानमंडल सहमत हो या असहमत, संसद उसकी राय मानने के लिए बाध्य नहीं है। यही भारतीय संघवाद के "विनाशी राज्यों का अविनाशी संघ" होने का प्रमाण है।

कथन 3 सही है। यह विधेयक संविधान की पहली और चौथी अनुसूची में संशोधन करता है, और साथ ही अनुच्छेद 31A तथा 290A में भी परिणामी परिवर्तन करता है। पहली अनुसूची में राज्यों के नाम और क्षेत्र हैं, और चौथी अनुसूची में राज्यसभा की सीटों का राज्यवार बँटवारा।

परीक्षक की दृष्टि: अनुसूची बदलती है, इसलिए छात्र मान लेते हैं कि यह संविधान संशोधन होगा। पर अनुसूची में परिवर्तन होना और अनुच्छेद 368 के अंतर्गत संशोधन होना, दो अलग बातें हैं। इसी तरह के पिछले उदाहरण हैं: उड़ीसा से ओडिशा (2011) और पुडुचेरी (2006)।

113. Answer: a

केवल 1

कथन 1 सही है। 2026 के चुनाव परिणामों में भाजपा ने 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा में 200 से अधिक सीटें जीतकर राज्य में अपनी पहली सरकार बनाई, और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भवानीपुर सीट पर सुवेंदु अधिकारी से 15,105 मतों से हार गईं। इसके बाद सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। असम में हिमंत बिस्वा सरमा दोबारा मुख्यमंत्री बने, और वे लगातार दो कार्यकाल पाने वाले असम के पहले गैर-कांग्रेसी नेता हैं।

कथन 2 गलत है। यहीं करेंट अफ़ेयर्स राजव्यवस्था से जुड़ता है। **अनुच्छेद 164(4)** के अनुसार कोई मंत्री, जिसमें मुख्यमंत्री भी शामिल है, यदि लगातार छह महीने तक राज्य विधानमंडल का सदस्य नहीं रहता, तो उस अवधि के अंत में वह पद पर नहीं रह सकता। इसका अर्थ है कि विधानमंडल का सदस्य न होने पर भी कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री नियुक्त हो सकता है, बशर्ते वह छह महीने के भीतर सदस्य बन जाए। केंद्र में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों पर यही नियम अनुच्छेद 75(5) से लागू होता है।

परीक्षक की दृष्टि: जिन राज्यों में विधान परिषद है (जैसे उत्तर प्रदेश), वहाँ मुख्यमंत्री विधान परिषद के माध्यम से भी सदस्य बन सकता है। पश्चिम बंगाल में विधान परिषद नहीं है, इसलिए वहाँ विधानसभा की सदस्यता ही एकमात्र रास्ता है। यह द्विसदनीय और एकसदनीय राज्यों का व्यावहारिक अंतर है।

114. Answer: d

1, 2 और 3

कथन 1 सही है। जुलाई 2025 में जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से उपराष्ट्रपति पद से त्यागपत्र दे दिया, जो उनके कार्यकाल के बीच में हुआ।

इसके बाद सितंबर 2025 में हुए चुनाव में सी.पी. राधाकृष्णन भारत के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए। इसी के साथ वे राज्यसभा के पदेन सभापति भी बने।

कथन 2 सही है। अनुच्छेद 67(a) के अनुसार उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति को संबोधित करके त्यागपत्र दे सकता है। यह राजव्यवस्था के प्रश्न 10 के लोकसभा अध्यक्ष से अलग है, जो अपना त्यागपत्र उपाध्यक्ष को देता है। तुलना के लिए: राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र उपराष्ट्रपति को देता है।

कथन 3 सही है। अनुच्छेद 91 के अनुसार सभापति का पद रिक्त होने पर उपसभापति, और उपसभापति का पद भी रिक्त होने पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त राज्यसभा का कोई सदस्य, सभापति के कर्तव्यों का पालन करता है।

कॉन्सेप्ट: मध्यावधि रिक्ति पर हुए चुनाव में चुना गया उपराष्ट्रपति पिछले उपराष्ट्रपति का शेष कार्यकाल नहीं, बल्कि **पूरे पाँच वर्ष** का नया कार्यकाल पाता है (अनुच्छेद 67)। उपराष्ट्रपति का निर्वाचक मंडल संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्यों (मनोनीत सहित) से बनता है, जिसे राजव्यवस्था के प्रश्न 11 में विस्तार से समझाया गया था।

115. Answer: b

केवल 2

कथन 1 गलत है। जनगणना **संघ सूची** (सातवीं अनुसूची, प्रविष्टि 69) का विषय है। इसका संचालन गृह मंत्रालय के अंतर्गत **भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त** का कार्यालय करता है। राज्य सरकारों के कर्मचारी गणना कार्य में लगते हैं, पर जनगणना कराने की संवैधानिक शक्ति केंद्र की है। जनगणना अधिनियम, 1948 केंद्र का क़ानून है।

कथन 2 सही है। 1951 से 2011 तक की सभी जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति की गणना होती थी। अन्य सभी जातियों की पिछली व्यापक गणना **1931** में ब्रिटिश काल में हुई थी। 2011 में हुई **सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC)** जनगणना अधिनियम के अंतर्गत नहीं, बल्कि एक अलग सर्वेक्षण थी, और उसके जाति संबंधी आँकड़े कभी पूरी तरह प्रकाशित नहीं हुए।

जनगणना 2027 की अन्य विशेषताएँ: यह भारत की पहली डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें मोबाइल ऐप से आँकड़े एकत्र किए जाएँगे और नागरिकों को स्व-गणना (self-enumeration) का विकल्प भी मिलेगा। अधिकांश देश के लिए संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 है, जबकि बर्फ़ीले क्षेत्रों (लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड के कुछ भाग) के लिए 1 अक्टूबर 2026। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी, और 2021 की जनगणना कोविड-19 के कारण टल गई थी।

परीक्षक की दृष्टि: जनगणना के आँकड़ों का उपयोग लोकसभा और विधानसभा सीटों के **परिसीमन** में होता है। 84वें संशोधन (2001) के अनुसार सीटों का नया परिसीमन 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना के आँकड़ों पर होना है। इसलिए जनगणना 2027 का राजनीतिक और संवैधानिक महत्व केवल सांख्यिकी तक सीमित नहीं है।

116. Answer: a

1-3-4-2

घटना	समय
उपराष्ट्रपति चुनाव	सितंबर 2025
VB-G RAM G विधेयक को राष्ट्रपति की स्वीकृति	दिसंबर 2025 (शीतकालीन सत्र के बाद)
पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के चुनाव परिणाम	4 मई 2026
केरलम विधेयक का संसद से पारित होना	अगस्त 2026 (मानसून सत्र)

इसलिए सही क्रम 1-3-4-2 है।

परीक्षक की दृष्टि: केरलम विधेयक का क्रम सबसे कठिन है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस प्रस्ताव को 24 फ़रवरी 2026 को, यानी केरल विधानसभा चुनाव से पहले, मंज़ूरी दी थी। जो छात्र केवल मंत्रिमंडल की मंज़ूरी याद रखता है, वह इसे चुनाव परिणामों से पहले रख देगा। पर प्रश्न में "संसद द्वारा पारित" लिखा है, जो अगस्त 2026 में हुआ। विकल्प (d) इसी भ्रम पर बना है।

किसी प्रक्रिया के कई चरण हों (मंत्रिमंडल की मंज़ूरी, राज्य का मत, संसद से पारित होना, राष्ट्रपति की स्वीकृति), तो कालक्रम वाले प्रश्नों में यह ध्यान से पढ़ें कि कौन-सा चरण पूछा गया है।

117. Answer: d

4 2 3 1

18वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन (नई दिल्ली): यह भारत की 2026 की अध्यक्षता में 12–13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ, और इसमें 'नई दिल्ली घोषणा-पत्र' अपनाया गया।

COP31 (अंताल्या): यह 9 से 20 नवंबर 2026 तक तुर्किये के अंताल्या में होना है।

17वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन (रियो डी जेनेरियो): ब्राज़ील ने 2025 में अध्यक्षता की और 6–7 जुलाई 2025 को रियो डी जेनेरियो में 17वाँ सम्मेलन आयोजित किया, जो समूह के बड़े विस्तार के बाद का पहला सम्मेलन था।

COP30 (बेलेम): यह नवंबर 2025 में ब्राज़ील के अमेज़न क्षेत्र के नगर बेलेम में हुआ।

परीक्षक की दृष्टि: 2025 में ब्राज़ील ने ब्रिक्स और COP30 दोनों की मेज़बानी की, पर दो अलग नगरों में। छात्र अक्सर दोनों को एक ही नगर से जोड़ देते हैं। विकल्प (a) इन्हीं दोनों को उलटकर बनाया गया है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 4 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 2 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 3 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। D = 1 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

118. Answer: c

1 और 2 दोनों

कथन 1 सही है। यह COP के इतिहास में एक अभूतपूर्व व्यवस्था है। परंपरागत रूप से COP का अध्यक्ष मेज़बान देश से होता है, पर इस बार तुर्किये अंताल्या में सम्मेलन की मेज़बानी करेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया के

जलवायु मंत्री क्रिस बोवेन वार्ताओं का नेतृत्व करेंगे। समझौते के अनुसार यदि दोनों देशों के विचारों में मतभेद हो, तो परस्पर संतोषजनक समाधान तक परामर्श जारी रहेगा। ऑस्ट्रेलिया प्रशांत द्वीपीय देशों के साथ मिलकर इसे 'प्रशांत COP' बनाना चाहता था, इसलिए समझौते में मुख्य सम्मेलन से पहले प्रशांत क्षेत्र में एक पूर्व-COP बैठक भी शामिल की गई।

कथन 2 सही है। संयुक्त राष्ट्र के पाँच क्षेत्रीय समूह हैं: अफ़्रीका, एशिया-प्रशांत, पूर्वी यूरोप, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन, तथा पश्चिमी यूरोप और अन्य देश (WEOG)। COP की मेज़बानी इन्हीं के बीच बारी-बारी से होती है। COP31 की मेज़बानी की ज़िम्मेदारी WEOG समूह की थी, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और तुर्किये दोनों शामिल हैं। यदि दोनों में समझौता न होता, तो सम्मेलन अपने-आप संयुक्त राष्ट्र जलवायु निकाय के मुख्यालय बॉन में चला जाता।

परीक्षक की दृष्टि: भौगोलिक रूप से ऑस्ट्रेलिया एशिया-प्रशांत में है, और तुर्किये का बड़ा भाग एशिया में। फिर भी दोनों WEOG समूह में हैं, क्योंकि ये समूह भौगोलिक नहीं, बल्कि राजनीतिक-ऐतिहासिक आधार पर बने हैं। भारत एशिया-प्रशांत समूह में है और उसने 2028 में COP33 की मेज़बानी का प्रस्ताव रखा है।

119. Answer: b

केवल 2 और 3

कथन 1 गलत है। ब्रिक्स का न कोई चार्टर है, न स्थायी सचिवालय; यह वार्षिक शिखर सम्मेलनों, मंत्रिस्तरीय बैठकों और कार्य समूहों के माध्यम से काम करता है। इसकी अध्यक्षता हर वर्ष सदस्य देशों में बारी-बारी से बदलती है। यही इसे संयुक्त राष्ट्र या सार्क जैसे औपचारिक संगठनों से अलग करता है। ब्रिक्स की एकमात्र बड़ी औपचारिक संस्था **न्यू डेवलपमेंट बैंक** (मुख्यालय शंघाई) है।

कथन 2 सही है। भारत इससे पहले 2012, 2016 और 2021 में ब्रिक्स की अध्यक्षता कर चुका था, और 2026 की अध्यक्षता उसकी चौथी थी, जो ब्रिक्स की स्थापना के 20 वर्ष पूरे होने के साथ हुई। भारत की अध्यक्षता का विषय था 'लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण'।

कथन 3 सही है। मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात 2024 में ब्रिक्स में शामिल हुए, और इंडोनेशिया 2025 में पूर्ण सदस्य बना।

ब्रिक्स का विकास:

वर्ष	घटना
2001	गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने 'BRIC' शब्द गढ़ा
2009	पहला BRIC शिखर सम्मेलन (येकातेरिनबर्ग, रूस)
2010	दक्षिण अफ़्रीका के शामिल होने से BRICS बना
2024	मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात शामिल
2025	इंडोनेशिया पूर्ण सदस्य बना

परीक्षक की दृष्टि: सऊदी अरब की सदस्यता को लेकर स्रोतों में एकरूपता नहीं है, क्योंकि उसने निमंत्रण पर औपचारिक रूप से स्पष्ट स्थिति नहीं अपनाई। इसलिए ऐसे अस्पष्ट तथ्य पर प्रश्न बनाने से बचा गया है।

120. Answer: a

A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है

A सही है। RBI ने 2025 में कुल 125 आधार अंकों की कटौती की: फ़रवरी में 25, अप्रैल में 25, जून में 50 और दिसंबर में 25, जिससे रेपो दर 5.25% पर आ गई; इसके बाद फ़रवरी, अप्रैल और जून 2026 में दर अपरिवर्तित रही। अगस्त 2026 की बैठक में भी MPC ने सर्वसम्मति से रेपो दर 5.25% पर रखी, जबकि SDF दर 5% और MSF दर तथा बैंक दर 5.5% रहीं।

R सही है और A की सही व्याख्या है। जून 2026 में RBI ने पश्चिम एशिया के संघर्ष, ऊर्जा की ऊँची कीमतों और मानसून तथा अल नीनो की अनिश्चितता का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2027 का मुद्रास्फीति अनुमान 4.6% से बढ़ाकर 5.1% कर दिया।

भारत अपनी ज़रूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है। तेल महँगा होने पर परिवहन, उर्वरक और विनिर्माण की लागत बढ़ती है, जिससे पूरी अर्थव्यवस्था में कीमतें बढ़ती हैं। इसे **आयातित मुद्रास्फीति** कहते हैं। यह आपूर्ति पक्ष की मुद्रास्फीति है, जिसे ब्याज दरें सीधे नियंत्रित नहीं कर सकतीं। पर ऐसे समय में दरें घटाने से माँग बढ़ती है, और आपूर्ति पक्ष के दबाव के ऊपर माँग का दबाव भी जुड़ जाता है। इसलिए केंद्रीय बैंक ऐसे समय में "प्रतीक्षा करो और देखो" की नीति अपनाते हैं।

कॉन्सेप्ट से जुड़ाव: यही स्थिति लंबे समय तक बनी रहे और आर्थिक वृद्धि भी धीमी हो जाए, तो वह **स्टैगफ़्लेशन** की ओर बढ़ सकती है (अर्थव्यवस्था का प्रश्न 9)। RBI के लिए यह सबसे कठिन स्थिति होती है, क्योंकि मुद्रास्फीति नियंत्रण के लिए दरें बढ़ाने से वृद्धि और धीमी होती है, और वृद्धि के लिए दरें घटाने से मुद्रास्फीति बढ़ती है। इसीलिए MPC ने 'तटस्थ' रुख बनाए रखा है।

121. Answer: c

केवल 1 और 3

GDP का आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 किया गया और नई श्रृंखला 27 फ़रवरी 2026 को जारी हुई; CPI का आधार वर्ष 2012 से बदलकर 2024 किया गया और नई श्रृंखला 12 फ़रवरी 2026 को जारी हुई; औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) का आधार वर्ष भी 2022-23 किया गया; और विनिर्माण क्षेत्र के लिए एकल के स्थान पर दोहरा अपस्फीतिकरण अपनाया गया।

कथन 1 सही है।

कथन 2 गलत है। CPI का आधार वर्ष **2024** है, 2022-23 नहीं। यह इस प्रश्न का मुख्य जाल है। GDP और IIP का आधार वर्ष वित्तीय वर्ष (2022-23) है, जबकि CPI का आधार कैलेंडर वर्ष (2024) है। नई CPI श्रृंखला के भार घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023-24 के आधार पर तय किए गए, और इसमें OTT सब्सक्रिप्शन तथा ई-कॉमर्स कीमतों जैसी आधुनिक सेवाएँ भी जोड़ी गईं।

कथन 3 सही है। एकल अपस्फीतिकरण में किसी क्षेत्र के उत्पादन के मूल्य को एक ही मूल्य सूचकांक से वास्तविक मूल्य में बदला जाता है।

दोहरे अपस्फीतिकरण में उत्पादन (output) और आगतों (inputs) को अलग-अलग मूल्य सूचकांकों से अपस्फीत किया जाता है, और फिर दोनों का अंतर लेकर वास्तविक मूल्यवर्धन निकाला जाता है। यह अधिक सटीक है, क्योंकि कच्चे माल और तैयार माल की कीमतें अलग-अलग गति से बदलती हैं।

आधार वर्ष बदलना क्यों ज़रूरी है? पुराना आधार वर्ष दशक भर पुरानी अर्थव्यवस्था की संरचना दिखाता है। 2011-12 में न UPI था, न OTT, न डिजिटल भुगतान का इतना विस्तार। नई श्रृंखला में GST, ई-वाहन और PFMS जैसे प्रशासनिक आँकड़ों का भी उपयोग किया गया है। यह अर्थव्यवस्था के प्रश्न 7 और 10 का व्यावहारिक विस्तार है।

122. Answer: d

इस सुधार के साथ पेट्रोल और डीज़ल को भी GST के दायरे में ले आया गया।

विकल्प (d) गलत है। कच्चा तेल, पेट्रोल, डीज़ल, विमानन टरबाइन ईंधन और प्राकृतिक गैस अब भी GST से बाहर हैं, और इन पर केंद्र का उत्पाद शुल्क तथा राज्यों का VAT ही लगता है। अर्थव्यवस्था के प्रश्न 12 में समझाया गया था कि संविधान इन्हें सैद्धांतिक रूप से GST के दायरे में रखता है, पर GST परिषद ने इनकी तिथि अब तक अधिसूचित नहीं की है।

कॉन्सेप्ट: कम दरें होने से वर्गीकरण के विवाद घटते हैं। पहले कई वस्तुओं को लेकर यह विवाद रहता था कि वे 12% की श्रेणी में आती हैं या 18% की। दरें घटाने से उपभोग को भी बढ़ावा मिलता है। पर इसका दूसरा पहलू यह है कि अल्पकाल में केंद्र और राज्यों के कर राजस्व पर दबाव पड़ सकता है, जो फिर राजकोषीय घाटे (अर्थव्यवस्था का प्रश्न 11) से जुड़ता है।

परीक्षक की दृष्टि: जब किसी बड़े सुधार की चर्चा होती है, तो छात्र मान लेते हैं कि उसमें सभी लंबित मुद्दे सुलझ गए होंगे। पेट्रोलियम को GST में लाना राज्यों के राजस्व से जुड़ा बेहद संवेदनशील मुद्दा है, इसलिए यह इस सुधार का हिस्सा नहीं था।

123. Answer: b

केवल 2

कथन 1 गलत है। G1 एक **मानवरहित परीक्षण उड़ान** है। इसका उद्देश्य मानवयुक्त उड़ान से पहले सभी प्रणालियों को वास्तविक अंतरिक्ष परिस्थितियों में जाँचना है। मानवयुक्त मिशन को H1 नाम दिया गया है।

कथन 2 सही है। इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन के अनुसार 'व्योममित्र' एक महिला रोबोट है, जो मॉड्यूल के मापदंडों की निगरानी करने, चेतावनी जारी करने और जीवन-रक्षक कार्य करने में सक्षम है। यह मिशन मानव-अनुकूल LVM3 (HLVM3) रॉकेट से श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित होना है, और इसरो ने इसे 2026 की चौथी तिमाही के लिए निर्धारित किया है।

कॉन्सेप्ट: 'मानव-अनुकूल' (human-rated) रॉकेट क्या है? सामान्य उपग्रह प्रक्षेपण में विफलता का अर्थ केवल आर्थिक नुकसान है, पर मानवयुक्त मिशन में यह जीवन का प्रश्न है। इसलिए रॉकेट को अतिरिक्त सुरक्षा मानकों पर खरा उतारा जाता है और उसमें **क्रू एस्केप सिस्टम** लगाया जाता है, जो किसी आपात स्थिति में क्रू मॉड्यूल को रॉकेट से तुरंत अलग कर सुरक्षित दूरी पर ले जाता है। G1 जैसी मानवरहित उड़ानें इन्हीं प्रणालियों की वास्तविक परीक्षा हैं।

सावधानी: इस मिशन की प्रक्षेपण तिथि कई बार आगे खिसकी है। परीक्षा से पहले इसकी नवीनतम स्थिति ज़रूर देख लें।

124. Answer: d

3 2 4 1

भौतिकी (जॉन क्लार्क, मिशेल डेवोरे, जॉन मार्टिनिस): क्वांटम सुरंगन (tunnelling) वह परिघटना है जिसमें कोई कण ऐसी ऊर्जा बाधा को पार कर जाता है, जिसे पार करने की ऊर्जा उसके पास शास्त्रीय भौतिकी के अनुसार नहीं होती। सामान्यतः यह परमाणु जैसे अत्यंत सूक्ष्म स्तर पर होता है। इन वैज्ञानिकों ने दिखाया कि अतिचालक (superconducting) विद्युत परिपथ में, जिसे हाथ में पकड़ा जा सकता है, यह प्रभाव स्थूल (macroscopic) स्तर पर भी दिख सकता है। यही खोज आज के **क्वांटम कंप्यूटरों** के 'क्यूबिट' की नींव है, जिसका संबंध विज्ञान के प्रश्न 15 के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन से है।

रसायन विज्ञान (सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन, उमर याघी): धातु-कार्बनिक ढाँचे ऐसे पदार्थ हैं जिनमें धातु आयन और कार्बनिक अणु मिलकर अत्यधिक छिद्रयुक्त, सुव्यवस्थित संरचना बनाते हैं। इनका आंतरिक पृष्ठ क्षेत्रफल इतना अधिक होता है कि ये गैसों को भारी मात्रा में सोख सकते हैं। इनका उपयोग वायु से कार्बन डाइऑक्साइड पकड़ने, रेगिस्तानी हवा से पानी निकालने और विषैली गैसों को छानने में हो रहा है। यही इसे जलवायु परिवर्तन के समाधानों से जोड़ता है।

चिकित्सा (मैरी ब्रंको, फ्रेड रैम्सडेल, शिमोन साकागुची): प्रतिरक्षा तंत्र को यह "जानना" होता है कि किस पर हमला करना है और किसे अपना मानकर छोड़ना है। इन वैज्ञानिकों ने **नियामक T-कोशिकाओं** की खोज और उनकी भूमिका स्पष्ट की, जो प्रतिरक्षा तंत्र को शरीर की अपनी कोशिकाओं पर हमला करने से रोकती हैं। जब यह व्यवस्था विफल होती है, तो टाइप-1 मधुमेह और रुमेटॉइड आर्थराइटिस जैसे **स्व-प्रतिरक्षी रोग** होते हैं। यह विज्ञान के प्रश्न 3 (प्रतिरक्षा) का आगे का विस्तार है।

अर्थशास्त्र (जोएल मोकिर, फ़िलिप आघियों, पीटर हॉविट): इन्होंने समझाया कि निरंतर आर्थिक वृद्धि नवाचार से कैसे आती है। आघियों और हॉविट का सिद्धांत जोसेफ़ शुम्पीटर की **'रचनात्मक विनाश' (creative destruction)** की अवधारणा पर आधारित है, यानी नई तकनीक पुरानी तकनीक और कंपनियों को हटाकर अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाती है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 3 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 2 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 4 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। D = 1 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

125. Answer: a

इस मिशन से शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) जाने वाले पहले भारतीय बने, जबकि 1984 में राकेश शर्मा ने सोवियत अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा की थी।

(a) सही है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला जून 2025 में एक्सिओम-4 मिशन के पायलट के रूप में ISS गए और जुलाई 2025 में लौटे। वे ISS जाने वाले पहले भारतीय बने। राकेश शर्मा ने अप्रैल 1984 में सोवियत संघ के **सल्यूत-7** अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा की थी और वे अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय थे।

(b) गलत है। एक्सिओम-4 अमेरिकी निजी कंपनी **एक्सिओम स्पेस** का वाणिज्यिक मिशन था, जिसमें भारत की ओर से इसरो भागीदार था। इसमें भारत के साथ पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री भी थे, और मिशन की कमांडर अनुभवी अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पेगी व्हिटसन थीं।

(c) गलत है। ISS का निर्माण 1998 में शुरू हुआ था, यानी राकेश शर्मा की यात्रा के 14 वर्ष बाद। इसलिए 1984 में ISS का अस्तित्व ही नहीं था। यह तथ्य नहीं, बल्कि कालक्रम की समझ पर आधारित विकल्प है।

(d) गलत है। यह यात्रा स्पेसएक्स के **फ़ॉल्कन-9 रॉकेट** और **क्रू ड्रैगन** यान से हुई। राकेश शर्मा की यात्रा सोयुज़ यान से हुई थी, इसलिए यह विकल्प दोनों यात्राओं को मिलाने वाले छात्रों के लिए जाल है।

गगनयान से संबंध: शुभांशु शुक्ला गगनयान के लिए चुने गए चार अंतरिक्ष यात्रियों में से एक हैं। एक्सिओम-4 का अनुभव, विशेष रूप से माइक्रोग्रैविटी में प्रयोग, डॉकिंग और अंतरिक्ष में जीवन का व्यावहारिक ज्ञान, गगनयान के लिए अत्यंत उपयोगी है (प्रश्न 12)।

126. Answer: a

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून 2026 को उत्तर प्रदेश के जयप्रकाश नारायण पक्षी विहार (सुरहा ताल) को रामसर सूची में शामिल किए जाने के साथ भारत के रामसर स्थलों की संख्या 100 हो गई।

कथन 2 सही है। जनवरी 2026 में एटा का पटना पक्षी विहार और कच्छ (गुजरात) का छारी-ढंड रामसर सूची में जुड़े, और अप्रैल 2026 में अलीगढ़ का शेखा झील पक्षी विहार भारत का 99वाँ रामसर स्थल बना। 2026 में जुड़े चार स्थलों में से तीन उत्तर प्रदेश के हैं।

कथन 3 गलत है। रामसर स्थलों की संख्या में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है, और उससे आगे ब्रिटेन (176) और मेक्सिको (144) हैं। हालाँकि भारत के पास एशिया का सबसे बड़ा रामसर नेटवर्क है, जो चीन से भी अधिक है। "एशिया में पहला" और "विश्व में पहला" का यही अंतर इस कथन को गलत बनाता है।

राज्यवार स्थिति: रामसर स्थलों की संख्या में तमिलनाडु 20 स्थलों के साथ पहले स्थान पर है, और उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर।

कॉन्सेप्ट: 2020 के बाद भारत के रामसर स्थलों की संख्या बहुत तेज़ी से बढ़ी है। पर रामसर स्थल घोषित होना अपने-आप में संरक्षण की गारंटी नहीं है। रामसर अभिसमय आर्द्रभूमियों के "विवेकपूर्ण उपयोग" पर ज़ोर देता है, और ख़तरे में पड़े स्थलों को 'मॉन्ट्रो रिकॉर्ड' में डाला जाता है (पर्यावरण का प्रश्न 13)। भारत में आर्द्रभूमियों के संरक्षण के लिए **आर्द्रभूमि (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम, 2017** और **अमृत धरोहर योजना** (2023) भी हैं।

127. Answer: b

केवल 2

कथन 1 गलत है, और यह नाम में ही छिपा है। BBNJ का अर्थ है Biodiversity **Beyond** National Jurisdiction, यानी राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से **परे** की जैव विविधता। UNCLOS के अनुसार किसी देश का अनन्य आर्थिक क्षेत्र उसकी तटरेखा से 200 समुद्री मील तक होता है। इसके आगे का समुद्र 'उच्च सागर' (high seas) कहलाता है, जो किसी एक देश का नहीं है। यह पृथ्वी के कुल महासागरीय क्षेत्र का लगभग दो-तिहाई भाग है, और अब तक इसके संरक्षण के लिए कोई व्यापक क़ानूनी ढाँचा नहीं था।

कथन 2 सही है। यह समझौता 2023 में अपनाया गया। सितंबर 2025 में 60 देशों का अनुसमर्थन पूरा होने के बाद, नियम के अनुसार 120 दिन बाद, यह जनवरी 2026 में लागू हुआ। भारत ने सितंबर 2024 में इस पर हस्ताक्षर किए थे।

समझौते के चार मुख्य स्तंभ:

स्तंभ	**अर्थ**
समुद्री आनुवंशिक संसाधन	गहरे समुद्र के जीवों से मिलने वाले आनुवंशिक संसाधनों के लाभ का न्यायसंगत बँटवारा
क्षेत्र-आधारित प्रबंधन उपकरण	उच्च सागर में समुद्री संरक्षित क्षेत्र बनाना
पर्यावरणीय प्रभाव आकलन	उच्च सागर में बड़ी गतिविधियों से पहले प्रभाव का आकलन
क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण	विकासशील देशों की सहायता

कॉन्सेप्ट से जुड़ाव: इसका पहला स्तंभ **नागोया प्रोटोकॉल** (पर्यावरण का प्रश्न 13) के "पहुँच और लाभ-साझाकरण" सिद्धांत को उच्च सागर तक ले जाता है। दूसरा स्तंभ **कुनमिंग-मॉन्ट्रियल ढाँचे** के '30x30' लक्ष्य (2030 तक 30% समुद्री क्षेत्र का संरक्षण) को हासिल करने के लिए ज़रूरी है, क्योंकि उच्च सागर के बिना यह लक्ष्य असंभव है।

128. Answer: c

A सही है, परंतु R गलत है

A सही है। यह परामर्शी राय संयुक्त राष्ट्र महासभा के 2023 के अनुरोध पर दी गई, जिसकी पहल प्रशांत महासागर के छोटे द्वीपीय देश **वानुआतु** ने की थी। न्यायालय ने सर्वसम्मति से कहा कि देशों पर केवल जलवायु संधियों के अंतर्गत ही नहीं, बल्कि सामान्य अंतरराष्ट्रीय क़ानून और मानवाधिकार क़ानून के अंतर्गत भी जलवायु की रक्षा का दायित्व है, और इस दायित्व को पूरा न करना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ग़लत कृत्य माना जा सकता है।

R गलत है। ICJ की दो प्रकार की अधिकारिता होती है, और इनका अंतर इस प्रश्न का मूल कॉन्सेप्ट है:

प्रकार	**कौन ला सकता है**	**बाध्यकारी?**

विवादास्पद (contentious) अधिकारिता	केवल देश, एक-दूसरे के विरुद्ध	हाँ, पक्षकार देशों पर
परामर्शी (advisory) अधिकारिता	संयुक्त राष्ट्र के अंग और विशिष्ट एजेंसियाँ	नहीं

परामर्शी राय क़ानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होती, पर उसका **नैतिक और क़ानूनी प्रभाव** बहुत बड़ा होता है। भविष्य में राष्ट्रीय न्यायालयों और अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में इसे अंतरराष्ट्रीय क़ानून की आधिकारिक व्याख्या के रूप में उद्धृत किया जाएगा।

राजव्यवस्था से तुलना: यह ठीक वैसा ही है जैसे भारत में **अनुच्छेद 143** के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय की परामर्शी राय राष्ट्रपति पर बाध्यकारी नहीं होती (राजव्यवस्था का प्रश्न 13)। दोनों में सिद्धांत एक ही है: परामर्श देना और आदेश देना दो अलग बातें हैं।

129. Answer: d

केवल 1, 2 और 4

कथन 1 और 2 सही हैं। यह अधिनियम ग्रामीण श्रमिकों को 125 दिनों के मज़दूरी रोज़गार का प्रावधान करता है, और खेती के व्यस्त मौसम में कृषि मज़दूरों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए राज्यों को एक वित्तीय वर्ष में कुल साठ दिनों तक का विराम काल अधिसूचित करने का अधिकार देता है। मनरेगा में यह गारंटी 100 दिनों की थी।

कथन 3 गलत है। यह इस प्रश्न का सबसे महत्वपूर्ण कॉन्सेप्ट है। मनरेगा में मज़दूरी का पूरा भार केंद्र उठाता था, जबकि नई व्यवस्था में अधिकांश राज्यों को लागत का 40% वहन करना होगा; पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों तथा विधानमंडल वाले केंद्र शासित प्रदेशों में केंद्र 90% और विधानमंडल रहित केंद्र शासित प्रदेशों में पूरा ख़र्च उठाएगा। यह वही अनुपात है जो आयुष्मान भारत (अर्थव्यवस्था का प्रश्न 14) में है।

कथन 4 सही है। 1 जुलाई से मनरेगा, 2005 का स्थान VB-G RAM G अधिनियम, 2025 ने ले लिया, और 2026-27 के लिए केंद्र ने इसके लिए ₹95,692.31 करोड़ आवंटित किए। ध्यान दें कि अधिनियम दिसंबर 2025 में पारित हुआ था, पर लागू जुलाई 2026 से हुआ। "पारित होना" और "लागू होना" का यह अंतर प्रश्न 5 जैसा ही है।

परीक्षक की दृष्टि: मनरेगा एक "माँग-आधारित" योजना थी, यानी जितने लोग काम माँगते, उतना काम और धन देना अनिवार्य था। आलोचकों का तर्क है कि नया ढाँचा बजट-आधारित आवंटन की ओर झुकता है। इसके लागू होने से पहले कई राज्यों ने वित्तपोषण, काम के आवंटन और क्रियान्वयन में बदलावों का महीनों तक राजनीतिक विरोध किया। यह राजकोषीय संघवाद का एक जीवंत उदाहरण है, जो UPPCS मुख्य परीक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है।

130. Answer: c

यह योजना कम कृषि उत्पादकता, कम फ़सल सघनता और कम ऋण उपलब्धता वाले 100 ज़िलों पर केंद्रित है, और आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम के मॉडल पर आधारित है।

(c) सही है। इसमें तीन मानदंडों के आधार पर 100 ज़िले चुने गए: कम उत्पादकता, कम फ़सल सघनता (यानी एक वर्ष में एक ही खेत पर कम बार फ़सल उगाना) और कम कृषि ऋण उपलब्धता। इस योजना में कोई नया भारी-भरकम व्यय नहीं, बल्कि कई मंत्रालयों की पहले से चल रही दर्जनों योजनाओं का **अभिसरण (convergence)** किया गया है, ताकि वे एक ही ज़िले में एक साथ और समन्वित रूप से लागू हों।

आकांक्षी ज़िला मॉडल से संबंध: 2018 में शुरू हुए आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम में पिछड़े ज़िलों को चुनकर उनकी प्रगति को संकेतकों पर मापा जाता है और ज़िलों के बीच प्रतिस्पर्धा कराई जाती है। धन-धान्य योजना इसी सोच को कृषि क्षेत्र में लागू करती है।

अन्य विकल्प क्यों गलत हैं:

(a) यह योजना जानबूझकर केवल सबसे पिछड़े ज़िलों पर केंद्रित है, सभी ज़िलों पर नहीं। यही इसकी मूल रणनीति है।

(b) यह सभी प्रकार की कृषि गतिविधियों, जैसे फ़सल विविधीकरण, सिंचाई, भंडारण और ऋण, से जुड़ी है।

(d) प्रत्यक्ष नकद अंतरण वाली कृषि योजना PM-KISAN है (अर्थव्यवस्था का प्रश्न 13)। धन-धान्य योजना संस्थागत और बुनियादी ढाँचे के सुधार पर केंद्रित है, नकद सहायता पर नहीं।

UPPCS के लिए विशेष: कृषि पर सर्वाधिक निर्भर राज्यों में होने के कारण उत्तर प्रदेश के कई ज़िले इस योजना में शामिल हैं। इस सूची में अपने प्रदेश के ज़िलों की जानकारी रखना उपयोगी है।

131. Answer: b

3-1-4-2

योजना/घटना	**समय**
प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना	17 सितंबर 2023
आयुष्मान वय वंदना कार्ड	अक्टूबर 2024
धन-धान्य कृषि योजना को मंज़ूरी	जुलाई 2025
VB-G RAM G अधिनियम का लागू होना	1 जुलाई 2026

इसलिए सही क्रम 3-1-4-2 है।

परीक्षक की दृष्टि: विकल्प (a) में विश्वकर्मा और आयुष्मान वय वंदना को उलटा गया है। यह जाल उन छात्रों के लिए है जो मानते हैं कि आयुष्मान भारत (2018) से जुड़ी हर चीज़ पुरानी होगी। पर प्रश्न में आयुष्मान भारत का **विस्तार** पूछा गया है, जो 2024 में हुआ, मूल योजना नहीं।

दूसरा जाल विकल्प (c) में है, जो VB-G RAM G को धन-धान्य से पहले रखता है। VB-G RAM G विधेयक दिसंबर 2025 में पारित हुआ, जो धन-धान्य की मंज़ूरी (जुलाई 2025) के बाद है; और प्रश्न "लागू होने" की तिथि पूछ रहा है, जो जुलाई 2026 है। दोनों तरह से VB-G RAM G अंतिम स्थान पर ही आता है।

132. Answer: d

1, 2 और 3

कथन 1 और 2 सही हैं। विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी सूचकांक 2026 में भारत 131वें स्थान पर बना रहा, जबकि आइसलैंड, फ़िनलैंड और नॉर्वे

शीर्ष तीन स्थानों पर रहे। 145 देशों के इस सूचकांक में भारत से नीचे केवल 14 देश रहे, और भारत का लैंगिक समानता स्कोर 64.5% रहा, जो वैश्विक औसत से कम है।

कथन 3 सही है। यह इस प्रश्न का सबसे महत्वपूर्ण कॉन्सेप्ट है। यह सूचकांक महिलाओं और पुरुषों के बीच के अंतर को मापता है, निरपेक्ष स्तर को नहीं; इसलिए समान परिणामों वाला कोई गरीब देश, असमान परिणामों वाले किसी अमीर देश से ऊपर रह सकता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी देश में पुरुषों और महिलाओं दोनों की साक्षरता कम हो पर बराबर हो, तो शिक्षा के उप-सूचकांक में उसका स्कोर पूर्ण होगा। यही कारण है कि नामीबिया जैसे देश शीर्ष दस में आते हैं।

इसके चार उप-सूचकांक और भारत का प्रदर्शन:

उप-सूचकांक	भारत की स्थिति
आर्थिक भागीदारी और अवसर	सबसे कमज़ोर पक्ष
शैक्षिक उपलब्धि	उच्च समानता
स्वास्थ्य और उत्तरजीविता	जन्म के समय लिंगानुपात के कारण चुनौती
राजनीतिक सशक्तिकरण	भारत का सबसे अच्छा उप-सूचकांक

2026 में राजनीतिक सशक्तिकरण भारत का सर्वोच्च रैंक वाला उप-सूचकांक रहा, जिसमें 24.5% अंतर पाटा गया और वैश्विक स्थान 67वाँ रहा।

परीक्षक की दृष्टि: WEF के अन्य प्रमुख प्रकाशन हैं: वैश्विक जोखिम रिपोर्ट, नौकरियों का भविष्य रिपोर्ट, और यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक। इन्हें प्रश्न 23 में दी गई अन्य संस्थाओं की रिपोर्टों से अलग करके याद रखें।

133. Answer: a

यह बानू मुश्ताक के कन्नड़ कहानी-संग्रह 'हार्ट लैंप' को मिला, जिसका अंग्रेज़ी अनुवाद दीपा भास्ती ने किया।

(a) सही है। कर्नाटक की लेखिका, वकील और सामाजिक कार्यकर्ता बानू मुश्ताक के कहानी-संग्रह 'हार्ट लैंप' को 2025 का अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार पाने वाला पहला **कहानी-संग्रह** है, क्योंकि इससे पहले यह उपन्यासों को ही मिलता रहा था। इसकी कहानियाँ दक्षिण भारत की मुस्लिम महिलाओं के जीवन, पितृसत्ता और सामाजिक संघर्षों पर केंद्रित हैं।

(b) गलत है। यह किसी भारतीय भाषा की कृति को मिलने वाला **दूसरा** अंतरराष्ट्रीय बुकर था। पहला 2022 में गीतांजलि श्री के हिंदी उपन्यास **'रेत समाधि'** को मिला था, जिसका अंग्रेज़ी अनुवाद 'टॉम्ब ऑफ़ सैंड' के नाम से डेज़ी रॉकवेल ने किया था। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में जन्मी गीतांजलि श्री के कारण यह तथ्य UPPCS के लिए भी महत्वपूर्ण है।

(c) गलत है। अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार की विशेषता यह है कि इसकी राशि लेखक और अनुवादक के बीच **बराबर बाँटी** जाती है। यह अनुवाद को एक स्वतंत्र रचनात्मक कार्य के रूप में सम्मान देता है।

(d) गलत है। यह इस पुरस्कार की मूल परिभाषा के विपरीत है। अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार उन कृतियों को मिलता है जो **किसी अन्य भाषा से अंग्रेज़ी में अनूदित** होकर ब्रिटेन या आयरलैंड में प्रकाशित हुई हों। मूल रूप से अंग्रेज़ी में लिखी कृतियों के लिए अलग **बुकर पुरस्कार** है।

सावधानी: 2026 के अंतरराष्ट्रीय बुकर और अन्य साहित्यिक पुरस्कारों की नवीनतम जानकारी भी परीक्षा से पहले ज़रूर देख लें।

134. Answer: c

3 2 1 4

वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट (WEF): इसे प्रश्न 21 में विस्तार से समझाया गया है।

मानव विकास रिपोर्ट (UNDP): इसमें **मानव विकास सूचकांक (HDI)** होता है, जो तीन आयामों पर आधारित है: दीर्घ और स्वस्थ जीवन (जन्म के समय जीवन प्रत्याशा), ज्ञान (स्कूली शिक्षा के वर्ष) और जीवन स्तर (प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय)। इसकी अवधारणा पाकिस्तानी अर्थशास्त्री **महबूब-उल-हक़** ने भारतीय अर्थशास्त्री **अमर्त्य सेन** के 'क्षमता दृष्टिकोण' के आधार पर 1990 में दी थी।

विश्व आर्थिक परिदृश्य (IMF): इसमें वैश्विक और देशवार आर्थिक वृद्धि, मुद्रास्फीति और अन्य अनुमान होते हैं, और यह वर्ष में दो बार (अप्रैल और अक्टूबर) प्रकाशित होता है। इसके नाम में "Economic" शब्द होने के कारण छात्र इसे विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum) से जोड़ देते हैं। यह इस प्रश्न का मुख्य जाल है, और विकल्प (a) इसी पर बना है।

विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट (SDSN और सहयोगी): इसे संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास समाधान नेटवर्क, गैलप और ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर जैसे सहयोगी मिलकर तैयार करते हैं। इसका आधार लोगों द्वारा अपने जीवन का स्वयं किया गया मूल्यांकन है। इसमें फ़िनलैंड लगातार कई वर्षों से शीर्ष पर रहा है।

नामों से जुड़े जाल:

मिलते-जुलते नाम	वास्तविक प्रकाशक
World Economic **Outlook**	IMF
World Economic **Forum** की रिपोर्टें	WEF
World **Development** Report	विश्व बैंक
Human Development Report	UNDP

विकल्प-विश्लेषण: A = 3 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 2 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 1 जानने पर (b) और (c) बचते हैं। D = 4 जानने पर (a), (b) और (c) बचते हैं।

135. Answer: b

केवल 2

कथन 1 गलत है। यह एक्सप्रेसवे मेरठ के बिजौली से प्रयागराज के जूडापुर दांदू तक जाता है। आगरा से शुरू होने वाले एक्सप्रेसवे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे हैं, इसलिए छात्र यहाँ भ्रमित होते हैं।

यह 12 ज़िलों से होकर गुज़रता है: मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूँ, शाहजहाँपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज।

कथन 2 सही है। प्रधानमंत्री ने 29 अप्रैल 2026 को हरदोई ज़िले में इस 594 किमी लंबे एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया; इसे UPEIDA ने विकसित किया है और यह उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे है।

भूगोल से जुड़ाव: इस एक्सप्रेसवे पर गंगा और रामगंगा नदियों पर बड़े पुल हैं। भूगोल के प्रश्न 15 में समझाया गया था कि रामगंगा गंगा की बाएँ तट की सहायक नदी है, जो कन्नौज के पास गंगा से मिलती है। यह एक्सप्रेसवे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पूर्वी उत्तर प्रदेश से जोड़ते हुए गंगा के समानांतर चलता है, इसीलिए इसका नाम गंगा एक्सप्रेसवे है।

आर्थिक महत्व: इस एक्सप्रेसवे के साथ 12 औद्योगिक नोड विकसित किए जाने हैं। यह "एक्सप्रेसवे-आधारित औद्योगिक गलियारे" की अवधारणा है, जिसमें सड़क केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास और क्षेत्रीय संतुलन का आधार बनती है।

136. Answer: a

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। 15 जून 2026 को इस हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक उड़ानें औपचारिक रूप से शुरू हुईं, और पहली निर्धारित इंडिगो उड़ान लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से यहाँ पहुँची।

कथन 2 सही है। इसके पहले चरण का विकास लगभग ₹11,200 करोड़ के निवेश से सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर हुआ है। इसे यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड विकसित कर रही है, जो ज़्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल AG की विशेष प्रयोजन कंपनी है।

कथन 3 गलत है। इसे दिल्ली-NCR की सेवा करने वाले दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया गया है, जो दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का पूरक है।

तकनीकी विशेषताएँ: इसमें 3,900 मीटर लंबा रनवे है, जो चौड़े आकार वाले विमानों को संभाल सकता है, और इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम जैसी आधुनिक प्रणालियाँ हैं, जिनसे हर मौसम में चौबीसों घंटे संचालन संभव है। पहले चरण की क्षमता लगभग 1.2 करोड़ यात्री प्रति वर्ष है।

कॉन्सेप्ट (PPP): PPP मॉडल में सरकार भूमि और नियामक सहायता देती है, जबकि निजी कंपनी पूँजी, तकनीक और संचालन की विशेषज्ञता लाती है। निजी कंपनी एक निश्चित अवधि (रियायत अवधि) तक संचालन करके अपनी लागत और लाभ वसूलती है। इस मॉडल में सरकार पर बजट का बोझ कम पड़ता है, पर यात्रियों से लिए जाने वाले शुल्कों के नियमन की चुनौती रहती है। यह अर्थव्यवस्था के राजकोषीय घाटे (प्रश्न 11) से भी जुड़ता है, क्योंकि PPP सरकार को बिना सीधे उधार लिए बड़ा बुनियादी ढाँचा बनाने में मदद करता है।

137. Answer: d

3 1 4 2

पटना पक्षी विहार (एटा): इसे 2026 की शुरुआत में रामसर सूची में जोड़ा गया, और यह भारत का 97वाँ रामसर स्थल बना। **सावधानी:** इसका नाम बिहार की राजधानी पटना जैसा है, पर यह उत्तर प्रदेश के एटा ज़िले में स्थित है। यही इस प्रश्न का पहला जाल है।

शेखा झील पक्षी विहार (अलीगढ़): यह अप्रैल 2026 में भारत का 99वाँ रामसर स्थल बना। यह ऊपरी गंगा नहर के पास स्थित है और सर्दियों में प्रवासी पक्षियों का प्रमुख ठिकाना है।

सूर सरोवर (आगरा): यह 2020 में रामसर स्थल बना। पर्यावरण के प्रश्न 12 में समझाया गया था कि इसे इटावा से जोड़ना एक आम गलती है।

सुरहा ताल (बलिया): 5 जून 2026 को इसे शामिल किए जाने से भारत के रामसर स्थलों की संख्या 100 हुई। यह एक गोखुर झील (oxbow lake) है, जो गंगा के पुराने मार्ग से बनी है। इसका नाम बलिया के ही सिताबदियारा में जन्मे लोकनायक **जयप्रकाश नारायण** के नाम पर है।

भूगोल से जुड़ाव: पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार की कई आर्द्रभूमियाँ गोखुर झीलें हैं। मैदानी भाग में नदी जब घुमावदार मार्ग (meander) बनाकर बहती है, तो कभी-कभी वह अपना मोड़ छोड़कर सीधा रास्ता ले लेती है, और पुराना मोड़ एक अर्धचंद्राकार झील के रूप में अलग हो जाता है। यह प्रक्रिया भौतिक भूगोल के नदी-निक्षेपण स्थलरूपों से जुड़ी है।

विकल्प-विश्लेषण: A = 3 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 1 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 4 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। D = 2 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

138. Answer: c

3-4-1-2

घटना	समय
प्रयागराज महाकुंभ	13 जनवरी से 26 फ़रवरी 2025
पटना पक्षी विहार का रामसर स्थल बनना	जनवरी 2026
गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन	29 अप्रैल 2026
जेवर हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ानें	15 जून 2026

इसलिए सही क्रम 3-4-1-2 है।

परीक्षक की दृष्टि: पहले और अंतिम स्थान तय करने में कठिनाई नहीं होती। असली परीक्षा पटना पक्षी विहार और गंगा एक्सप्रेसवे के बीच है। विकल्प (a) में एक्सप्रेसवे को पहले रखा गया है, क्योंकि यह परियोजना कई वर्षों से ख़बरों में थी और छात्र मान लेते हैं कि इसका उद्घाटन पहले हो चुका होगा। विकल्प (d) में एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डे को उलटा गया है, क्योंकि जेवर हवाई अड्डे की चर्चा भी लंबे समय से थी और उसकी तिथि कई बार आगे खिसकी।

महाकुंभ पर अतिरिक्त तथ्य: महाकुंभ हर 12 वर्ष में और पूर्ण कुंभ के 12 चक्रों (144 वर्ष) पर विशेष महत्व के साथ होता है। 2025 के आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने दिसंबर 2024 में एक अस्थायी **'महाकुंभ मेला' ज़िला** भी बनाया था। कुंभ मेला 2017 से यूनेस्को की **अमूर्त सांस्कृतिक विरासत** सूची में शामिल है, जो इसे कला एवं संस्कृति खंड से भी जोड़ता है।

139. Answer: b

केवल 2

कथन 1 गलत है। इसका पहला भाग सही है: बुंदेलखंड, और सोनभद्र-मिर्ज़ापुर का विंध्य क्षेत्र, प्राचीन प्रायद्वीपीय पठार का उत्तरी किनारा है। पर दूसरा भाग गलत है। यहाँ की मिट्टी गंगा के मैदान की जलोढ़ मिट्टी नहीं है, बल्कि प्राचीन चट्टानों के अपक्षय से बनी **स्वस्थानिक** मिट्टी है (भूगोल का प्रश्न 7)। बुंदेलखंड की मिट्टियों के स्थानीय नाम परीक्षा में बार-बार पूछे जाते हैं:

मिट्टी	विशेषता
मार (काली मिट्टी)	काली, चिकनी; नमी धारण क्षमता अधिक
काबर	काली मिट्टी का हल्का रूप; सूखने पर कड़ी होकर दरारें पड़ती हैं
पड़ुवा	हल्की भूरी-पीली, बलुई दोमट
राकड़	लाल-भूरी, पथरीली, कम उपजाऊ

कथन 2 सही है। शिवालिक की तलहटी में नदियाँ तेज़ ढाल से उतरते ही अपना भारी भार, यानी बड़े कंकड़-पत्थर, जमा कर देती हैं। इस पट्टी को **भाबर** कहते हैं। यह जमाव इतना छिद्रयुक्त होता है कि छोटी नदियाँ इसमें समाकर भूमिगत बहने लगती हैं। भाबर के दक्षिण में, जहाँ ढाल कम होता है और महीन मिट्टी जमा होती है, वहाँ ये नदियाँ फिर सतह पर निकल आती हैं। इस दलदली, नम और घने जंगलों वाली पट्टी को **तराई** कहते हैं।

भौतिक भूगोल से जुड़ाव: पर्यावरण के प्रश्न 11 और 12 में आए दुधवा, पीलीभीत और कतर्नियाघाट, सभी तराई क्षेत्र में हैं। तराई की नम और उपजाऊ दशाएँ ही घास के ऊँचे मैदानों और बाघ, गैंडे तथा बारहसिंगे जैसे वन्यजीवों के आवास का आधार हैं। इस तरह एक भौतिक प्रक्रिया, यानी नदियों का भूमिगत होकर फिर सतह पर आना, पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को जन्म देती है।

140. Answer: d

3 4 2 1

बेतवा (विंध्य श्रेणी, रायसेन): यह मध्य प्रदेश के रायसेन ज़िले के कुमरा गाँव के पास विंध्य श्रेणी से निकलती है और उत्तर-पूर्व की ओर बहकर **हमीरपुर** के पास यमुना में मिलती है। ओरछा और झाँसी इसी के क्षेत्र में हैं।

केन (कैमूर श्रेणी): यह मध्य प्रदेश के जबलपुर ज़िले में कैमूर श्रेणी से निकलती है, पन्ना टाइगर रिज़र्व से होकर बहती है, और **बांदा** ज़िले में चिल्ला के पास यमुना में मिलती है।

गोमती (फुल्हर झील): यह पीलीभीत ज़िले की फुल्हर झील (गोमत ताल) से निकलती है। यह पूरी तरह उत्तर प्रदेश में बहने वाली नदी है और लखनऊ व जौनपुर इसके तट पर हैं। यह हिमालय से नहीं, बल्कि मैदान की एक झील से निकलती है, इसलिए यह मुख्यतः वर्षा और भूजल पर निर्भर है।

रामगंगा (दूधातोली पहाड़ियाँ): यह उत्तराखंड की दूधातोली पहाड़ियों से निकलती है, जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान से होकर बहती है, और कन्नौज के पास गंगा में मिलती है (भूगोल का प्रश्न 15)।

परीक्षक की दृष्टि: गोमती और रामगंगा दोनों गंगा के बाएँ तट की सहायक नदियाँ हैं, पर एक मैदान से निकलती है और दूसरी पहाड़ से। विकल्प (c) इन्हीं दोनों को उलटकर बनाया गया है।

समसामयिकी से जुड़ाव: केन-बेतवा लिंक परियोजना। यह **राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना** के अंतर्गत नदी-जोड़ो की पहली परियोजना है, जिसकी आधारशिला दिसंबर 2024 में खजुराहो में रखी गई। इसमें केन नदी पर **दौधन बाँध** बनाकर उसका अतिरिक्त जल नहर से बेतवा बेसिन में भेजा जाएगा, जिससे बुंदेलखंड के सूखाग्रस्त ज़िलों (उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों) को सिंचाई और पेयजल मिलेगा। इसकी सबसे बड़ी पर्यावरणीय चिंता यह है कि बाँध का डूब क्षेत्र **पन्ना टाइगर रिज़र्व** के एक भाग को प्रभावित करेगा। यह विकास और संरक्षण के टकराव का वैसा ही उदाहरण है, जैसा पर्यावरण के प्रश्न 5 में सोन चिरैया और ऊर्जा परियोजनाओं का था।

विकल्प-विश्लेषण: A = 3 जानने पर (a), (c) और (d) बचते हैं। B = 4 जानने पर (c) और (d) बचते हैं। C = 2 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। D = 1 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं।

141. Answer: a

3-2-4-1

घटना	तिथि	स्थान
1857 के विद्रोह का प्रारंभ	10 मई 1857	मेरठ
लखनऊ समझौता	दिसंबर 1916	लखनऊ
चौरी-चौरा	4 फ़रवरी 1922	गोरखपुर
काकोरी ट्रेन एक्शन	9 अगस्त 1925	लखनऊ के पास

इसलिए सही क्रम 3-2-4-1 है।

घटनाओं के बीच कारण-परिणाम का संबंध: चौरी-चौरा में उत्तेजित भीड़ ने पुलिस थाने में आग लगा दी, जिसमें 22 पुलिसकर्मी मारे गए। इस हिंसा से आहत होकर गांधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया। आंदोलन की अचानक वापसी से कई युवा क्रांतिकारी अहिंसा के मार्ग से निराश हुए और उन्होंने सशस्त्र क्रांति का रास्ता चुना। इसी पृष्ठभूमि में **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA)** बना, जिसके सदस्यों ने संगठन के लिए धन जुटाने हेतु काकोरी में सरकारी ख़ज़ाना ले जा रही ट्रेन को रोका।

यानी चौरी-चौरा (1922) के बिना काकोरी (1925) की पृष्ठभूमि समझी ही नहीं जा सकती। यही कारण-परिणाम याद रखने पर विकल्प (d) का जाल अपने-आप कट जाता है, जिसमें काकोरी को चौरी-चौरा से पहले रखा गया है।

काकोरी पर अतिरिक्त तथ्य: इस घटना के लिए 1927 में **रामप्रसाद 'बिस्मिल', अशफ़ाक़उल्ला ख़ाँ, राजेंद्र लाहिड़ी** और **रोशन सिंह** को फाँसी दी गई। 2021 में उत्तर प्रदेश सरकार ने इसका नाम 'काकोरी ट्रेन

डकैती' से बदलकर 'काकोरी ट्रेन एक्शन' कर दिया, और 2025 में इसके 100 वर्ष पूरे हुए।

142. Answer: c

केवल 1 और 3

कथन 1 सही है। कजरी सावन-भादो में गाया जाने वाला लोकगीत है, जिसमें वर्षा, विरह और प्रकृति का वर्णन होता है। इसका नाम 'कजरा' (काले बादल) से जुड़ा माना जाता है। **मिर्ज़ापुर** को कजरी का गढ़ कहा जाता है। बनारस घराने के शास्त्रीय गायकों, विशेषकर गिरिजा देवी, ने इसे उपशास्त्रीय संगीत में प्रतिष्ठित स्थान दिलाया।

कथन 2 गलत है। कथक का लखनऊ घराना अवध के नवाबों, विशेष रूप से **नवाब वाजिद अली शाह** (19वीं शताब्दी), के संरक्षण में फला-फूला। वाजिद अली शाह स्वयं कथक के कलाकार थे। इस घराने में ठाकुर प्रसाद, बिंदादीन महाराज और कालका प्रसाद प्रमुख थे, और आधुनिक युग में **पंडित बिरजू महाराज** इसके सबसे प्रसिद्ध कलाकार रहे। लखनऊ घराने की विशेषता भाव, अभिनय और नज़ाकत (कोमलता) है।

कथक के प्रमुख घराने:

घराना	संरक्षण	विशेषता
लखनऊ	अवध के नवाब	भाव, अभिनय, कोमलता
जयपुर	राजपूत दरबार	तेज़ पदचालन (तत्कार), जटिल लयकारी
बनारस	—	नटवरी बोलों पर ज़ोर, भक्ति भाव

कथन 3 सही है। रामलीला, यानी रामायण की पारंपरिक नाट्य प्रस्तुति, को 2008 में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के रामनगर की रामलीला सबसे प्रसिद्ध है, जो लगभग एक महीने तक चलती है और जिसमें पूरा नगर ही मंच बन जाता है। समसामयिकी के प्रश्न 27 में आया **कुंभ मेला** भी 2017 से इसी सूची में है।

143. Answer: d

A गलत है, परंतु R सही है

A गलत है। उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन में देश में **पहले** स्थान पर है। देश के कुल दुग्ध उत्पादन में इसका हिस्सा लगभग 15–16% है। इसके बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात आते हैं। भारत स्वयं विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, जिसका श्रेय 1970 में शुरू हुए **ऑपरेशन फ़्लड** (श्वेत क्रांति) और डॉ. वर्गीज़ कुरियन को जाता है।

R सही है। 20वीं पशुधन गणना (2019) के अनुसार उत्तर प्रदेश में देश की सबसे अधिक पशुधन आबादी है। इसके बाद राजस्थान और मध्य प्रदेश हैं।

कॉन्सेप्ट: अभिकथन-कारण प्रश्नों में यदि A गलत हो, तो R उसकी व्याख्या हो ही नहीं सकता, इसलिए विकल्प (a) और (b) अपने-आप कट जाते हैं। तब केवल यह देखना होता है कि R सही है या नहीं।

एक सूक्ष्म बिंदु यह है कि यहाँ R वास्तव में उत्तर प्रदेश के दुग्ध उत्पादन में **पहले** स्थान का एक बड़ा कारण है। यानी R सही होते हुए भी A का "दूसरे स्थान" वाला दावा गलत है। जो छात्र R को सही जानकर A पर भी भरोसा कर लेता है, वह फँस जाता है।

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के अन्य प्रमुख स्थान: गन्ना उत्पादन में उत्तर प्रदेश लंबे समय से देश में पहले स्थान पर है, और गेहूँ तथा आलू उत्पादन में भी यह अग्रणी राज्यों में है। गन्ने की अधिकता के कारण उत्तर प्रदेश इथेनॉल उत्पादन में भी प्रमुख राज्य बन गया है, जो पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम से जुड़ता है।

144. Answer: a

केवल 1 और 2

कथन 1 सही है। ODOP योजना 24 जनवरी 2018 को, यानी **उत्तर प्रदेश दिवस** के अवसर पर शुरू हुई। इसका विचार यह था कि हर ज़िले का कोई न कोई पारंपरिक, विशिष्ट उत्पाद होता है, जिसकी पहचान, कौशल और बाज़ार पहले से मौजूद है। उस उत्पाद को वित्त, विपणन, प्रशिक्षण और ब्रांडिंग के माध्यम से वैश्विक स्तर तक पहुँचाया जाए। इस मॉडल की सफलता के बाद केंद्र सरकार ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया और इसे **'ज़िले निर्यात केंद्र के रूप में'** (Districts as Export Hubs) पहल से जोड़ा।

कथन 2 सही है। 2025 के उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी के ODOP मंडप में भदोही के कालीन, फ़िरोज़ाबाद का काँच का काम, मुरादाबाद की धातु की वस्तुएँ और सहारनपुर की लकड़ी की नक्काशी जैसे ज़िलों के विशिष्ट उत्पाद प्रदर्शित किए गए।

कथन 3 गलत है। ODOP में हस्तशिल्प, हथकरघा, धातु शिल्प, चमड़ा उत्पाद, खेल सामग्री, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि उत्पाद, सभी शामिल हैं।

प्रमुख ODOP उत्पाद:

ज़िला	उत्पाद
वाराणसी	बनारसी साड़ी (रेशम)
लखनऊ	चिकनकारी
कन्नौज	इत्र
आगरा	चमड़े के उत्पाद
मेरठ	खेल सामग्री
भदोही	कालीन

कॉन्सेप्ट से जुड़ाव: ODOP क्लस्टर-आधारित विकास का उदाहरण है। जब किसी एक क्षेत्र में एक ही उद्योग की अनेक इकाइयाँ हों, तो कुशल श्रमिक, कच्चा माल, विशेष मशीनें और ख़रीदार सब आसानी से मिल जाते हैं, जिससे सबकी लागत घटती है। अर्थशास्त्र में इसे **'संकुलन मितव्ययिताएँ'** (agglomeration economies) कहते हैं। इन्हीं उत्पादों में से कई को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग भी मिला है, जो उनकी विशिष्टता को क़ानूनी संरक्षण देता है।

145. Answer: c

इसमें बालिका के जन्म से लेकर उच्च शिक्षा में प्रवेश तक, जीवन के विभिन्न चरणों में किस्तों में राशि दी जाती है।

(c) सही है। इस योजना की मूल विशेषता यह है कि राशि एक साथ नहीं, बल्कि बालिका के जीवन के छह चरणों में दी जाती है: जन्म, पूर्ण टीकाकरण, और फिर शिक्षा के अलग-अलग पड़ावों (कक्षा 1, कक्षा 6, कक्षा 9 में प्रवेश, और कक्षा 12 के बाद स्नातक या डिप्लोमा में प्रवेश) पर। कुल सहायता राशि में समय-समय पर वृद्धि हुई है, इसलिए परीक्षा से पहले नवीनतम राशि ज़रूर देख लें।

यह किस्तों वाली संरचना क्यों? यह योजना एक **'सशर्त नकद अंतरण'** है। हर किस्त किसी वांछित व्यवहार से जुड़ी है: टीकाकरण पूरा कराना, और बालिका को स्कूल में बनाए रखना। इसका उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि परिवार को बालिका के स्वास्थ्य और शिक्षा पर लगातार ध्यान देने के लिए प्रेरित करना है। यदि पूरी राशि विवाह के समय दी जाती (विकल्प b), तो यह बालिका को "विवाह के बोझ" के रूप में देखने वाली सोच को ही बढ़ावा देती, जबकि योजना का उद्देश्य उसे शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है।

अन्य विकल्प क्यों गलत हैं: योजना आय-आधारित है, जाति-आधारित नहीं, इसलिए (a) गलत है। पात्रता के लिए परिवार की वार्षिक आय की एक सीमा है और एक परिवार की अधिकतम दो बालिकाएँ पात्र हैं। यह राज्य सरकार की योजना है, इसलिए (d) भी गलत है।

समसामयिकी से जुड़ाव: समसामयिकी के प्रश्न 21 में समझाया गया था कि वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक में भारत की एक बड़ी चुनौती **जन्म के समय लिंगानुपात** और **आर्थिक भागीदारी** है। कन्या सुमंगला जैसी योजनाएँ इन्हीं दोनों संकेतकों पर राज्य स्तर का प्रयास हैं: जन्म पर प्रोत्साहन और शिक्षा के माध्यम से भविष्य की आर्थिक भागीदारी।

146. Answer: b

4 1 2 3

मिशन शक्ति: यह अक्टूबर 2020 में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर शुरू हुआ। इसके तीन स्तंभ हैं: नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन। इसके अंतर्गत थानों में महिला हेल्प डेस्क, जागरूकता अभियान और महिलाओं के लिए आजीविका कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

ऑपरेशन कायाकल्प: यह बेसिक शिक्षा विभाग का अभियान है, जिसका उद्देश्य परिषदीय विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, फ़र्नीचर, बिजली और स्मार्ट कक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। इसमें ग्राम पंचायतों के संसाधनों को भी जोड़ा गया है।

निवेश मित्र: यह उत्तर प्रदेश का **एकल खिड़की स्वीकृति पोर्टल** है, जहाँ निवेशक उद्योग लगाने के लिए आवश्यक सभी विभागीय अनुमतियों के लिए एक ही जगह ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार यह व्यवस्था निवेश को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है, और इसके साथ ऐसी नीति भी है जिसमें आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र 72 घंटों के भीतर दिए जाते हैं।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (CM-YUVA): यह जनवरी 2025 में उत्तर प्रदेश दिवस पर शुरू हुआ। इसमें युवाओं को सूक्ष्म उद्यम शुरू करने के लिए ब्याज-मुक्त और ज़मानत-मुक्त ऋण दिया जाता है, साथ ही प्रशिक्षण भी। यह केंद्र की मुद्रा योजना (अर्थव्यवस्था का प्रश्न 13) से इस अर्थ में अलग है कि इसमें ब्याज का भार राज्य सरकार उठाती है।

परीक्षक की दृष्टि: 'कायाकल्प' शब्द सुनकर छात्र इसे स्वास्थ्य या महिलाओं से जुड़ी योजना मान लेते हैं, जबकि यह विद्यालयों से जुड़ी है। विकल्प (c) इसी भ्रम पर बनाया गया है, जिसमें मिशन शक्ति और ऑपरेशन कायाकल्प के उद्देश्य आपस में बदल दिए गए हैं।

विकल्प-विश्लेषण: A = 4 जानने पर (a), (b) और (d) बचते हैं। B = 1 जानने पर (b) और (d) बचते हैं। C = 2 जानने पर (b) और (c) बचते हैं। D = 3 जानने पर (a), (b) और (c) बचते हैं।

147. Answer: a

A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है

पृष्ठभूमि: उत्तर प्रदेश सरकार ने 2026-27 के लिए लगभग ₹9.13 लाख करोड़ का बजट प्रस्तुत किया, जो राज्य के इतिहास का सबसे बड़ा बजट है, और इसमें ₹1.77 लाख करोड़ से अधिक का पूँजीगत परिव्यय प्रस्तावित है।

A सही है। PRS के बजट विश्लेषण के अनुसार 2026-27 में राजस्व अधिशेष GSDP का 1.6% (₹64,458 करोड़) अनुमानित है, जबकि राजकोषीय घाटे का लक्ष्य GSDP का 3% (₹1.18 लाख करोड़) रखा गया है।

R सही है और A की सही व्याख्या है। यह प्रश्न अर्थव्यवस्था के प्रश्न 11 के सूत्रों का व्यावहारिक उपयोग है:

राजस्व घाटा = राजस्व व्यय – राजस्व प्राप्तियाँ

राजकोषीय घाटा = कुल व्यय – (राजस्व प्राप्तियाँ + गैर-ऋण पूँजीगत प्राप्तियाँ)

राजस्व व्यय में वेतन, पेंशन, ब्याज और सब्सिडी जैसे चालू ख़र्च आते हैं। राजस्व अधिशेष का अर्थ है कि राज्य की अपनी आय इन चालू ख़र्चों से अधिक है, यानी राज्य अपने दैनिक ख़र्च उधार लेकर नहीं चला रहा। पर राजकोषीय घाटे में **पूँजीगत व्यय** भी शामिल होता है: एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डे, पुल और अस्पताल जैसी परिसंपत्तियाँ। इनके लिए राजस्व अधिशेष से मिली राशि पर्याप्त नहीं होती, इसलिए शेष के लिए उधार लेना पड़ता है।

कॉन्सेप्ट: अर्थशास्त्र की दृष्टि से यह "अच्छा उधार" है। उधार लेकर वेतन देना (राजस्व घाटा) भविष्य पर बोझ है, जबकि उधार लेकर एक्सप्रेसवे बनाना (पूँजीगत व्यय) भविष्य में आय और आर्थिक वृद्धि पैदा करने वाली परिसंपत्ति बनाता है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में, जहाँ गंगा एक्सप्रेसवे और जेवर हवाई अड्डे जैसी परियोजनाएँ चल रही हैं (समसामयिकी के प्रश्न 24–25), यह संरचना इसी सोच को दर्शाती है।

संवैधानिक संदर्भ: राज्यों के राजकोषीय घाटे की सीमा उनके अपने **राजकोषीय उत्तरदायित्व अधिनियम** और वित्त आयोग की सिफ़ारिशों से तय होती है, जो सामान्यतः GSDP का 3% है। अनुच्छेद 293 के अनुसार यदि किसी राज्य पर केंद्र का ऋण बकाया है, तो उसे नया उधार लेने के लिए केंद्र की सहमति चाहिए।

148. Answer: d

1, 2 और 3

कथन 1 सही है। UPITS का चौथा संस्करण 25 से 29 सितंबर 2026 तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित हो रहा है। इससे पहले तीन संस्करण 2023, 2024 और 2025 में हो चुके हैं।

कथन 2 सही है। 2023 के पहले संस्करण का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया था, दूसरे संस्करण का तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने, और 2025 के तीसरे संस्करण का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। 2025 के संस्करण में **रूस** पहली बार भागीदार देश बना था।

कथन 3 सही है। चौथा संस्करण उत्तर प्रदेश सरकार भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (FIEO) के सहयोग से आयोजित कर रही है। FIEO की स्थापना 1965 में वाणिज्य मंत्रालय और निजी क्षेत्र के सहयोग से हुई थी, और यह भारत में निर्यात संवर्धन की शीर्ष संस्था है।

UPITS का कॉन्सेप्ट: 'होस्टेड बायर' मॉडल। चौथे संस्करण में पात्र विदेशी ख़रीदारों के लिए 'होस्टेड बायर प्रोग्राम' है, जिसमें उन्हें हवाई किराए की आंशिक प्रतिपूर्ति दी जाती है। इसका तर्क यह है कि उत्तर प्रदेश के छोटे निर्माताओं और कारीगरों के लिए विदेश जाकर ख़रीदार खोजना महँगा है। इसलिए सरकार ख़रीदारों को ही उत्तर प्रदेश ले आती है। यह ODOP (प्रश्न 6) को "स्थानीय से वैश्विक" बनाने की व्यावहारिक रणनीति है।

परीक्षक की दृष्टि: इस प्रश्न के तीनों कथन सही हैं। तीनों के तथ्य अलग-अलग संस्करणों (पहला, तीसरा और चौथा) से लिए गए हैं, ताकि केवल हाल की ख़बर पढ़ने वाला छात्र कथन 2 पर संदेह कर बैठे।

149. Answer: c

केवल 1 और 3

कथन 1 सही है। राष्ट्रीय प्रतीक को 26 जनवरी 1950 को अपनाया गया। मूल सिंह-शीर्ष में चार सिंह पीठ से पीठ सटाकर खड़े हैं, पर प्रतीक में केवल तीन दिखाई देते हैं, और चौथा पीछे छिपा रहता है। आधार पर धर्मचक्र, बैल और घोड़ा अंकित हैं। मूल सिंह-शीर्ष **सारनाथ संग्रहालय (वाराणसी, उत्तर प्रदेश)** में सुरक्षित है। 'सत्यमेव जयते' **मुंडक उपनिषद** से लिया गया है और देवनागरी लिपि में अंकित है।

कथन 2 गलत है। भारत का राष्ट्रीय पंचांग **शक संवत** पर आधारित है, विक्रम संवत पर नहीं। इसे 22 मार्च 1957 से ग्रेगोरियन कैलेंडर के साथ आधिकारिक रूप से अपनाया गया। इसका पहला महीना **चैत्र** है, जो सामान्य वर्ष में 22 मार्च से और अधिवर्ष में 21 मार्च से शुरू होता है।

संवत	प्रारंभ	संबंध
विक्रम संवत	57 ई.पू.	उज्जैन के राजा विक्रमादित्य से जुड़ा; उत्तर भारत में पारंपरिक रूप से प्रचलित
शक संवत	78 ई.	कुषाण शासक कनिष्क से जुड़ा माना जाता है; भारत का राष्ट्रीय पंचांग

इतिहास से जुड़ाव: शक संवत का संबंध कनिष्क से है, जिसने चौथी बौद्ध संगीति का आयोजन कराया था (इतिहास का प्रश्न 2)। यही कारण है कि यह प्रश्न विविध खंड में होते हुए भी प्राचीन इतिहास से जुड़ जाता है।

कथन 3 सही है। रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित 'जन गण मन' के पूर्ण संस्करण में लगभग 52 सेकंड लगते हैं, जबकि इसकी पहली और अंतिम पंक्तियों वाला संक्षिप्त संस्करण लगभग 20 सेकंड का होता है। संविधान सभा ने इसे 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान के रूप में अपनाया।

150. Answer: b

4 2 3 1

युद्ध अभ्यास (अमेरिका): यह भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच होने वाले सबसे पुराने और बड़े संयुक्त अभ्यासों में से एक है। अमेरिका के साथ भारत के अन्य प्रमुख अभ्यासों में वज्र प्रहार (विशेष बल), कोप इंडिया (वायुसेना) और मालाबार (नौसेना, जिसमें जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल होते हैं) हैं।

धर्म गार्जियन (जापान): यह भारत और जापान की सेनाओं के बीच होता है। जापान के साथ नौसैनिक अभ्यास **JIMEX** और वायुसेना अभ्यास **वीर गार्जियन** हैं।

नोमैडिक एलीफ़ेंट (मंगोलिया): 'नोमैडिक' यानी घुमंतू, जो मंगोलिया की घुमंतू संस्कृति का प्रतीक है। इसी नाम से पहचानना आसान है।

शक्ति (फ़्रांस): यह भारत और फ़्रांस की सेनाओं का अभ्यास है। फ़्रांस के साथ नौसैनिक अभ्यास **वरुण** और वायुसेना अभ्यास **गरुड़** होते हैं।

परीक्षक की दृष्टि: 'गार्जियन' शब्द जापान के साथ दो अभ्यासों (धर्म गार्जियन और वीर गार्जियन) में आता है, जबकि 'गरुड़' फ़्रांस के साथ वायुसेना अभ्यास है और 'गरुड़ शक्ति' इंडोनेशिया के साथ विशेष बलों का अभ्यास। इन नामों के मिलते-जुलते होने से छात्र भ्रमित होते हैं। विकल्प (c) में युद्ध अभ्यास और धर्म गार्जियन को उलटा गया है।

याद रखने का तरीका: अभ्यास के नाम में अक्सर भागीदार देश की संस्कृति या इतिहास की झलक होती है। 'नोमैडिक एलीफ़ेंट' मंगोलिया की घुमंतू संस्कृति से, 'मित्र शक्ति' श्रीलंका के साथ मित्रता से, और 'संप्रीति' बांग्लादेश के साथ सद्भाव से जुड़ा है।